जबलपुर
रविवार, 23 जून 2024
■ आषाढ़ मास कृष्ण पक्ष-1/2
■ वर्ष : 19, अंक : 54
■ पृष्ठ : 14 मूल्य : 3.00

मौसम
अधि. 35
न्यून. 26

haribhoomi.com

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

राज्यपाल बोले-सुरक्षा के इंतजाम पुख्ता

अमरनाथ यात्रा की प्रथम पूजा से औपचारिक 'शुरुआत' हुई

जम्मू। अमरनाथ गुफा में शनिवार को प्रथम पूजा की गई। एक सप्ताह में शुरू होने जा रही अमरनाथ यात्रा को लेकर जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शनिवार को कहा कि तीर्थयात्रा को सफल बनाने के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने के साथ ही सुविधाओं में भी सुधार किया गया है। दक्षिण कश्मीर में 3,880 मीटरऊंचे पवित्र गुफा मंदिर के लिए 52 दिवसीय तीर्थयात्रा 29 जून को शुरू होगी।

शिक्षा मंत्रालय का ऐलान : 6 सदस्यीय कमेटी का नेतृत्व करेंगे पूर्व इसरो प्रमुख के राधाकृष्णन

परीक्षा प्रक्रिया सुधार के लिए केंद्र ने बनाई कमेटी, 2 महीने में देगी रिपोर्ट

नीट पेपर लीक मामले में आरोपी सिकंदर यादवेंदू के नए दावे के बाद जांच एजेंसियां संजीव मुखिया की तलाश में जुटी

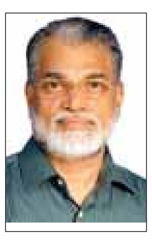

के राधाकृष्णन

सात सदस्यीय कमेटी परीक्षा प्रक्रिया के तंत्र में सुधार, डेटा सुरक्षा प्रोटोकॉल में सुधार और राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) की संरचना और कार्यप्रणाली पर सिफारिशें करेगी।

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

पूर्व इसरो प्रमुख के राधाकृष्णन परीक्षा प्रक्रिया में सुधार पर सात सदस्यीय पैनल का नेतृत्व करेंगे। इस बात की घोषणा शिक्षा मंत्रालय ने की है। केंद्र सरकार ने कहा है कि पैनल अपनी जांच की रिपोर्ट दो महीने के भीतर पेश करेगा। यूजीसी नेट को रद्द करने और नीट यूजी 2024 के कथित पेपर लीक को लेकर आलोचनाओं का सामना कर रहे शिक्षा मंत्रालय ने शनिवार को परीक्षाओं का पारदर्शी, सुचारू और निष्पक्ष संचालन सुनिश्चित करने के लिए इसरो के पूर्व अध्यक्ष डॉ. के राधाकृष्णन की अध्यक्षता में विशेषज्ञों की एक उच्च स्तरीय समिति के गठन की घोषणा की।

केंद्र सरकार ने पेपर लीक को रोकने के लिए पिछले 24 घंटे में उठाया दूसरा ये बड़ा कदम

सुप्रीम कोर्ट ने 6 जुलाई से शुरू होने वाली नीट-यूजी काउंसलिंग प्रक्रिया को स्थगित करने से इनकार कर दिया और कहा कि यह ऐसी प्रक्रिया नहीं है, जिसे जब चाहे शुरू एवं जब चाहे बंद कर दिया जाए।

कमेटी में एक अध्यक्ष व 6 सदस्य

कमेटी में एम्स दिल्ली के पूर्व डायरेक्टर डॉ. रणदीप गुलेरिया का नाम भी शामिल है। इसके अलावा हैदराबाद केंद्रीय यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रोफेसर बीजे राव, आईआईटी मद्रास सिविल इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर एमेरिटस, प्रो. राममूर्ति के भी समिति के सदस्य हैं।

डॉ. रणदीप गुलेरिया

नीट मामले पर ईओयू ने सौंपी शिक्षा मंत्रालय को रिपोर्ट, पैसे के लेन-देन के दिए सबूत

नीट मामले में बिहार की आर्थिक अपराध शाखा (ईओयू) ने अपनी रिपोर्ट शिक्षा मंत्रालय को सौंप दी है। ईओयू ने इस मामले में पैसे से जुड़े लेन-देन के सबूत दिए हैं। ईओयू ने 21 जून तक की जांच रिपोर्ट मंत्रालय को सौंपी है। शिक्षा मंत्रायलय को जो रिपोर्ट सौंपी है, उसमें जलाए गए नीट यूजी प्रश्न पत्र-बुकलेट को नंबर के साथ रिपोर्ट में रखा गया है। वहीं अभ्यर्थियों की तरफ से दिए गए पोस्ट डेटेड चेक का जिक्र, पेपर लीक माफिया ने जिस मोबाइल का इस्तेमाल किया, उसका भी जिक्र रिपोर्ट में है। हालांकि बाद में मोबाइल को फॉर्मेट कर दिया गया। इसके अलावा पैसे के लेन-देन के सबूत और लोकेशन के बारे में भी जानकारी रिपोर्ट में दी गई, जहां अभ्यर्थियों को प्रश्न पत्र और जवाब मुहैया कराए गए थे।

शुक्रवार को लागू हुआ एंटी पेपर लीक कानून

केंद्र सरकार ने पेपर लीक को रोकने के लिए पिछले 24 घंटे में दूसरा ये बड़ा कदम उठाया है। इससे पहले शुक्रवार को ही सरकार ने एंटी पेपर लीक कानून लागू किया था। शुक्रवार देर रात इस कानून को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंजूरी दी थी। इस कानून के लागू होने के बाद पेपर लीक के दोषियों को तीन साल से 10 साल तक की सजा और 10 लाख से एक करोड़ तक के जुर्माने का प्रावधान है।

संजीव मुखिया गिरोह के सदस्य चिंटू और पिंटू झारखंड से गिरफ्तार

गिरफ्तार सिकंदर

नीट पेपर लीक मामले में झारखंड के देवघर से दो गिरफ्तारी हुई हैं। आरोपी चिंटू और पिंटू को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। झारखंड से अब तक 6 गिरफ्तारी हो चुकी हैं। गिरफ्तार हुए आरोपी चिंटू और पिंटू संजीव मुखिया गिरोह के सदस्य हैं। इस मामले में अब तक कुल 19 गिरफ्तारियां हो गई हैं। नीट पेपर लीक मामले में आरोपी सिकंदर यादवेंदू के नए दावे के बाद जांच एजेंसियां संजीव मुखिया की तलाश में जुट गई है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि रेल मंत्री वैष्णव ने दी सहमति

इंदौर व उज्जैन के बीच शुरू होगा मेट्रो ट्रेन संचालन, पुरानी मेट्रो के स्थान पर वंदे मेट्रो सर्किल ट्रेन चलेगी

प्रदेश के बड़े नगरों के लिए जनप्रतिनिधियों की सहमति से लागू होंगे ट्रैफिक प्लान

भोपाल में एम्स से करोंद चौराहे तक कुल 16.74 किमी की लंबाई में मेट्रो की लाइन तैयार करने का कार्य तीन चरणों में पूरा होगा। प्रथम चरण सात किमी का है, जिसमें 8 स्टेशन (एलिवेटेड) शामिल हैं।

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मप्र के बड़े नगरों के लिए नए ट्रैफिक प्लान की जरूरत को देखते हुए सरकार महत्वपूर्ण कदम उठाने जा रही है। इसमें सबसे महत्वपूर्ण इंदौर व उज्जैन के बीच मेट्रो ट्रेन के संचालन का निर्णय शामिल है। यह सिंहस्थ 2028 में श्रद्धालुओं के आवाजाही की सुविधा की दृष्टि से भी उपयोगी होगा। आने वाले समय में इंदौर एयरपोर्ट से महाकाल मंदिर तक वंदे मेट्रो की सुविधा प्रदेशवासियों और देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों एवं श्रद्धालुओं के लिए एक अहम सौगात होगी। इसके साथ ही विभिन्न शहरों के लिए वंदे मेट्रो चलाने पर भी सहमति हुई है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने यह बात शनिवार को मुख्यमंत्री निवास कार्यालय स्थित समत्व भवन में अधिकारियों की बैठक में कही। उन्होंने केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के साथ हाल ही में हुई चर्चा के अनुसार मप्र में विभिन्न शहरों के लिए वंदे मेट्रो चलाने पर सहमति के बारे में बात की। बैठक में नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, राज्य मंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी, मुख्य सचिव श्रीमती वीरा राणा, एसीएस मुख्यमंत्री डॉ. राजेश राजौरा, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री संजय कुमार शुक्ला, प्रमुख सचिव नगरीय प्रशासन विभाग नीरज मंडलोई और मप्र मेट्रो रेल कार्पोरेशन लिमिटेड के अधिकारी मौजूद थे।

इंदौर-उज्जैन के बीच मेट्रो चलाने का फिजिबिलिटी सर्वे कराया गया

मुख्यमंत्री ने कहा कि इंदौर-उज्जैन के बीच मेट्रो चलाने से संबंधित फिजिबिलिटी सर्वे की रिपोर्ट प्राप्त हुई है। इंदौर मेट्रो की प्रगति पर भी बताया गया कि कुल 31.32 किमी में कार्य हो रहा है। इंदौर में कुल 28 स्टेशन बनेंगे। विभिन्न शहर परस्पर बेहतर ढंग से इससे जुड़ सकेंगे। भोपाल में एम्स से करोंद चौराहे तक कुल 16.74 किमी की लंबाई में मेट्रो की लाइन तैयार करने का कार्य तीन चरणों में पूरा होगा। प्रथम चरण सात किमी का है, जिसमें 8 स्टेशन (एलिवेटेड) शामिल हैं।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155
airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

टेनिस स्टार सुमित पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई

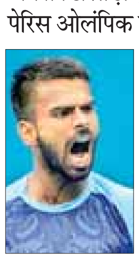

नई दिल्ली। भारत के टॉप मेंस टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल ने पेरिस ओलंपिक के लिए सफलतापूर्वक क्वालीफाई कर लिया है। हरियाणा के जैतपुर में जन्मे 26 वर्षीय खिलाड़ी ने अपने एक्स हैंडल पर इस खबर की पुष्टि की। सुमित ने भारतीय खेल प्राधिकरण और टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम को धन्यवाद दिया।

8वीं मंजिल से गिरी छात्रा की मौत

ग्वालियर। गोला का मंदिर द लिगेसी अपार्टमेंट की 8वीं मंजिल से केन्द्रीय विद्यालय की एक छात्रा की गिरने से मौत हो गई है। परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। पुलिस जांच कर रही है। बताया जा रहा है कि छात्रा घर से दशहरा मैदान सहेली से मिलने की कहकर निकली थी, लेकिन अपार्टमेंट में पहुंच गई।

तालिबानी सजा देने वाला सरपंच गिरफ्तार

धार। जिले में शुक्रवार को मानवता को शर्मसार करता वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ था, जिसमें कुछ युवक एक युवती को पकड़े हुए हैं वहीं एक अन्य आरोपी युवक बहरहमी से बर्बरता पूर्वक लट्ठ से महिला से मारपीट करता नजर आ रहा है। वायरल वीडियो को लेकर धार पुलिस ने घटना के मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

पड़ोसी देश के लोगों को मिलेगी 'मेडिकल ई-वीजा' की सुविधा

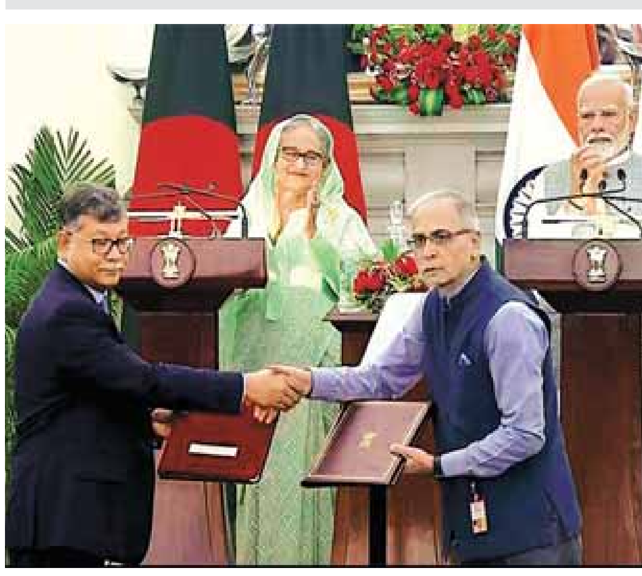

भारत-बांग्लादेश के बीच 10 बड़े समझौते

नई दिल्ली। भारत और बांग्लादेश ने शनिवार को समुद्री क्षेत्र और समुद्री अर्थव्यवस्था (ब्लू इकॉनोमी) में संबंधों को बढ़ावा देने सहित 10 समझौतों पर हस्ताक्षर किए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बांग्लादेशी पीएम शेख हसीना के बीच व्यापक बातचीत के बाद समझौतों को अंतिम रूप दिया गया। दोनों देशों के बीच रेलवे संपर्क बढ़ाने के समझौते पर भी हस्ताक्षर किए गए।

कार पेड़ से टकराई, युवक की मौत

प्रेमिका का शव कार में छिपाया दुघर्टना हुई तो एसिड पी लिया

हरिभूमि न्यूज ⏭ उमरिया

युवक ने शादीशुदा गर्लफ्रेंड की हत्या कर दी। शव ठिकाने लगाने के लिए कार में लेकर घूमता रहा। इसी दौरान कार पेड़ से टकरा गई। मदद के लिए लोग पहुंचे तो उन्हें महिला को अचेत अवस्था में देखकर संदेह हुआ।

इसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची तो युवक ने एसिड पी लिया। पुलिस ने उसे कस्टडी में लेकर शहडोल मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया है। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि शुक्रवार शाम करीब 5 बजे ग्राम खामा के जंगल में एक ऑल्टो कार बेकाबू होकर पेड़ से टकरा गई। कार सूरज पनिका (30) चला रहा था।

सिवनी में गो-वंश हत्या केस की जांच एडीजी (सीआईडी) करेंगे

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सिवनी में हुए गो-वंश हत्या की उच्च स्तरीय जांच के निर्देश दिए हैं। इसकी जवाबदारी अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (सीआईडी) पवन श्रीवास्तव को दी गई है। उनकी देख-रेख में जांच कर कार्रवाई की जाएगी। जल्दी ही वे सिवनी पहुंचेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि गो-माता के खिलाफ कोई भी अपराध बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने जबलपुर संभाग के वरिष्ठ प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों से पूरे मामले पर नजर रखने को कहा है।

एमपी पीएससी का दावा

आज ही दो सत्रों में होगी राज्य सेवा, वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा

सोशल मीडिया पर चल रही खबरों के बताया 'भ्रामक'

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा राज्य सेवा एवं राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2024 दो सत्रों में 55 संभाग जिला मुख्यालयों में आयोजित की जा रही है। आयोग के मुताबिक सोशल मीडिया पर कुछ अन्य प्रचार माध्यमों के द्वारा निराधार भ्रामक खबरें चल रही हैं। परीक्षा की गोपनीयता के संबंध में भ्रामक समाचारों को न फैलाएं। यह परीक्षा निर्धारित तिथि और निर्धारित समय पर ही आयोजित होगी। विदित हो कि मध्यप्रदेश में रविवार 23 जून को आयोजित होने वाली मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग की परीक्षा से पहले शनिवार को सोशल मीडिया और टेलीग्राम पर पर्चा लीक होने की चैटिंग जमकर वायरल हुई। इस पूरे मामले को लेकर एमपीपीएससी ने जांच के बाद पुष्टि करने की बात कही है। साथ ही एमपीपीएससी ने विज्ञप्ति जारी कहा है कि परीक्षा तय समय पर ही होगी।

दिल्ली-एनसीआर समेत पूरे उत्तर भारत में भीषण गर्मी

80 साल का रिकॉर्ड टूटा, धरती से पहाड़ों तक दिखा असर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली-एनसीआर समेत पूरे उत्तर भारत में इस बार भीषण गर्मी और हीटवेव ने सभी का हाल बेहाल कर दिया। इस साल गर्मी का हाल ऐसा है कि दिन ही नहीं रात में भी तापमान रिकॉर्ड तोड़ रहा है। इससे पहाड़ी क्षेत्र भी नहीं बचे। जम्मू-कश्मीर में छह दिन, हिमाचल प्रदेश (12) और उत्तराखंड में दो दिन हीटवेव देखी गई।

केरल में 5 तो तमिलनाडु जैसे तटीय क्षेत्रों 14 दिन हीटवेव के दर्ज किए गए।दिल्ली में तापमान ने पिछले 80 सालों का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। उत्तर भारत के राज्यों में ही हीटस्ट्रोक के कारण अनेक लोगों की जान चली गई। देशभर में लू से मरने का सिलसिला जारी है।

मई अब तक का सबसे गर्म महीना

यूरोपीय जलवायु एजेंसी कॉपरनिकस के अनुसार मई 2024 अब तक का सबसे गर्म मई का महीना था। उत्तर पश्चिम भारत और मध्य क्षेत्र के कुछ हिस्से प्रचंड गर्मी की चपेट में हैं। इस साल देश सबसे लंबी और भीषण गर्मी झेल रहा है। साल 2024 पिछले 15 वर्षों में सबसे तीव्र और सबसे अधिक हीटवेव वाले दिनों वाला वर्ष बनने जा रहा है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के आंकड़ों से पता चला है कि 1 मार्च से 9 जून के बीच 15 से अधिक हीटवेव वाले दिन दर्ज किए गए हैं। आमतौर पर औसतन 6-8 लू वाले दिन होते हैं। वर्ल्ड वेदर एट्रिब्यूशन ग्रुप के अध्ययन से पता चला है कि जलवायु परिवर्तन ने पूरे एशिया में अनुभव की गई हीट वेव की तीव्रता को काफी बढ़ा दिया है। उत्तर भारत में सामान्य रूप से तापमान 40-48 डिग्री सेल्सियस को पार करता रहा है। जून भी उसी तर्ज पर उबला है।

इसकी भयावहता ने अनेक लोगों और जीव-जंतुओं की जान ले ली

यह साल सबसे लंबी और भीषण गर्मी वाला रहा

ग्लोबल वॉर्मिंग का सबसे स्पष्ट प्रभाव हीटवेव नई आपदा बनकर उभरा है। यह साल सबसे लंबी और भीषण गर्मी वाला रहा है और देश में 25,000 से अधिक हीटवेव से बीमार हुए लोगों के मामले दर्ज किए गए हैं।

सबसे ज्यादा रहे हीटवेव वाले दिन

मौसम विभाग का कहना है कि पिछले 15 सालों में सबसे अधिक हीटवेव वाले दिन 2024 में देखने को मिले हैं। सबसे अधिक हीटवेव वाले (27) दिन ओडिशा में दर्ज किए गए हैं, इसके बाद राजस्थान (23), गंगीय पश्चिम बंगाल (21), हरियाणा (20), चंडीगढ़ (20), दिल्ली (20) और पश्चिम उत्तर प्रदेश (20) का स्थान रहा।

दुनिया के 40 फीसदी हिस्से में बढ़ा औसत तापमान

जलवायु परिवर्तन पर केंद्रित यूके स्थित प्रकाशन कार्बन ब्रीफ ने पिछले साल एक विश्लेषण प्रकाशित किया था जिसके मुताबिक धरती के लगभग 40 फीसद हिस्से ने 2013 से 2023 के बीच अपना उच्चतम दैनिक तापमान दर्ज किया था। इसमें अंटार्कटिका भी शामिल हैं। इस अवधि के दौरान भारत में सबसे अधिक तापमान राजस्थान में दर्ज किया गया।

मौतों पर आईएमडी ने दी चेतावनी

आईएमडी ने चेतावनी दी कि सभी आयुवर्ग के लोगों में ताप जनित बीमारियां और हीट स्ट्रोक की बहुत अधिक संभावना है और कमजोर लोगों के लिए अत्यधिक देखभाल की आवश्यकता है। वर्षों के वैज्ञानिक शोध से पता चला है कि जलवायु संकट के कारण हीटवेव अधिक लंबे समय तक, अधिक बार और अधिक तीव्र हो रही हैं।

खबर संक्षेप

ओबीसी नेता हाके ने खत्म किया अनशन

मुंबई। ओबीसी नेता लक्ष्मण हाने ने अपना अनशन खत्म कर दिया है। हाके10 दिन से भूख हड़ताल पर बैठे थे। शनिवार को पानी पीकर इस अनशन को खत्म कर दिया।महाराष्ट्र सरकार की तरफ से लक्ष्मण हाके को लिखित में आश्वासन दिया गया है कि राज्य सरकार उनके सभी मांगो को लेकर सकारात्मक चर्चा कर रही है। सरकार ने कुछ मांगों पर फैसला ले लिया है।

मजदूर की मौत पर गुरुग्राम में तोड़फोड

गुरुगराम। राजधानी दिल्ली से सटे गुरुग्राम के सेक्टर 35 में शनिवार को कथित तौर पर फैक्ट्री बस से कुचलकर एक मजदूर की मौत के बाद हिंसा भड़क गई। सैकड़ों लोग सड़कों पर उतर आए और कई वाहनों में तोड़फोड़ की। भीड़ ने पुलिस पर भी पथराव किया।एक पुलिसकर्मी घायल हो गया। मृतक की पहचान आगरा के 24 वर्षीय मोनू कुमार के रूप में हुई है।

कोलकाता के गार्स्टिन प्लेस में भीषण आग

कोलकाता। देश के विभिन्न हिस्सों में आग लगने की कई घटनाएं सामने आई हैं। शनिवार सुबह कोलकाता के 5वें गार्स्टिन प्लेस में भीषण आग लग गई। बिल्डिंग करीब 100 साल पुरानी बताई जा रही है, जिससे उसमें रहने वालों के मन में इसके गिरने की आशंका भी है। यहां कई पुरानी इमारते हैं। उनमें कई परिवार रह रहे हैं। सभी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है।

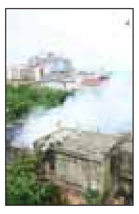

कारोबारी के ठिकानों पर सीबीआई छापा

जयपुर। राजस्थान में बजरी माफिया पर सीबीआई ने नकेल कसना शुरू कर दिया है। जानकारी सामने आई है कि बजरी कारोबारी मेघराज सिंह के कई ठिकानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी की कार्रवाई की जा रही है। बताया जा रहा है कि बजरी किंग मेघराज सिंह के एमआरएस एसोसिएट ग्रूप की चेक पर अवैध बजरी खनन के खिलाफ सीबीआई ने कार्रवाई की है।

दौलताबाद में कंपनी में धमाके, 3 लोगों की मौत

नई दिल्ली। दौलताबाद इंडस्ट्रियल इलाके में रात में उस वक्त हड़कंप मच गया जब यहां एक निजी कंपनी में आग लग गई। आग लगने से बाद कंपनी में जोरदार धमाके हुए। आग लगने सुचना तुरंत दमकल विभाग को दी गई। इसके बाद मौके पर पहुंचे दमकलकर्मियों ने आग पर काबू पाने का काम शुरू किया। हादसे में 3लोगों की मौत हो गई है और 3 गंभीर रूप से घायल हैं।

आंध्र प्रदेश में सत्ता बदली और सियासी लड़ाई का दौर शुरू

मुख्यमंत्री पर लगा बदले की कार्रवाई का आरोप

जगन की पार्टी के दफ्तर पर चला नायडू का बुलडोजर, मामला पहुंच गया हाईकोर्ट

पूर्व मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी की पार्टी वाईएसआरसीपी का कार्यालय ध्वस्त किया

मामला अदालत में था विचाराधीन

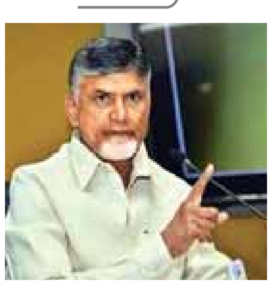

एजेंसी ▶▶ अमरावती

आंध्र प्रदेश में सत्ता बदल गई है, जिसके बाद नई सरकार के तहत प्रशासन धड़ाधड़ फैसले ले रहा है और शनिवार को राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी की पार्टी वाईएसआरसीपी का कार्यालय ध्वस्त कर दिया गया। राज्य के विजयवाड़ा के तोडेपल्ले जिले में पार्टी का यह कार्यालय बुलडोजर की मदद से ध्वस्त कर दिया गया।

इस केस में वाईएसआरसीपी ने सीएम चंद्रबाबू नायडू पर 'बदले की राजनीति' का आरोप लगाया है। पूर्व सीएम रेड्डी की पार्टी ने कहा कि उसने आंध्र प्रदेश राजधानी क्षेत्र विकास प्राधिकरण की कार्रवाई को चुनौती देते हुए हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था और एक रिट याचिका दायर की थी, जिसमें सुनवाई पूरी होने तक ताडेपल्ली में उनके केंद्रीय कार्यालय भवन के खिलाफ किसी भी कार्रवाई के खिलाफ आदेश देने का अनुरोध किया गया था।

झुकेगी नहीं वाईएसआरसीपी

वाईएसआरसीपी प्रमुख जगन मोहन ने कहा है कि चुनाव के बाद हो रही हिंसक घटनाओं और खून-खराबे ने इसके संकेत दे दिए हैं कि चंद्रबाबू नायडू सरकार के पांच साल का शासन कैसा रहने वाला है? इन धमकियों, हिंसा के इन कृत्यों से वाईएसआरसीपी न तो झुकेगी और न ही पीछे मुड़कर देखेगी। हम जनता की ओर से, जनता के लिए और जनता के साथ कड़ा संघर्ष करेंगे। मैं देश के सभी लोकतंत्रवादियों से अनुरोध करता हूं कि वे चंद्रबाबू नायडू सरकार के इस कृत्य की निंदा करें।

अधिकारियों ने कहा- परिसर की दीवार से सटी संरचनाओं को हटाया

आंध्र प्रदेश राजधानी क्षेत्र विकास प्राधिकरण के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार नगर निगम के अधिकारियों ने जगन के आवास के बाहर फुटपाथ पर टाइल लगाने का काम करने के लिए परिसर की दीवार से सटी संरचनाओं को हटाया।

उचित प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया

वहीं इस मामले पर वाईएसआरसीपी नेता रवि चंद्र रेड्डी ने कहा कि बिना किसी प्रक्रिया का पालन किए बुलडोजरों ने वाईएसआरसीपी कार्यालय को ध्वस्त कर दिया। यह टीडीपी की शुद्ध प्रतिशोध की राजनीति है। बता दें कि इससे पहले 15 जून को प्राधिकरण ने हैदराबाद के तेलंगाना वाले हिस्से में जगन के लोटस पॉन्ड निवास के निकट फुटपाथ पर कुछ संरचनाओं को ध्वस्त किया था।

जगनमोहन ने बोला हमला दमनकंद किया जा रहा

बताया जा रहा है कि वाईएसआरसीपी का निर्माणाधीन केंद्रीय कार्यालय भवन कथित तौर पर 'अवैध रूप से कब्जे वाली' भूमि पर बनाया जा रहा था। इस आरोप को लेकर जगन की पार्टी ने कहा कि मामला अभी अदालत में विचाराधीन था, फिर भी टीडीपी सरकार ने वाईएसआरसीपी के कार्यालय पर बुलडोजर चलवा दिया जो कि बदले की नीति है। पूर्व सीएम जगन मोहन ने एक एक्स पोस्ट में कहा कि आंध्र प्रदेश में चंद्रबाबू अपने दमनकंद को एक नए स्तर पर ले गए। एक तानाशाह ने ताडेपल्ली में लगभग पूरा हो चुके वाईएसआरसी पार्टी के केंद्रीय कार्यालय पर बुलडोजर चला दिया। हाई कोर्ट के आदेशों की अनदेखी की गई। राज्य में कानून और न्याय तंत्र पूरी तरह से समाप्त हो गया है।

जल संकट पर दिल्ली में सियासी गर्मी

आतिशी के 'जल सत्याग्रह' के खिलाफ भाजपा ने टैंकर माफिया पर उठाया सवाल

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली में पानी का संकट सियासी रूप ले लिया है। इससे संकट दूर होने के बजाए यह सियासी नफा-नुकसान मुख्य मुद्दा बन गया है। आम आदमी पार्टी की मंत्री आतिशी का अनशन दूसरे दिन भी जारी रहा। अपने 'जल सत्याग्रह' स्थल से एक वीडियो संदेश में उन्होंने कहा कि जब तक हरियाणा दिल्ली की जनता के लिए और पानी नहीं छोड़ता, तब तक वह कुछ नहीं खाएंगी।

उन्होंने दावा किया कि शहर में 28 लाख लोग पानी की किल्लत से जूझ रहे हैं। इस बीच, भाजपा कार्यकर्ताओं ने दिल्ली जल बोर्ड कार्यालय के बाहर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। उनको रोकने और तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने पानी की बौछार की।

अपनी ही सरकार के खिलाफ आप का प्रदर्शनः पूनावाला

आतिशी के आरोपों पर भाजपा नेता शहजाद पूनावाला ने कड़ा प्रतिवाद किया है। उन्होंने कहा कि आप पिछले 10 सालों से दिल्ली में सत्ता में है। उनके पास दिल्ली जल बोर्ड है, एमसीडी है। उनके पास सभी महत्वपूर्ण विभाग हैं तो क्या वे अपनी ही सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं?

धरने पर ही नौकरी से निकाले गए बस मार्शलों ने प्रदर्शन किया

आतिशी के मंच के पास नौकरी से निकाले गए बस मार्शलों ने प्रदर्शन किया। सुरक्षा कर्मियों ने उन्हें किसी तरह से हटाया। प्रदर्शनकारियों ने आपपर मारपीट करने का आरोप लगाया है। उनका कहना था कि उन्हें बसों में मार्शल के रूप में तैनात किया गया था। सरकार ने उन्हें नौकरी से निकाल दिया।

कांग्रेस का भी आप के खिलाफ मोर्चा

कांग्रेस भी इस मामले में हमलावर है। अलका लांबा ने कहा कि यह दिल्ली की आप सरकार द्वारा जारी 'पानी सत्याग्रह' के मंच की सुबह की तस्वीर है। मंच खाली है और मंत्री गायब हैं, जो पिछले कमरे में सत्याग्रह के नाम पर आराम फरमा रही हैं। जो सत्ता में हैं उन्हें धरना देने की बजाए समस्या का निराकरण करना चाहिए और यदि यह उनके बूते की बात नहीं है तो तत्काल इस्तीफा दें।

जोधपुर में सांप्रदायिक तनाव

ईंट और पत्थर से हमला, कई दुकानें फूंकी, चप्पे- चप्पे पर पुलिसबल तैनात

एजेंसी ▶▶ जोधपुर

राजस्थान के जोधपुर जिले में शुक्रवार रात दो समुदाय के लोग आपस में भिड़ गए और उन्होंने एक दूसरे पर ईंट-पत्थर से हमला कर दिया। इस दौरान कई दुकानें व गाड़ियां फूंक दी।

पुलिस उन्हें रोकने के लिए वहां पहुंची तो उपद्रवियों ने उन पर भी हमला कर दिया। अतिरिक्त पुलिस बल मौके पर बुलाकर हालात पर काबू पाया गया। हालांकि अभी भी पूरे इलाके में सांप्रदायिक तनाव बना हुआ है। चप्पे-चप्पे पर भारी पुलिस बल की तैनाती की गई है।

पुलिस कार्रवाई से दोबारा किया पथराव

पुलिस के वहां पहुंचते ही सभी असामाजिक तत्व घरों में घुस गए। इसका फायदा उठाकर सबसे पहले पुलिस ने दमकल वाहनों को बुलाकर आग पर काबू पाया। इसके बाद पुलिस ने पथराव करने वाले लोगों को घरों से निकालना शुरू कर दिया। इसी कारण वहां दोबारा पथराव शुरू हो गया।

धार्मिक इमारत में गेट खोलने पर विवाद

सूरसागर क्षेत्र के व्यापारियों का मोहल्ला में दो पक्षों में लंबे समय से विवाद था। 2-3 दिन पहले भी नाबालिग बच्चों झगड़ा हुआ था, जिसके बाद परस्पर मुकदमा दर्ज करवाया था। शुक्रवार को एक पक्ष के लोग धार्मिक इमारत की दीवार में गेट खोलने लगे, जिसका दूसरे पक्ष के लोगों ने विरोध किया। यही विवाद बड़ा रूप ले लिया।

मायावती ने छीना था ओहदा, अब आकाश को दी फिर अहम जिम्मेदारी

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती के भतीजे आकाश आनंद की राजनीति में री-एंट्री हो रही है। लोकसभा चुनाव के दौरान मायावती ने उन्हें 'अपरिपक्व' बताकर पार्टी में राष्ट्रीय कोऑर्डिनेटर के पद और अपने उत्तराधिकार से हटा दिया था। अब विधानसभा उपचुनावों में उत्तराखंड और पंजाब के जरिए उन्हें फिर राजनीति में सक्रिय किए जाने की तैयारी है। स्टार प्रचारकों की लिस्ट में वे दूसरे नंबर पर हैं। अब उन्हें दो राज्यों के विधानसभा उपचुनावों में प्रभारी बनाया है तो बसपा में एक बार फिर धीरे-धीरे उनकी सक्रियता बढ़ेगी।

जगन्नाथ प्रभु का जलयात्रा जुलूस

अहमदाबाद। अहमदाबाद में वार्षिक रथ यात्रा या रथ जुलूस से पहले जल यात्रा जुलूस के हिस्से के रूप में जगन्नाथ मंदिर के मुख्य पुजारी और अन्य संत साबरमती नदी का पवित्र जल एक धातु के घड़े में भर रहे हैं।

शाह ने अहमदाबाद में 30 स्मार्ट स्कूलों का किया ई-लोकार्पण

नई शिक्षा नीति से छात्रों के जीवन में प्रकाश फैलेगा

स्मार्ट स्कूलों के पाठ्यक्रम में स्किल डेवलपमेंट, वोकेशनल ट्रेनिंग, डिजिटल एम्पावरमेंट शामिल

एजेंसी ▶▶ अहमदाबाद

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को गुजरात के अहमदाबाद में 30 स्मार्ट स्कूलों का ई-लोकार्पण किया। शाह ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लाई गई नई शिक्षा नीति 2020 के तहत अहमदाबाद म्युनिसिपल स्कूल बोर्ड द्वारा 36 करोड़ की लागत से निर्मित 30 स्मार्ट स्कूलों का आज लोकार्पण हुआ है। इनमें घाटलोडिया विधानसभा में 9स्मार्ट स्कूल, वेजलपुर विधान सभा क्षेत्र में 10, नारणपुरा में 4 और साबरमती में 7 स्मार्ट स्कूल का लोकार्पण हुआ है।

इन 30 स्मार्ट स्कूलों के लोकार्पण से 10 हजार से अधिक बच्चों को नई शिक्षा नीति का सीधा फायदा मिलेगा और उनके जीवन में शिक्षा का प्रकाश फैलेगा।इस अवसर पर राज्य के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

गांधीनगर लोस क्षेत्र में 59 स्कूल स्मार्ट बने

उन्होंने कहा कि गांधीनगर लोक सभा क्षेत्र के कुल 69 में से 59 स्कूल स्मार्ट स्कूल बन गए हैं और जो स्कूल बचे हैं वो भी जल्द ही स्मार्ट स्कूल में परिवर्तित हो जाएंगे। इन स्मार्ट स्कूलों के पाठ्यक्रम में स्किल डेवलपमेन्ट, वोकेशनल ट्रेनिंग, डिजिटल एम्पावरमेन्ट को शामिल किया गया है। इसके साथ ही गणित, विज्ञान प्रयोगशालाएं, फ्यूचर क्लासरूम, थ्री-डी एजुकेशनल चार्ट, थ्री-डी पेन्टिंग और भारतीय संस्कृति के सारे पहलुओं का अभ्यास भी सम्मिलित किया गया है।

मोदी के योग के प्रस्ताव को दुनिया ने माना

शाह ने कहा कि आज से 10 साल पहले 2014 में प्रधानमंत्री मोदी संयुक्त राष्ट्र महासभा में प्रस्ताव रखा था कि 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाया जाना चाहिए। पीएम मोदी के प्रस्ताव का दुनिया के लगभग 170 देशों ने समर्थन किया। 10 साल से हर वर्ष 21 जून को पूरा विश्व हमारे ऋषि-मुनियों की देन योग का अंतरराष्ट्रीय दिवस मना रहा है।

हर तबके के बच्चों को मिलेगा लाभ

शाह ने कहा कि मंत्री बनने के बाद उनका पहला कार्यक्रम समाज के निम्न और गरीब वर्ग के बच्चों के लिए आयोजित किया गया है। केंद्र की मोदी सरकार हर बच्चे को शिक्षा संबंधी लाभ दे रही है।

पुल पर फंसी गाड़ी, किसी तरह ट्रैक पर पहुंचा

जान हथेली पर रख लोको पायलट ने खराबी सुधारी

एजेंसी ▶▶ चंपारण

बिहार के पश्चिम चंपारण जिले से एक चौंकाने वाली खबर है। एक लोको पायलट कभी पुल से लटकते तो कभी ट्रैक पर रेंगते नजर आए। उन्होंने ऐसा काम कर दिखाया जिससे लोग हैरान हैं।

अब इस काम के लिए रेलवे ने इन्हें 10 हजार रुपए इनाम देने की घोषणा की है। समस्तीपुर रेल मंडल के वाल्मिकीनगर और पानियावा स्टेशन के बीच पिलर नंबर 383 पर अचानक पैसेंजर ट्रेन के लोको इंजन का अनलोड वॉल्व लीक हो गया। इस कारण ट्रेन वहीं खड़ी हो गई। पुल के ऊपर रेलवे की टीम का पहुंचना भी मुश्किल था। इस बीच लोको पायलट और सहायक लोको पायलट ने वॉल्व को ठीक करने की ठान ली।

पश्चिम मध्य रेल
विद्युत लोको शेड, नई कटनी जं.
ई-टेण्डर नोटिस
दिनांक: 20.06.2024

वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियंता, टी.आर.एस., पश्चिम मध्य रेल, नई कटनी जंक्शन (कटनी) म.प्र. भारत के राष्ट्रपति एवं उनकी ओर से पात्रता पूर्ण करने वाले प्रतिष्ठित एवं अनुभवी ठेकेदारों से निम्न कार्य हेतु ई–निविदा जेम पोर्टल के माध्यम से आमंत्रित करते है। **सं. 1. निविदा/बिड क्रमांक:** GEM/2024/B/5072836. **कार्य का नामः क्लीनिंग, सैनिटेशन, डिसइन्फेक्शन सर्विस ऑफ इलेक्ट्रिक लोको शेड, नकज फॉर 2 इयर्स कॉम्प्रिसिंग ऑफ अपकीप ऑफ शेड प्रीमाईसेस थारो क्लीनिंग ऑफ टॉयलेट्स मेकेनाइज्ड क्लीनिंग ऑफ शॉप फ्लोर कलेक्शन सेग्रीगेशन एंड डिस्पोजल ऑफ स्क्रैप रिमूवल एंड डिस्पोजल ऑफ आयरन चिप्स फ्रॉम पिट व्हील लेथ एंड मेंटेनेंस ऑफ गार्डन। निविदा का अनुमानित मूल्यः** ₹ 79,65,289/-. **निविदा फार्म की कीमतः** Nil. **बयाना राशिः** ₹ 1,59,306/-. **कार्य समापन की अवधिः** 24 माह। **निविदा प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि एवं समयः** 11.07.2024 को 17.00 बजे तक। **टिप्पणीः 1.** निविदा प्रपत्र एवं निविदा से सम्बंधित पूर्ण जानकारी जेम पोंटल पर उपलब्ध है। **2.** इस टेंडर हेतु कोई मैन्युअल ऑफर मान्य नहीं है तथा यदि ऐसा कोई मैन्युअल ऑफर प्राप्त होता है तो वह मान्य नहीं होगा। **3.** इस टेंडर से सम्बंधित कोई आवश्यक संशोधन यदि जरुरी होगा तो उसे वेबसाइट पर अपलोड कर दिया जायेगा, जिसे खुलने के दिन तक देखा जा सकता है।

स्वच्छ भारत अभियान
एक कदम स्वच्छता की ओर

असेंबली लाइन स्थापित करने पर विचार

दुनिया की सबसे बड़ी कंपनी लॉकहीड मार्टिन भारत में सी 130 जे सुपर विमान बनाएगी

सी-130 जे सुपर हरक्यूलिस की फैक्ट्री लगाने पर बात

भारतीय वायु सेना (आईएएफ) को मीडियम ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट की आपूर्ति करने के सौदे को हासिल करने के लिए कई दिग्गज मैदान में उतर रहे हैं, जिनमें से एक दुनिया की सबसे बड़ी हथियार बनाने वाली कंपनी लॉकहीड मार्टिन भी शामिल है।

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

लॉकहीड मार्टिन वही कंपनी है, जिसने अमेरिका के लिए पांचवी पीढ़ी के लड़ाकू विमान जी-35 और एफ-22 का निर्माण किया है और अब ये अमेरिकी रक्षा दिग्गज, मेक इन इंडिया के तहत भारत में विशेष ऑपरेशन विमान सी-130 जे सुपर हरक्यूलिस के लिए असेंबली लाइन स्थापित करने पर विचार कर रहा है।

लॉकहीड मार्टिन और महिंद्रा के बीच हुआ एमओयू

लॉकहीड मार्टिन का यह बयान एम्ब्रेयर डिफेंस एंड सिक्योरिटी और महिंद्रा के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने के बाद आया है। सी-390 मिलेनियम एक मल्टी-मिशन, ट्विन-इंजन, जेट-संचालित, सामरिक परिवहन विमान है। यह बाजार में सबसे आधुनिक सैन्य परिवहन विमान है, जो अन्य मध्यम आकार के सैन्य परिवहन विमानों की तुलना में ज्यादा पेलोड (26 टन) ले जा सकता है, और 870 किमी/घंटा (470 नॉट) की गति से उड़ान भर सकता है। यह 2019 में ब्राज़ीलियाई वायु सेना में शामिल हुआ। तब से, इसे ब्राज़ीलियाई वायु सेना, पुर्तगाली वायु सेना, हंगेरियन वायु सेना, ऑस्ट्रियाई वायु सेना, चेक गणराज्य वायु सेना और रॉयल नीदरलैंड वायु सेना में शामिल किया गया है। दक्षिण कोरिया ने दिसंबर 2023 में इसे चुना था।

भारत को चाहिए परिवहन एयरक्राफ्ट

दरअसल, इंडियन एयरफोर्स (आईएएफ) अपने एडवांस रूसी अल्ल-32 परिवहन विमान बेड़े को बदलने की योजना बना रही है। आईएएफ लगभग 100 विमानों का संचालन करता है, जो 2031-32 में 44 साल की सेवा पूरी कर लेंगे और उसके बाद उन्हें बारी-बारी से रिटायर करने की योजना बनाई गई है। इंडियन एयरफोर्स ने शुरू में रूस के साथ एक संयुक्त विकास परियोजना के तहत एमटीए खरीदने की योजना बनाई थी। और दोनों देशों ने 2012 में विमान के सह-विकास के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। इस सौदे के तहत भारत को ऐसे 45 विमान खरीदने थे और रूस करीब 100 विमान खरीदता। लेकिन 2016 में दोनों देशों के बीच विमान के इंजन और डिजाइन के बारे में सहमति नहीं बनने के बाद यह सौदा नाकाम हो गया। जानकारी के अनुसार कि इस रेस में शामिल अन्य कंपनियों में ब्राजील की कंपनी एम्ब्रेयर डिफेंस एंड सिक्योरिटी शामिल है, जिसने फरवरी में भारतीय कंपनी महिंद्रा के साथ मिलकर भारत में सी-390 मिलेनियम मल्टी-मिशन एयरक्राफ्ट का निर्माण करने की योजना पेश की थी। वहीं, यूरोपियन एयरबस डिफेंस एंड स्पेस, अपने ए-400 एम एयरक्राफ्ट के साथ इस होड़ में शामिल है। लॉकहीड मार्टिन को इस रेस में बढ़त हासिल है।

वायुसेना 40 से 80 विमानों को शामिल करेगी

भारतीय वायुसेना, भारत सरकार की मेक इन इंडिया पहल के तहत 40 से 80 विमानों को शामिल करने की सोच रही है। नए परिवहन विमानों में 18 से 30 टन कार्गो-ले जाने की क्षमता होने की उम्मीद है। भारतीय वायुसेना, भारत सरकार की मेक इन इंडिया पहल के तहत 40 से 80 विमानों को शामिल करने की सोच रही है। नए परिवहन विमानों में 18 से 30 टन कार्गो-ले जाने की क्षमता होने की उम्मीद है। एमटीए के लिए जो रिक्वेस्ट ऑफ इन्फॉर्मेशन है, उसके मुताबिक आईएएफ ने विदेशी विक्रेताओं से 40, 60 और 80 विमानों के बैच के लिए विमान और संबंधित उपकरणों की लागत का एक सामान्य अनुमान देने के लिए कहा है। सी-390, 26 टन का पेलोड ले जा सकता है।

भारतीय कंपनी टाटा के साथ पहले से जुड़ी है लॉकहीड मार्टिन

लॉकहीड मार्टिन के बिजनेस डेवलपमेंट (एयर मोबिलिटी और मैरीटाइम मिशन) के उपाध्यक्ष एंथनी जी फ्रेज़ के हवाले से कहा, कि अमेरिकी फर्म भारत में सी-130 जे के लिए असेंबली लाइन स्थापित करने पर भी विचार कर रही है। फ्रेज ने कहा, कि एमटीए कंपीटिशन हमें इंडियन एयरफोर्स की सामरिक एयरलिफ्ट आवश्यकताओं को पूरा करने का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करती है। हम भारत में सी-130जे के लिए असेंबली लाइन स्थापित करने के विकल्प तलाश रहे हैं। लॉकहीड मार्टिन के पास पहले से ही टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड के साथ एक ज्वाइंट वेंचर है, जो सी-130 जे के लिए एम्पेनेज (टेल असेंबली) का वैश्विक स्रोत है। यह देखना अभी बाकी है, कि लॉकहीड मार्टिन फिर से भारतीय वायुसेना से कॉन्ट्रैक्ट हासिल करने के लिए भारतीय फर्म का उपयोग करेगा या नहीं। इसके अलावा एयरबस ने पहले ही आईएएफ को सी-295 परिवहन विमान की आपूर्ति के लिए टीएएसएल के साथ साझेदारी की है।

भारत-बांग्लादेश के बीच हुए 10 अहम करार

समुद्री क्षेत्र व ब्लू इकोनॉमी में संबंधों को बढ़ावा देने सहित कई समझौते

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत और बांग्लादेश ने शनिवार को समुद्री क्षेत्र और समुद्री अर्थव्यवस्था (ब्लू इकॉनोमी) में संबंधों को बढ़ावा देने सहित कई समझौतों पर हस्ताक्षर किए। भारत-बांग्लादेश के बीच 10 अहम समझौते किए गए है। पीएम नरेंद्र मोदी और बांग्लादेशी पीएम शेख हसीना के बीच व्यापक बातचीत के बाद समझौतों को अंतिम रूप दिया गया। इन समझौतों में डिजिटल डोमेन में संबंध मजबूत करने और 'हरित साझेदारी' को लेकर एक समझौता भी शामिल है।

डिजिटल साझेदारी पर समझौता

इसके अलावा भारत और बांग्लादेश में डिजिटल साझेदारी के तहत समझौतों के आदान-प्रदान किए गए। भारत के विदेश सचिव और बांग्लादेश के विदेश सचिव ने डिजिटल सहयोग से जुड़े दस्तावेजों पर दस्तखत किए हैं। दोनों देशों में हरित भागीदारी पर भी समझौता किया गया है। वहीं दोनों देशों में समुद्री सहयोग और ब्लू इकोनोमी पर भी समझौते का आदान-प्रदान किया गया।

दोनों देशों के बीच रेल संपर्क बढ़ेगा

दोनों देशों के बीच रेलवे संपर्क बढ़ाने के समझौते पर भी हस्ताक्षर किए गए। समझौतों के बाद मीडिया से बात करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने बयान में कहा कि, 'आज हमने नए क्षेत्रों में सहयोग के लिए भविष्य का विजन तैयार किया है।

पीएम मोदी ने हसीना का स्वागत किया

बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना शुक्रवार से दो दिवसीय यात्रा पर भारत पहुंचीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और अनेक मुद्दों पर द्विपक्षीय वार्ता की। प्रधानमंत्री मोदी ने शेख हसीना का हैदराबाद हाउस में गर्मजोशी से स्वागत किया।

रेल सेवा, बस सेवा सहित कई द्विपक्षीय समझौते

- बांग्लादेश के चिकित्सा रोगियों के लिए ई-वीज़ा
- बांग्लादेश के रंगपुर में भारत का नया सहायक उच्चायोग
- राजशाही और कोलकाता के बीच नई रेल सेवा
- चटगांव और कोलकाता के बीच नई बस सेवा
- गेदे-दरसाना और हल्दीबाड़ी-चिलाहाटी के बीच दलगांव तक मालगाड़ी सेवाओं की शुरुआत
- अनुदान सहायता के तहत सिराजगंज में अंतर्देशीय कंटेनर डिपो (कउऊ) का निर्माण
- भारतीय ग्रिड के माध्यम से नेपाल से बांग्लादेश को 40 मेगावाट बिजली के निर्यात की शुरुआत
- गंगा जल संधि के नवीनीकरण पर चर्चा के लिए संयुक्त तकनीकी समिति
- बांग्लादेश के अंदर तीस्ता नदी के संरक्षण और प्रबंधन पर परियोजना के लिए तकनीकी प्रतिनिधिमंडल का बांग्लादेश दौरा
- बांग्लादेशी पुलिस अधिकारियों के लिए 350 प्रशिक्षण स्लॉट
- चिकित्सा रोगियों के लिए मुक्तिजोधा योजना आदि।

40 मेगावाट बिजली निर्यात करेगा भारत

पीएम हसीना के भारत दौरे के दौरान की गई घोषणाओं की सूची भी जारी की। इन घोषणाओं में बांग्लादेश के मरीजों के लिए ई-वीजा, बांग्लादेश के रंगपुर में भारत का नया सहायक उच्चायोग, राजशाही और कोलकाता के बीच ट्रेन सेवा,चटगांव और कोलकाता के बीच नई बस सेवा, गेडे-दरसाना और हल्दीबाड़ी-चिलाहाटी के बीच डलगांव तक मालगाड़ी सेवा शुरू करना, भारतीय ग्रिड के जरिए नेपाल से बांग्लादेश को 40 मेगावाट बिजली का निर्यात करना, गंगा जल संधि के नवीकरण पर चर्चा के लिए संयुक्त तकनीकी समिति गठित करना आदि। बांग्लादेश के अंदर तीस्ता नदीं के संरक्षण और प्रबंधन पर परियोजना के लिए तकनीकी प्रतिनिधिमंडल का बांग्लादेश दौरा, बांग्लादेश के पुलिस अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण और प्रति रोगी आठ लाख रुपये की अधिकतम सीमा के साथ मरीजों के लिए मुक्तिजोधा योजना शामिल हैं।

तीस्ता नदी के जल बंटवारे पर तकनीकी टीम जाएगी

भारत ने बांग्लादेश के नागरिकों को मेडिकल ई-वीजा की सुविधा देने का ऐलान किया है। इसके लिए भारत सरकार बांग्लादेश के रंगपुर में उप-उच्चायोग खोलेगी। साथ ही दोनों देश तीस्ता नदी के जल-बंटवारे पर चर्चा के लिए तकनीकी टीम भेजने पर भी सहमत हो गए हैं। पीएम मोदी और उनकी बांग्लादेशी समकक्ष के बीच कुल 10 समझौतों पर हस्ताक्षर हुए हैं, जिनमें डिजिटल साझेदारी, हरित साझेदारी, मेरीटाइम सहयोग, रेलवे संपर्क, समुद्री रिसर्च, सुरक्षा और रणनीतिक मामलों में आपसी सहयोग, स्वास्थ्य और आपदा प्रबंधन और मत्स्य पालन संबंधी समझौते शामिल हैं।

स्वास्थ्य चुनौतियों पर तीर्थयात्रियों के लिए चौबीसों घंटे सेवाएं प्रदान की जाएंगी

इस वर्ष लगभग 2 लाख ओपीडी आयोजित की गई

केंद्र सरकार ने जारी किया 'हज तीर्थयात्रा के लिए चिकित्सा देखभाल व्यवस्था' दस्तावेज

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव अपूर्व चंद्रा ने शुक्रवार को 'हज यात्रा के लिए चिकित्सा देखभाल व्यवस्था' शीर्षक से एक दस्तावेज जारी किया। यह दस्तावेज स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय तथा अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय द्वारा संयुक्त रूप से तैयार किया गया है। यह दस्तावेज स्वास्थ्य सेवाओं का रोडमैप प्रस्तुत करता है और यह भी बताता है कि तीर्थयात्री इन सेवाओं का लाभ कैसे उठा सकते हैं।

भारत से 1,75,025 तीर्थयात्रियों ने हज यात्रा की

इस अवसर पर केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव अपूर्व चंद्रा ने कहा कि इस वर्ष भारत से लगभग 1,75,025 तीर्थयात्रियों ने हज यात्रा की, जिनमें से लगभग 40,000 बुजुर्ग थे, जिनकी आयु 60 वर्ष से अधिक थी। इस वर्ष मौसम की खराब परिस्थितियों को देखते हुए, स्वास्थ्य चुनौतियों ने तीर्थयात्रियों के लिए चौबीसों घंटे सेवाएं प्रदान करना आवश्यक बना दिया है।

यात्रियों की चिकित्सा देखभाल

केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव ने यह भी कहा कि इस वर्ष लगभग 2 लाख ओपीडी आयोजित की गई हैं, साथ ही तीर्थयात्रियों के लिए चिकित्सा टीमों द्वारा दौरा भी किया गया है। अपूर्व चंद्रा ने कहा कि एनआईसी की मदद से एक लाइव पोर्टल विकसित किया गया है, जो चिकित्सा देखभाल चाहने वाले तीर्थयात्रियों और प्रदान की जा रही सेवाओं पर वास्तविक समय डेटा और विश्लेषण प्रदान करता है।

हज यात्रियों को स्वास्थ्य कार्ड दिया

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा प्रदान की जाने वाली चिकित्सा देखभाल व्यवस्था में भारत में हज आवेदकों के स्वास्थ्य और फिटनेस का आकलन करने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली चिकित्सा जांच और फिटनेस प्रमाण पत्र को संशोधित करना, हज यात्रियों को उनकी यात्रा और केएसए में रहने के लिए स्वास्थ्य कार्ड प्रदान करना, टीकाकरण शिविरों के आयोजन के लिए राज्यों को टीके उपलब्ध कराना आदि।

दस्तावेज़ का प्रकाशन महत्वपूर्ण

जेद्दा में भारत के महावाणिज्यदूत शाहिद आलम ने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारतीय तीर्थयात्रियों के लिए स्वास्थ्य सेवा व्यवस्था को संस्थागत बनाने के लिए दस्तावेज़ का प्रकाशन महत्वपूर्ण है।

विमान में 329 लोग मारे गए थे

एयर इंडिया की उड़ान में बम विस्फोट मामले की जांच जारी

एजेंसी ▶▶ ओटावा

कनाडा की पुलिस ने कहा है कि एअर इंडिया की उड़ान संख्या-182 को बम से उड़ाने की जांच अब भी जारी है। पुलिस ने इसे आतंकवाद के मामले की सबसे लंबी और सबसे जटिल जांच में से एक बताया है। पुलिस ने यह टिप्पणी विमान को बम से उड़ाने के 39 साल पूरे होने से तीन दिन पहले की है।

पीड़ित परिवारों के साथ सहानुभूति व्यक्त की

इनमें ज्यादातर भारतीय मूल के कनाडाई थे। यह बम सिख आतंकवादियों ने 'ऑपरेशन ब्लू स्टार' के जवाब में रखा था। यह अभियान अमृतसर में स्वर्ण मंदिर को आतंकवादियों से मुक्त कराने के लिए 1984 में चलाया गया था। रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस (आरसीएमपी) के सहायक आयुक्त डेविड टेबौल ने एक बयान में कहा कि बम विस्फोट की यह वारदात देश के इतिहास में कनाडाइयों की जान लेने वाली और उन्हें प्रभावित करने वाली आतंकवाद संबंधी सबसे भयावह घटना है। उन्होंने पीड़ित परिवारों के प्रति सहानुभूति व्यक्त की। टेबौल ने कहा कि एअर इंडिया बम विस्फोट मामले की तफ्तीश देश के इतिहास में सबसे लंबी और घरेलू आतंकवाद से संबंधित सबसे जटिल जांच में से एक है।

अमेरिका में सेना के अड्डों के करीब चीन ने खरीदी जमीन

वॉशिंगटन। अमेरिका के लिए आज के समय सबसे बड़ा टेंशन चीन बना हुआ है। चीन बाहर से अमेरिका को परेशान कर ही रहा है। लेकिन अब यह अमेरिका की अंदर से भी टेंशन बढ़ा रहा है। चीन पूरे अमेरिका में सैन्य प्रतिष्ठानों के करीब रणनीतिक रूप से कृषि भूमि खरीद रहा है। इस कारण संभावित जासूसी और घुसपैठ के जरिए राष्ट्रीय सुरक्षा में सेंध की आशंका बढ़ गई है। जानकारी के मुताबिक रिपोर्ट में फ्लोरिडा से लेकर हवाई तक 19 ठिकानों की पहचान की गई है, जो चीनी संस्थानों की ओर से खरीदी गई जमीन के करीब है। चीन के लिए काम करने वाले जासूस इनका इस्तेमाल कर सकते हैं।

मालवाहक जहाज डाली के चालक दल में थे शामिल

करीब 3 महीने फंसे रहे आठ भारतीय स्वदेश रवाना हुए

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अमेरिका के बाल्टीमोर में मालवाहक जहाज गिरने से ध्वस्त हुए पुल के नीचे फंसे जहाज पर तीन महीने तक फंसे रहने के बाद चालक दल के आठ सदस्य भारत रवाना हो चुके हैं। बाल्टीमोर में फ्रांसिस स्कॉट की ब्रिज टूटने के कारण नदी में फंसे जहाज एमवी डाली पर 20 भारतीय और एक श्रीलंकाई सवार थे। बाल्टीमोर मैरीटाइम एक्सचेंज की रिपोर्ट के मुताबिक चालक दल के कुल 21 सदस्यों में से चार अभी भी जहाज पर ही फंसे हैं। बाल्टीमोर पुल हादसे के लगभग तीन महीने के बाद मालवाहक जहाज- एमवी डाली पर सवार भारतीय चालक दल के कुछ सदस्य स्वदेश लौट रहे हैं। आठ भारतीय चालक दल के सदस्य शुक्रवार को भारत के लिए रवाना हो गए। 21 चालक दल के सदस्यों में से चार अभी भी 984 फुट लंबे मालवाहक जहाज पर ही फंसे हैं।

दक्षिण चीन में भीषण बाढ़ से 47 की मौत

बीजिंग। चीन के दक्षिणी क्षेत्र में स्थित गुआंग्डोंग प्रांत में भारी बारिश के कारण आई भीषण बाढ़ व भूस्खलन में कम से कम 47 लोगों की मौत हो गई है। चीन की सरकारी मीडिया ने शुक्रवार को यह खबर दी। सरकारी प्रसारणकर्ता सीसीटीवी ने शुक्रवार दोपहर में कहा कि मीझोउ शहर में 38 अन्य लोगों की मौत की पुष्टि हुई है।

श्रीअन्न को प्रोत्साहित करने के मुख्यमंत्री के संकल्प की दिशा में करें काम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

दसवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में मप्र सरकार के मंत्रियों ने अपने अपने लिए आवंटित जिलों में योग कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान श्रीअन्न को प्रोत्साहित करने के मुख्यमंत्री के संकल्प की दिशा में काम करने पर बल दिया गया। मंत्रियों ने शासन की योजनाओं का लाभ आम लोगों को दिलाने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

वन एवं पर्यावरण मंत्री नागर सिंह चौहान शामिल हुए। उन्होंने कहा कि योग हमें जीवन जीने की कला सिखाता है। योग मन की शांति एवं शरीर में सकारात्मक ऊर्जा के लिए जरूरी है। हमारे जीवन में योग की बहुत बड़ी भूमिका है। वन मंत्री चौहान ने कहा कि श्रीअन्न संवर्धन अभियान का शुभारंभ प्रधानमंत्री मोदी ने किया है। केन्द्र सरकार ने खरीफ फसलों का लाभकारी मूल्य सुनिश्चित करने के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में बढ़ोतरी का निर्णय लिया है। सबसे अधिक वृद्धि तिलहन और दालों के समर्थन मूल्य में की गई है।

मंत्रियों ने अपने-अपने आवंटित जिलों में योग दिवस पर किया योग, दिया संदेश

जनजाति वर्ग के किसानों को सीधा लाभ होगा

सांसद अनीता नागर सिंह चौहान ने कहा कि योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करने से तनावमुक्त जीवन जी सकते हैं। इससे हमारे शरीर की थकान दूर होती है और हम हमेशा तरोताजा महसूस करते हैं। उन्होंने सभी से योगाभ्यास जरूर करने की अपील की। प्रधानमंत्री मोदी के देशव्यापी कार्यक्रम और मुख्यमंत्री डॉ. यादव के प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम को लाइव देखा गया।

मानसिक स्वास्थ्य के लिए योग जरूरी

नगरीय विकास राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी ने कहा कि शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए योग की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। योग को अपनी दैनिक दिनचर्या में शामिल कर प्रतिदिन नियमित रूप से योग करने से मानसिक तनाव से मुक्त रहने के साथ-साथ व्यक्ति निरोगी भी बना है। श्रीमती बागरी ने शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक-एक सतना के मैदान में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं। इस मौके पर सांसद गणेश सिंह, महापौर योगश ताम्रकार और स्थानीय कर्मचारी-अधिकारी भी मौजूद रहे।

गुना में जिला स्तरीय कार्यक्रम में शामिल हुए ऊर्जा मंत्री

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर गुना में जिला स्तरीय कार्यक्रम में ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों एवं विद्यार्थियों के साथ योगाभ्यास किया। उन्होंने कहा कि योग हमारी प्राचीन संस्कृति का हिस्सा है, हम सबको दैनिक दिनचर्या में योग को शामिल करना चाहिए। ऊर्जा मंत्री तोमर ने कहा कि हम सभी हमारे प्रधानमंत्री के आभारी हैं, जिन्होंने योग कार्यक्रम को प्रतिवर्ष 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाने के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ में आधिकारिक रूप से मान्यता दिलवाई। उन्होंने सभी को योग दिवस की शुभकामनाएं एवं बधाई दी।

प्रशासन अकादमी में उत्साहपूर्वक मनाया गया अंतरर्राष्ट्रीय योग दिवस

भोपाल। 10 वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर आरसीव्हीपी नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी परिसर में उत्साहपूर्वक मनाया गया। अकादमी के योग केन्द्र बैडमिंटन हॉल एवं मुख्य भवन हॉल में योगाभ्यास किया गया। योगाचार्य आरके दौनेरिया ने विभिन्न योगासनों की जानकारी देते हुए सूर्य नमस्कार सहित अन्य योगासन कराए। इस मौके पर बड़ी संख्या में अधिकारी-कर्मचारी योगाभ्यास में शामिल हुए।

मप्र भवन और मध्यांचल भवन में अंतरर्राष्ट्रीय योग दिवस पर किया गया योगाभ्यास

भोपाल। नई दिल्ली स्थित मप्र भवन और मध्यांचल भवन में 10 वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर सामूहिक योगाभ्यास किया गया। स्वयं और समाज के लिए योग की थीम पर आयोजित इस योगाभ्यास का संचालन कुशल योग प्रशिक्षकों की ओर से किया गया। कार्यक्रम में आवासीय आयुक्त कार्यालय और मप्र शासन के अन्य अधिकारी और कर्मचारी शामिल हुए। प्रतिभागियों ने योगाभ्यास के पहले भोपाल में आयोजित राज्य स्तरीय योगाभ्यास कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखा। इस मौके पर मप्र भवन में चिकित्सा अधिकारी डॉ. गोपाल डंडौतिया की पहल पर सभी अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए निः शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर भी लगाया गया।

प्रधानमंत्री मोदी ने श्रीनगर में योग के साथ दिया शांति का संदेशः विष्णुदत्त

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्रीनगर में योग कर दो संदेश दिए। पहला, योग जीवन में जरूरी है और दूसरा, आतंक के खिलाफ शांति का संदेश दिया। वीडी ने कहा कि मोदी के योग के संदेश को दुनिया के अन्य देश अपनाकर अपने आपको स्वस्थ रखने की कोशिश कर रहे हैं। प्रदेश अध्यक्ष शर्मा पन्ना के जुगल किशोर मंदिर परिसर में आयोजित योग कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर 175 देशों ने योग कर अन्य देशों को स्वस्थ रहने का संदेश दिया है। इसकी प्रेरणा प्रधानमंत्री मोदी से मिली। मोदी जब पहली बार प्रधानमंत्री बने थे तब उन्होंने दुनिया के देशों को स्वस्थ रहने के लिए योग को अपनाने की सलाह दी थी। क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल एवं प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने टीटी नगर में योग कर स्वस्थ रहने का संदेश दिया।

पन्ना के जुगल किशोर मंदिर परिसर में भाजपाध्यक्ष ने किया योग

पूरे विश्व में फहरा रही योग की यश-पताका

प्रदेश में बूथ स्तर पर आयोजित हुए योग कार्यक्रम

योग के साथ स्वच्छता भी अपनाएं

शर्मा ने कहा पन्ना में भी हर जगह सामाजिक संस्थाओं से लेकर स्थानीय लोगों ने निरोगी काया रखने का संदेश दिया है। मैं पन्ना की जनता से आग्रह करता हूं कि योग के साथ-साथ वो स्वच्छता को भी अपनाकर नया इतिहास रचेंगे।

भाजपा प्रदेश कार्यालय में योग कार्यक्रम

भाजपा प्रदेश कार्यालय में क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल ने योग कर स्वस्थ रहने का संदेश दिया। वहीं प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने टीटी नगर मैदान में योग किया।

योग एक विज्ञान है, इसे दिनचर्या का हिस्सा बनाएं : सिंह

भोपाल। योग शरीर, मन और आत्मा को जोड़ने का विज्ञान है। योग हमारे जीवन में आनंद और आंतरिक शांति लाने का एक तरीका है। रोगमुक्त जीवन के लिए योग हमारी दिनचर्या में शामिल होना चाहिए। योग से जीवन में आनंद लाने के साथ शारीरिक और आंतरिक सशक्तिकरण का माध्यम है। रोगमुक्त जीवन के लिए योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करें।

खबर संक्षेप

विद्युत समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करें अधिकारीः तोमर

भोपाल। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने उपभोक्ताओं को राहत प्रदान करने के लिए बिजली की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश बिजली कम्पनी के अधिकारियों को दिए हैं। गुना, अशोकनगर और शिवपुरी स्थित विद्युत वितरण कम्पनी के वृत्त कार्यालयों में आयोजित बैठक में ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि आम उपभोक्ता को ट्रिपिंग का सामना न करना पड़े, इसके लिए अधिकारी माकूल बंदोबस्त करें। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने अधिकारियों द्वारा जनप्रतिनिधियों और उपभोक्ताओं के फोन न उठाने की शिकायतों पर कड़ी नाराज़गी व्यक्त करते हुए कहा कि जो अधिकारी इस तरह का व्यवहार करेंगे वे बख्शे नहीं जाएंगे। शिकायत मिलने पर ऐसे सभी अधिकारी-कर्मचारियों की एक वेतन वृद्धि रोकी जाएगी।

कानून व्यवस्था छोड़ रेत गिट्टी में लगी पुलिसः डॉ. सिंह

भोपाल। पूर्व नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोविंद सिंह ने कहा है कि प्रदेश में कानून व्यवस्था खस्ता हालत में है। पुलिस के छोटे से कर्मचारी से लेकर बड़े अधिकारी तक खदानों से रेत गिट्टी की अवैध कमाई में लगे हुए हैं। कानून व्यवस्था से उनका कोई लेना देना नही है।प्रदेश में बलात्कार की घटनाये बढ़ रही हैं,चोरी,लूट व सायबर क्राइम से जनता परेशान है लेकिन पुलिस को इससे कोई लेना देना नही है।श्योपुर जिले के विजयपुर में रजक समाज की 15 वर्षीय का अपहरण कर उसके साथ बलात्कार किया गया और बाद में उसकी हत्या कर दीं गई। मुख्यमंत्री से आग्रह है कि वे पुलिस को निर्देश दें कि वह अपने मूल कार्य कानून व्यवस्था तक सीमित रहे और अपराधों पर अंकुश लगाने का काम करे।रेत गिट्टी जैसे अवैध कार्यो को रोकने के लिये स्पेशल टास्क फोर्स का गठन किया जाए।

सीएम ने की गो-वंश रक्षा तथा दुग्ध उत्पादन प्रोत्साहन योजना पर चर्चा

निःशक्त एवं वृद्ध गायों के लिए गो-शाला जरूरी, पशुपालन को भी बढ़ावा देना होगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश में कृषि के साथ पशुपालन विकास के लिए कृषकों और पशुपालकों को प्रोत्साहित किया जाए। गौवंश के सम्मान और सुरक्षा के लिए सभी उपाय किए जाएं। निशक्त और वृद्ध गायों के लिए गौशालाएं संचालित करने के साथ पशुपालन विकास को प्राथमिकता देना जरूरी है। पशुपालन एवं डेयरी विभाग संबंधित विभागों के सहयोग से बेहतर परिणाम लाने के लिए इस दिशा में आगे बढ़े।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शुक्रवार को मंत्रालय में बैठक के दौरान गौवंश रक्षा तथा दुग्ध उत्पादन प्रोत्साहन योजना के संबंध में वरिष्ठ अधिकारियों से चर्चा कर निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ इस तरह से नीति बनाएं कि दुग्ध उत्पादन में वृद्धि से पशुपालकों की आय बढ़े।

राजमार्गों पर बैठने वाले गोवंश के लिए हाइड्रोलिक वाहन व्यवस्था

पशुपालन एवं डेयरी विभाग दने जानकारी दी कि प्रदेश में प्रथम चरण में रायसेन, विदिशा, सीहोर, देवास, राजगढ़ आदि जिलों का चयन कर हाइड्रोलिक कैटल लिफ्टिंग व्हीकल को टोल व्यवस्था के साथ जोड़कर इस समस्या के समाधान का कदम उठाया है। इसके लिए जरूरी वाहन व्यवस्था की गई है।

दुग्ध उत्पादकों को प्रोत्साहन दिया जाए

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में दूध की खरीद सुनिश्चित करने, किसानों और पशुपालकों को दूध का उचित मूल्य दिलवाने, दुग्ध संघों को सहयोग, जिलों में दुग्ध प्र-संस्करण संयंत्र लगाने, राज्य में बच्चों के बेहतर पोषण के लिए दुग्ध प्रदाय जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विभागीय प्रयासों की जानकारी प्राप्त कर आवश्यक निर्देश दिए।

जीव दया सम्मान योजना का विस्तार करें-

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दुग्ध संघों की प्रोसेसिंग क्षमता में विस्तार, सहित अन्य योजनाओं के संबंध में भी चर्चा हुई। गौशालाओं को श्रेष्ठ कार्य के लिए जिला स्तर पर पुरस्कृत करने, आचार्यश्री विद्यासागर जीव दया सम्मान योजना का जिला स्तर तक विस्तार के निर्देश दिए गए।

पर्यटन एवं धार्मिक स्थलों को आकर्षक और भव्य बनाएंः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में पर्यटन एवं धार्मिक स्थलों के विकास के लिए बेहतर कार्ययोजना बनाकर कार्य किया जाए। पर्यटन तथा धार्मिक स्थलों को आकर्षक एवं भव्य बनाया जाए। धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए स्थल बढ़ाने के भी प्रयास हों। प्रदेश में गीता जयंती पर गीता महोत्सव मनाने की कार्ययोजना बनाएं। इसी तरह मानस जयंती भी मनाई जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज मंत्रालय में संस्कृति एवं पर्यटन विभाग के अंतर्गत धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों के विकास, श्रीरामचंद्र पथ गमन न्यास एवं भगवान श्रीराम एवं भगवान श्रीकृष्ण से जुड़े स्थलों के विकास की समीक्षा कर रहे थे। बैठक में संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास और धर्मस्व राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेन्द्र सिंह लोधी, मुख्य सचिव वीरा राणा, अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय डॉ. राजेश राजौरा, प्रमुख सचिव संस्कृति एवं पर्यटन श्री शिवशेखर शुक्ला सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

अमरवाड़ा के लिए अंतिम दिन 8 नामांकन पत्र जमा हुए

भोपाल। छिंदवाड़ा जिले की विधानसभा क्षेत्र अमरवाड़ा (अजजा) में उपचुनाव के लिए 14 जून से जारी नामांकन पत्र दाखिल करने की प्रक्रिया में नामांकन पत्र जमा करने के छठवें व

कुल 17 अभ्यर्थियों ने दाखिल किए 26 नामांकन पत्र

अंतिम दिन 21 जून को 6 अभ्यर्थियों ने 8 नामांकन पत्र जमा किए गए। 14 जून से अंतिम दिन तक कुल 17 अभ्यर्थियों ने 26 नामांकन पत्र दाखिल किए गए हैं।

सीईओ अनुपम राजन ने बताया कि इन सभी नामांकन पत्रों की संवीक्षा सोमवार 24 जून को की जाएगी। नाम वापसी की अंतिम तारीख 26 जून है। मतदान 10 जुलाई को होगा। मतगणना 13 जुलाई को होगी। राजन ने बताया कि नामांकन पत्र दाखिल किए गए अभ्यर्थियों के शपथ पत्र एवं अन्य जानकारियां भारत निर्वाचन आयोग की वेबसाइट पर देखी जा सकती हैं।

पटवारी, कमलनाथ सहित 40 नेता शामिल

अमरवाड़ा उपचुनाव के लिए कांग्रेस ने की स्टार प्रचारकों की सूची जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा जिले की अमरवाड़ा विधानसभा में हो रहे उपचुनाव के लिए कांग्रेस ने स्टार प्रचारकों की सूची जारी कर दी है। सूची में कांग्रेस के 40 नेताओं का शामिल किया गया है। प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष संगठन प्रभारी राजीव सिंह ने बताया कि अभा कांग्रेस कमेटी के महासचिव मप्र प्रभारी जितेन्द्र सिंह, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, पूर्व मुख्यमंत्रीद्वय कमलनाथ एवं दिग्विजय सिंह, मप्र विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्षद्वय कांतिलाल भूरिया, अरूण यादव, पूर्व सांसद नकुलनाथ, राज्यसभा सदस्य विवेक तन्खा एवं अशोक सिंह, पूर्व नेताप्रतिपक्ष डॉ. गोविंद सिंह, पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा, एन.पी. प्रजापति, अभा कांग्रेस के सचिव संजय कपूर, उपनेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे, पूर्व मंत्री तरूण भानोत एवं सुखदेव पांसे, विधायक जयवर्धन सिंह और आरिफ मसूद, पूर्व मंत्री लखन घनघोरिया, पूर्व सांसद मीनाक्षी नटराजन, पूर्व मंत्री बाला बच्चन, विधायक ठाकुर रजनीश सिंह, पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष सुश्री हिना कांवरे, पूर्व विधायक संजय शर्मा, विधायक सुनील उईके, चौधरी सुजीत मेर सिंह, विजय चौरे, सोहनलाल बाल्मिकी, निलेश उईके, रामसिया भारती, सुनील जायसवाल, गंगा तिवारी, प्रदेश कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक, पूर्व विधायक कुणाल चौधरी सहित अन्य को अमरवाड़ा विधानसभा उपचुनाव के लिए स्टार प्रचारक बनाया गया है।

बीना विधानसभा उपचुनाव की तैयारियों के लिए कांग्रेस ने बनाई समिति

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देश पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा बीना विधानसभा क्षेत्र में बूथ स्तर पर तैयारियों को दृष्टिकोण रखते हुये तीन सदस्यीय समिति का गठन किया गया है। प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष एवं संगठन प्रभारी राजीव सिंह ने बताया कि समिति में विधायक लखन घनघोरिया, पूर्व विधायक कुणाल चौधरी और लोकसभा चुनाव 2024 के प्रत्याशी राव यादवेन्द्र सिंह को शामिल किया गया है। समिति के तीनों सदस्य शीघ्र ही बीना का दौरा कर सेक्टर के गठन एवं बूथ स्तर पर पार्टी संगठन की मजबूती हेतु विधानसभा स्तर पर पुनर्गठन करने हेतु कार्ययोजना बनाने सौंपे गये दायित्वों का निर्वहन करेंगे।

तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने सड़क पार कर रहे ड्राइवर को मारी टक्कर, मौत

बोरगांव ढाबा के सामने हुआ हादसा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जगदलपुर

राष्ट्रीय राजमार्ग 30 पर शनिवार की सुबह एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने सड़क पार कर रहे ड्राइवर को टक्कर मार दी। इस घटना में ट्रक चालक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि घटना के बाद अज्ञात वाहन चालक मौके से फरार हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, ट्रक चालक रायपुर से जगदलपुर की ओर आ रहा था, तभी शनिवार की सुबह कोंडागांव जिले के फरसगांव थाना क्षेत्र के बोरगांव ढाबा के पास अपनी ट्रक को किनारे खड़ा करके सड़क को पार कर रहा था कि अचानक रायपुर की ओर से आ रही एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने ट्रक चालक को अपने चपेट में ले लिया। ट्रक चालक की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया।

घटना की जानकारी लगते ही फरसगांव पुलिस मौके पर पहुंच शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। वहीं, मृतक के जेब से मिले आधार कार्ड में मृतक का नाम दीनानाथ जिला हैदराबाद पाया गया है।

राशन कार्ड बनाने के लिए रायपुर नगर निगम का बाबू ले रहा रिश्वत, सामने आया वीडियो

रायपुर। छत्तीसगढ़ के रायपुर नगर निमग में राशन कार्ड बनाने देने के नाम पर रिश्वत लेने का मामला सामने आया है। यहां नगर निगम का अधिकारी लोगों से बीपीएल और एपीएल राशन कार्ड बनाने के नाम पर घूस लेता पकड़ा गया है। सहायक राजस्व निरीक्षक माधव अवधिया गरीबों से राशन कार्ड देने के नाम पर 50 रुपए 100 रुपए घूस लेते पकड़ाया है। दरअसल, यह मामला रायपुर नगर निगम के जोन-2 कार्यालय है। इस मामले में लोगों का कहना है कि यह पूरा खेल मिलीभगत से किया जा रहा है। वहीं, जोन-2 के अन्य कर्मचारियों का कहना है कि माधव अवधिया पर काम की लापरवाही और घूस लेने का पहले भी मामला आया था।

छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य कर्मचारी हड़ताल पर, स्वास्थ्य सेवाएं ठप

ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को हो रही काफी दिक्कत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बीजापुर

छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के प्रांतीय आह्वान पर राज्य के साथ-साथ बीजापुर जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी, सीएचओ प्रकोष्ठ के बैनर तले अनिश्चितकालीन आंदोलन की राह पर चले गए हैं। जिससे जिले के दूरस्थ क्षेत्रों एवं ग्रामीण अंचलों में स्वास्थ्य सेवाएं बाधित हो गई है। अपनी तीन सूत्रीय मांगे जिले के समस्त सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों का पिछले पांच महीनों से लंबित पीएलपी भत्ता नियमित रूप से प्रदान करने, शासन स्तर से गृह जिले में स्थानांतरण की छूट एवं मुख्यालय से आठ किलोमीटर

की दूरी में निवासरत होते हुए कार्य करने की मंजूरी के साथ-साथ कांकेर जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी प्रकोष्ठ के जिला संयोजक की बहाली की मांग आदि शामिल है।

पुलिस और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में औरंगाबाद का एक जवान शहीद

औरंगाबाद के कुटुम्बा प्रखंड के सड़सा गांव के निवासी थे शहीद जवान

जवान की मौत के बाद से गांव में मातम पसरा, परिजनों को रो-रो कर बुरा हाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ औरंगाबाद

छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले के पंखाजूर में माओवादियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के दौरान गुरुवार को पुलिस और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में औरंगाबाद का एक जवान शहीद हो गया। शहीद हुए जवान मदन सिंह औरंगाबाद के कुटुम्बा प्रखंड के सड़सा गांव के निवासी थे। वह सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) में कार्यरत थे। जवान की मौत के बाद से गांव में मातम पसरा है। गांव का माहौल गमगीन है। गांव के लोग अपने गांव के बेटे को अंतिम विदाई देने के लिए पार्थिव शरीर लाए जाने का इंतजार करते हैं।

बीएसएफ के जवान मदन सिंह के शहीद होने की खबर से सड़सा गांव के लोग स्तब्ध हैं। जैसे ही यह खबर गांव में पहुंची, गांव में शोक का माहौल उत्पन्न हो गया। ग्रामीण गमगीन हो गए।

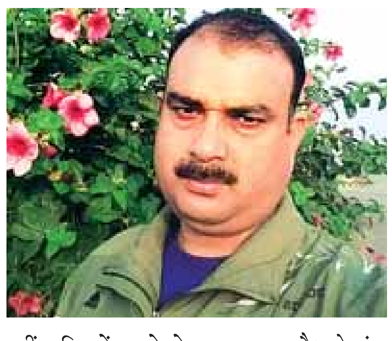

वहीं, परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। पूरे गांव में मातमी सन्नाटा पसरा है। गांव वालों के मुताबिक शहीद हुए जवान मदन सिंह सड़सा गांव निवासी मानदेव सिंह के तीसरे नंबर के सुपुत्र थे। उनकी उम्र करीब 40 वर्ष थी। मुठभेड़ में घायल होने के बाद इलाज के दौरान गुरुवार की रात में ही उन्होंने अंतिम सांस ली थी। उनकी छत्तीसगढ़ में ही पोस्टिंग थी और ड्यूटी के दौरान आखिरी बार वे होली के मौके पर अपने गांव आए थे। शहीद मदन सिंह की शादी वर्ष 2001 में संजू देवी से हुई थी जो उनके गांव में ही रहती हैं। उनका एक बेटा और एक बेटी है। बेटी सिया नंदिनी बीए फाइनल ईयर की छात्रा है, जबकि बेटा शिवम रांची में रहकर प्लस टू की पढ़ाई करता है। अपने पिता की शहादत की खबर सुनकर बच्चे भी गमगीन हैं। उन सभी का रो-रो कर बुरा हाल है। उल्लेखनीय है कि आंध्र प्रदेश, ओडिशा और बस्तर में कई लाखों रुपये के इनामी नक्सली है, जो समय-समय पर पकड़ाते रहते हैं, लेकिन धमतरी में सिर्फ एक लाख रुपये के इनामी नक्सली टिकेश ध्रुव है। पुलिस को इसकी सालों से तलाश है, लेकिन अब तक एनकाउंटर हुआ न ही पकड़ा गया। एलओएस सदस्य है, जो धमतरी जिले में सक्रिय है और इसी के नाम पर नक्सली अपनी सक्रियता दिखा रहे हैं।

सुकमा जिले में सक्रिय दो महिला नक्सली समेत चार नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

सुकमा। सुकमा में लगातार चलाए जा रहे अभियान और सरकार की नीति के तहत पुलिस को एक बार फिर से बड़ी कामयाबी मिली है। सुकमा जिले में सक्रिय दो महिला नक्सली सहित चार नक्सलियों ने सुकमा पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण किया है। मामले की पुष्टि करते हुए सुकमा एसपी किरण चौहान ने बताया की आत्मसमर्पित नक्सली लंबे समय से नक्सली संगठन से जुड़कर विभिन्न नक्सली गतिविधियों जैसे पुलिस ग्रस्त पार्टी की रेकी कर हमला करना, पुलिस पार्टी के आने-जाने वाले मार्गों पर स्पाईक लगाना, मार्गों को खोदकर अवरुद्ध करना, शासन प्रशासन के विरुद्ध नक्सली पर्चे पाम्पलेट लगाना जैसी घटनाओं में शामिल रह चुके हैं। आत्मसमर्पित नक्सलियों को आत्मसमर्पण करने में सीआरपीएफ की 74 भी बटालियन का भी विशेष प्रयास रहा है । आत्मसमर्पित नक्सलियों को सरकार की छत्तीसगढ़ नक्सलवाद उन्मूलन नीति के तहत सहायता राशि व अन्य सुविधाएं प्रदान की जाएगी।

राज्यपाल हरिचंदन से मुख्यमंत्री साय ने की सौजन्य मुलाकात

रायपुर। राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन से शनिवार को मुख्यमंत्री विष्णुदेव सहाय ने सौजन्य भेंट की। मुख्यमंत्री राज्यपाल को राज्य शासन की विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी। इस दौरान दोनों के मध्य सम-सामयिक विषयों पर चर्चा की।

वीरांगना के पंच-शताब्दी जन्म महोत्सव पर आयोजनों की श्रृंखला

वीरांगना रानी दुर्गावती के समाधि स्थल पर सीएम करेंगे नमन

जबलपुर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़े बलिदानी व्यक्तित्व समाज के लिए सदैव सम्मानीय रहेंगे। इनके बलिदान से की पीढ़ी को अवगत करवाना आवश्यक है। वीरांगना रानी दुर्गावती के बलिदान दिवस 24 जून पर जबलपुर में हो रहे कार्यक्रम के साथ ही रानी दुर्गावती की जयंती पर आगामी 5 अक्टूबर को विभिन्न आयोजन किए जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को समत्व भवन से 24 जून को जबलपुर में होने वाले कार्यक्रम की तैयारियों की वीडियो कॉफ्रेंसिंग से समीक्षा कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. विजय शाह और कलेक्टर जबलपुर दीपक सक्सेना ने कार्यक्रम की तैयारियों से अवगत करवाया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव 24 जून को वीरांगना रानी दुर्गावती के बलिदान दिवस पर नर्रई नाला, जबलपुर में हो रहे कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसमें अन्य जन प्रतिनिधि और नागरिक भी शामिल होंगे। वीरांगना रानी दुर्गावती को उनके समाधि स्थल पर आदरांजलि दी जाएगी। इस अवसर पर एक अन्य कार्यक्रम में वेटनरी कॉलेज जबलपुर में संस्कृति विभाग द्वारा रानी दुर्गावती के जीवन पर आधारित नृत्य नाटिका की प्रस्तुति की जाएगी। स्वराज संस्थान की ओर से एक चित्र प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। बैठक में मुख्य सचिव श्रीमती वीरा राणा, अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय डॉ. राजौरा, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय संजय कुमार शुक्ला, प्रमुख सचिव जनजातीय कार्य विभाग डॉ. ई रमेश कुमार एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

हर माह कार्यक्रम

बैठक में बताया गया कि रानी दुर्गावती का यह 500 वाँ जन्मशताब्दी वर्ष है। पंच-शताब्दी जन्म महोत्सव के अवसर पर आगामी 5 अक्टूबर को प्रदेश के जनजातीय बहुल जिलों में स्थित विद्यालयों में निबंध और क्विज के साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। जनपद पंचायत स्तर पर भी विभिन्न कार्यक्रम होंगे। जुलाई माह में छिंदवाड़ा, अगस्त माह में शहडोल और सितम्बर माह में मंडला में कार्यक्रम होंगे। जबलपुर में 5 अक्टूबर को मुख्य समारोह होगा, जिसमें अनेक विशिष्टजन शामिल होंगे। मध्यप्रदेश के साथ ही उत्तरप्रदेश, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ से शौर्य यात्राएं जबलपुर पहुंचेंगी।

बलिदान दिवस कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा

वीरांगना रानी दुर्गावती के बलिदान दिवस 24 जून को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रस्तावित प्रवास को दृषिटगत रखते हुये कलेक्टर दीपक सक्सेना व पुलिस अधीक्षक आदित्य प्रताप सिंह ने नर्रई नाला स्थित समाधि स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वहां की सभी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। साथ ही हेलीपेड का निरीक्षण कर तैयारियों के संबंध अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये। इस दौरान जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी, एडीएम नाथूराम गौंड सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव 24 जून को रानी दुर्गावती के समाधि स्थल में पुष्पांजलि अर्पीत करेंगे और वेटरनरी ग्राउंड में आयोजित सभा को संबोधित करेंगे।

जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान पर भाजपा आयोजित करेगी कार्यक्रम

महानगर के सभी 956 बूथों पर माल्यार्पण करके किया जायेगा याद : प्रभात साहू

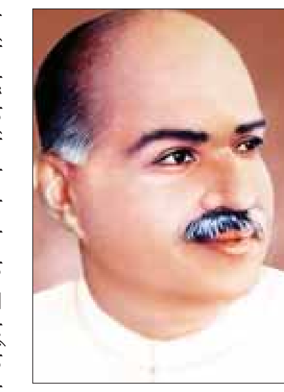

जबलपुर। भारतीय जनसंघ के संस्थापक एवं भारतीय जनता पार्टी के पितृपुरुष डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी की बलिदान जयंती के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी जबलपुर द्वारा मुख्य कार्यक्रम रविवार सुबह 10 बजे गुलौआ ताल स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया जायेगा एवं देश के लिए उनके योगदान को याद किया जाएगा। भाजपा महानगर अध्यक्ष प्रभात साहू ने बताया कि भारतीय जनसंघ के संस्थापक एवं भाजपा के पितृपुतुष डॉक्टर मुखर्जी ने भारत की एकता और प्रगति के लिए अपना जीवन खपा दिया। उन्होंने एक असाधारण विद्वान के रूप में भी अपनी पहचान बनाई।उनके द्वारा देश की एकता और अखंडता के लिए कश्मीर में अपने प्राणों का बलिदान दिया गया ऐसे महापुरुष जिसने अपना पूरा जीवन देश को न्यौछावर कर दिया उनके बलिदान दिवस पर भारतीय जनता पार्टी जबलपुर द्वारा महानगर के सभी 956 बूथों पर डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण करके उन्हें याद किया जाएगा।

भाजपा महानगर अध्यक्ष प्रभात साहू ने सभी बूथ अध्यक्ष महानगर पदाधिकारियों, मोर्चा,प्रकोष्ठ पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से अपने अपने बूथ में उपस्थित होकर डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की बलिदान दिवस को मानने की अपील की है।

रानी दुर्गावती बलिदान दिवस छायांकन प्रदर्शनी कल

जबलपुर। रानी दुर्गावती पंचशती समारोह विषय रानी दुर्गावती एवं गोंडवाना साम्राज्य के अवसर पर छायांकन प्रतियोगिता एवं प्रदर्शनी का आयोजन कला वीथिका रानी दुर्गावती संग्रहालय,भंवरताल में 24 जून 2024 को किया जा रहा है। प्रदर्शनी का उद्घाटन लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह द्वारा किया जाएगा। रानी दुर्गावती शोध संस्थान के अध्यक्ष डॉ पवन स्थापक ने बताया कि रानी दुर्गावती किला मदन महल से सौ किमी कि परिधि और सौ किमी के बाहर स्थित रानी दुर्गावती के गोंडवाना राज्य के ऐतिहासिक स्थलों के फोटो को इस प्रतियोगिता और प्रदर्शनी में शामिल किया गया है। शोध संस्थान के सचिव डॉ अतुल दुबे ने बताया कि इस श्रेणी में तीन-तीन श्रेष्ठ छाया चित्रों के प्रतिभागियों को प्रदर्शनी के दौरान पुरस्कृत किया जायेगा। पंचशती समारोह के राष्ट्रीय संयोजक डॉ ए डी एन बाजपेई,प्रो कपिल देव मिश्रा , डॉ विपिन ब्योहार,डॉ ए बी श्रीवास्तव,अखिलेश जैन ,डॉ विजय आनंद मरावी,श्री मुकुल यादव एवं डॉ आदित्य मिश्रा ने अपील कि है की यह प्रदर्शनी 24 तारीख को सुबह 11 बजे से 25 तारीख दोपहर तक आम जनता के लिए अवलोकनाथ खुली रहेगी।

योगाचार्य रमाकांत पलहा के निर्देशन में योगाभ्यास किया

जबलपुर। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर श्री यथार्थ फाउंडेशन के द्वारा योगाचार्य रमाकांत पलहा के निर्देशन में विशाल योगाभ्यास का कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें सैकड़ो की तादात में बच्चे महिलाएं पुरुष वर्ग सम्मिलित हुए और हमारे उत्तर मध्य विधानसभा के विधायक अभिलाष पांडे, क्षेत्रीय पार्षद कमलेश अग्रवाल की उपस्थिति रही, उनके साथ-साथ बहुत सारे जन समुदाय के साथ योगाभ्यास का कार्यक्रम 21 जून को सफल हुआ इसमें जो योग की अवेयरनेस है वह एक से दूसरे तक चलाई जा रही है जो आनंद एक इंसान तक पहुंच रहा है अंदर से यह भाव उसके अंदर आ रहा है कि ऐसा आनंद हर किसी तक पहुंचे, इसी उत्साह में हर कोई निःस्वार्थ भाव से यथार्थ फाउंडेशन के साथ कार्य कर रहा है, इस कार्यक्रम में बहुत सारी सांस्कृतिक कार्यक्रम भी थे, योग की जागरूकता फैलाने के लिए अन्य बहुत सारी एक्टिविटीज भी थी, हमारे साथ इस आज के अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के कार्यक्रम में वर्ल्ड म्यूजिक दे विश्व संगीत दिवस के उपलक्ष में और अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष में हमारे साथ हमारी माय एफएम पार्टनर भी रहे और सभी के सहयोग से हमारा कार्यक्रम बहुत ही सफल और भव्य रहा और आगे भी हम इस तरीके के कार्यक्रम करते रहेंगे।

वीयू का इंडियन बायलर ग्रुप राजनंदगांव छग से अनुबंध

जबलपुर। नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय जबलपुर ने हाल ही में एक औपचारिक समारोह में इंडियन ब्रायलर ग्रुप राजनंदगांव ,छत्तीसगढ़ के साथ एम ओ यू नवीनीकरण पर हस्ताक्षर किए। उक्त कार्यक्रम में विश्वविद्यालय कुलपति प्रोफेसर सीता प्रसाद तिवारी जी,आईबी ग्रुप के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री बहादुर अली जी, विश्वविद्यालय कुलसचिव डॉ श्रीकांत जोशी तथा आईबी ग्रुप के प्रेसिडेंट डॉक्टर आरके जायसवाल उपस्थित रहे। गौरतलब है कि 4 दशकों से अधिक समय से स्थापित, आईबी ग्रुप को भारत के एकीकृत प्रोटीन लीडर के रूप में जाना जाता है, जो पोल्ट्री, खाद्य तेल, पशुधन फ़ीड, सॉल्वेंट और प्रोसेस्ड प्रोटीन जैसे क्षेत्रों में फैला हुआ है तथा ये किसानों, व्यापारियों और समुदायों को सशक्त बनाने के लिए प्रौद्योगिकी और नवाचार के लिए काम करते हैं। विश्वविद्यालय में अध्ययनरत छात्र छात्राओं को तथा जुड़े पशु पालकों/ किसानो को इस अनुबंध से बहुत अधिक लाभ प्राप्त होता आया है तथा भविष्य में भी विश्वविद्यालय व आईबी ग्रुप परस्पर छात्रों एवं पशुपालको के हितार्थ कार्य करते रहे इसी उद्देश्य के साथ यह अनुबंध किया गया है।

होमगार्ड्स संस्थान मंगेली में योग कार्यक्रम संपन्न

जबलपुर। केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थान होमगार्ड्स मंगेली जबलपुर में 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योग कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें प्रीतिबाला सिंह, कमांडेंट के मार्गदर्शन में जितेन्द्र पटेल, पीसी तथा संजय रजक, आरक्षक द्वारा कुल उपस्थित 230 अधिकारी, कर्मचारी एवं प्रशिक्षार्थियों को विधिवत रूप से योगाभ्यास कराया गया एवं योग के महत्व को बताया गया, जिसमें कमांडेंट सहित विनय कैथवास, डीसी रघुवीर प्रसाद मेहरा, स्टेनो पूजा कुशराम, पीसी जितेन्द्र पटेल, पीसी कैलाश सिंगारे, पीसी एवं राहुल गुप्ता नायक एएसआई (एम) एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

रेल संरक्षण पर मुख्य फोकस करके डीआरएम ने रेलवे ट्रैक का किया सूक्ष्म निरीक्षण

जबलपुर। जबलपुर मण्डल में रेलों के परिचालन में संरक्षा को विशेष दर्जा देते हुए इस पर फोकस करके संरक्षा की जांच करने रेलवे अधिकारियों द्वारा रेलवे ट्रैक का सघन निरीक्षण किया जा रहा है। इसी कड़ी में मंडल रेल प्रबंधक विवेक शील द्वारा संरक्षा की दृष्टि से कटनी रेलखंड का सघन निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान श्री शील ने इस रेल खंड (जबलपुर-कटनी) पर संरक्षा एवं सुरक्षा से जुड़े संसाधनों, ओ.एच.ई. लाइन, सम्बद्ध उपकरण तथा सिग्नलिंग आदि का निरीक्षण किया एवं उनकी कार्य क्षमता को परखा। इस दौरान डीआरएम के साथ डीईएन (सेंट्रल) हिमांशु तिवारी, एडीईएन (कटनी) रजनीश कुमार, एडीएसटी प्रेमनाथ उपाध्याय, एरिया मैनेजर समीर सौरभ एवं अन्य अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

संरक्षा के तहत जबलपुर से ट्रेन में कटनी पहुंचने के पश्चात कटनी स्टेशन एवं कटनी यार्ड का पैदल निरीक्षण किया गया जिसमें पॉइंट नंबर 105 बी एवं रेलवे क्रॉसिंग का निरीक्षण करते हुए स्लीपर स्पेसिंग गैप, रेलवे ट्रैक को देखा। स्टेशन के क्रॉसओवर, टर्न आउट, क्रॉसिंग, चेक रेल, टर्नआउट गेज और रेलखण्ड पर बने ऑपरेटिंग एवं इंजीनियरिंग लेवल क्रासिंगों का निरीक्षण किया। कटनी स्टेशन पर प्लेटफार्म का भी निरीक्षण करते हुए सीएचआई को सफाई व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए एवं सीएनडब्ल्यू के रोलिंग चेक करने वाले स्टाफ के कार्य को चेक करते हुए सभी अधिकारी सुपरवाइजर एवं कर्मचारियों को विशेष रूप से संरक्षा बनाए रखने एवं सुरक्षा से कार्य करने के लिए निर्देश दिए। इस निरीक्षण के दौरान मण्डल रेल प्रबंधक विवेक शील ने उक्त स्टेशन पर चल रहे विकास कार्य का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों ने रेल लाइन, ब्रिज, एसईजे, हाइड गेज, समपार फाटक, टर्नआउट, ट्रैक फॉरमेशन एवं स्टेशन पर आधारभूत संरचनाओं के विकास की कार्य योजना के संदर्भ में हो रहे कार्यों के बारे में भी वार्तालाप की।

वीरांगना के बलिदान दिवस पर मशाल लेकर दौड़े पुरुष-महिला धावक

जबलपुर। 24 जून को वीरांगना रानी दुर्गावती का 461वां बलिदान दिवस मनाया जाना है। इसी कड़ी में आज मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया, जिसमें पुरुष एवं महिला धावक हाथ में मशाल लेकर दौड़े। कार्यक्रम के संयोजक मोहन शशि एवं सच्चिदानंद शेकटकर ने बताया कि सुबह करीब 7 बजे धावकों को भंवरताल पार्क में हरी झंडी दिखाकर मैराथन की शुरुआत की गई। उन्होंने बताया कि पुरुष धावक जहां भंवरताल से बारहा स्थित दुर्गावती की समाधि तक दौड़े, तो वहीं महिला वर्ग की दौड़ भंवतरताल से शारदा चौक तक आयोजित हुई। बताया जा रहा है कि बलिदान दिवस वाले दिन भंवतरताल गार्डन में वीरांगना की प्रतिमा के समक्ष रानी दुर्गावती स्मृति रक्षा अभियान मित्रसंघ मिलन एवं कारपोरेशन एथलेटिक संघ के सहयोग से दोनों वर्गों के विजेताओं को पुरस्कार का वितरण किया जाएगा।

बरसते पानी में परिक्रमा वासियों ने दिखाया उत्साह

दंडवत करती हुई निकली नर्मदा पंचकोषी परिक्रमा

जबलपुर। जबलपुर प्रत्येक माह की पूर्णिमा को हरे कृष्णा आश्रम भेड़ाघाट से 431 वी निकाली जाने वाली नर्मदा पंचकोषी परिक्रमा जेठ पूर्णिमा पर स्वामी रामचंद्र महाराज सिदुन माता भारतीय मजदूर संघ के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष विष्णुकांत ठाकुर लोक सेवा आयोग के सदस्य डॉ नरेन्द्र कॉस्टि बड़ी खेरमाई ट्रस्ट के अध्यक्ष शरद अग्रवाल डॉ विजय आनंद मरावी सहित सैकड़ो की संख्याओं में मातृशक्ति ने कई चरणों में भजन कीर्तन करते हुए नर्मदा पंचकोषी परिक्रमा की हाथों में भगवा ध्वज दंडवत करते हुए निकले। आश्रम की ओर से सभी मंडली वाली मातृशक्ति को राधा रानी की साड़ियां भेंट की गई। परिक्रमा आश्रम से पंचवटी 64 योगिनी होते हुए लामेटा घाट से नाव पार कर न्यू भेड़ाघाट सरस्वती घाट से नाव पार कर हरे कृष्णा आश्रम में विशाल भंडारे के साथ समापन हुआ सभी को बद्रीनाथ धाम से पूजित गोमती चक्र का वितरण किया गया न्यू भेड़ाघाट रास्ते मे डॉ ओ पी पटेल ने सभी को दहसरी आम वितरित किये। चार माह नर्मदा पंचकोषी परिक्रमा का विश्राम रहेगा आश्रम में कलश परिक्रमा होगी 15 नवंबर को नर्मदा पंचकोषी परिक्रमा का कुंभ भरेगा। इस अवसर पर नर्मदा महाआरती के संस्थापक परिक्रमा संरक्षक डॉक्टर सुधीर अग्रवाल अध्यक्ष डॉ शिव शंकर पटेल मनमोहन दुबे श्याम मनोहर पटेल पप्पू चौबे विनोद दीवान दुर्गा पटेल कैलाश विश्वकर्मा सुरेश विश्वकर्मा प्रभाकर चतुर्वेदी निर्मल पटेल गुड्डू नेता आदि उपस्थित थे।

15 दिन बाद भक्तों को दर्शन देने रथ में सवार होकर निकलेंगे जगत के नाथ

ज्वर से पीड़ित भगवान जगन्नाथ मंदिर के कपाट हुए बंद

जबलपुर। जगत के नाथ भगवान जगन्नाथ स्वामी, बड़े भाई बलभद्र और बहिन देवी सुभद्रा ज्वर से पीड़ित होने की वजह से 15 दिनो तक भक्तो को दर्शन नहीं देंगे, इसीलिए साहू धर्मशाला गढ़ाफाटक स्थित भगवान जगन्नाथ स्वामी मंदिर के कपाट बंद कर दिए गए है।

उक्ताशय की जानकारी देते हुए कोठिया श्रीकांत साहू ने बताया वात्री साहू समाज जबलपुर द्वारा संचालित श्री जगदीश स्वामी कर्मा माई शंकर भगवान मंदिर ट्रस्ट लॉर्डगंज के तत्वाधान में 134 वर्षो से लगातार जगन्नाथ पुरी की तर्ज पर भगवान जगन्नाथ स्वामी की रथयात्रा बड़े धूमधाम से निकाली जाती है और प्रचलित है कि रथयात्रा के 15 दिवस पूर्व प्रभु जगन्नाथ स्वामी ज्वर से पीड़ित हो जाते है इसीलिए भगवान को विश्राम देने के उद्देश्य से भगवान के कपाट बंद कर दिए जाते है और वर्षो से चली आ रही इस परंपरा का निर्वहन करते हुए साहू समाज के सदस्यों ने साहू धर्मशाला गढ़ाफाटक स्थित अस्थाई मंदिर में विराजित भगवान श्री जगन्नाथ स्वामी, बलभद्र और सुभद्रा की काष्ठ प्रतिमा को सुगंधित इत्र एवं स्वर्ण मिश्रित गंगा, नर्मदा, यमुना के जल से स्नान करा कर उन्हे गर्म शाल से ढका गया। श्री साहू ने बताया 15 दिनो के विश्राम अवस्था में भगवान को सिर्फ आयुर्वेदिक काढ़े का भोग ही बस लगाया जाता है इस दौरान उनका पूजन अर्चन नही होता है।

श्री साहू ने बताया 15 दिनो की विश्राम अवस्था के बाद भगवान जगन्नाथ स्वामी, बलभद्र जी एवं देवी सुभद्रा के कपाट खोले जाएंगे इसके पश्चात भगवान की काष्ठ प्रतिमा को नीम मिश्रित जल से स्नान करा कर नीम का तेल लगाया जाएगा और नवीन वस्त्र पहनाकर श्रृंगार कर पूजन अर्चन के पश्चात रथ पर विराजित किया जायेगा इसके बाद भगवान जगन्नाथ स्वामी बलभद्र जी और देवी सुभद्रा अपने भक्तो को दर्शन देने रथयात्रा में निकलेंगे।

सेंट मेरी स्कूल में मनाया गया योग दिवस

जबलपुर। सेंट मेरी स्कूल वीएफजे जबलपुर में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस विद्यार्थियों और शिक्षकों की भागीदारी के साथ बड़े उत्साह से मनाया गया। दिन की शुरुआत अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को समर्पित एक विशेष सभा के साथ हुई। स्कूल के उपाध्यक्ष रेव फादर शाजी पी. जोशुआ ने विद्यार्थियों को योग का अभ्यास करके स्वस्थ जीवन जीने के लिए प्रोत्साहित किया। प्रधानाचार्या श्रीमती मिनाती एस. चार्ल्स ने सभा को संबोधित किया और मन और शरीर के बीच सामंजस्य को बढ़ावा देने वाले योग के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कैसे योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करने से एकाग्रता बढ़ सकती है, तनाव कम हो सकता है और समग्र स्वास्थ्य में सुधार हो सकता है। सभा के बाद स्कूल के हॉल में योग सत्रों की एक श्रृंखला आयोजित की गई। इन सत्रों का नेतृत्व पेशेवर योग प्रशिक्षक श्रीमती अपूर्वा ने किया, जिन्होंने विभिन्न आसनों और प्राणायामों के माध्यम से मार्गदर्शन करने के लिए उदारतापूर्वक अपना समय दिया। इन सत्रों में योग के इतिहास, इसके लाभों और दैनिक जीवन में इसके अनुप्रयोग पर ध्यान केंद्रित किया गया। गतिविधियों के समापन के लिए, एक निर्देशित ध्यान सत्र आयोजित किया गया, जिसने सभी प्रतिभागियों को एक शांत और शान्तिपूर्ण अनुभव प्रदान किया।

जज के भाई की सड़क हादसे में मौत

जबलपुर। मंडला जिले के निवास मार्ग पर शनिवार शाम एक भीषण सडक़ हादसे में न्यायाधीश व पूर्व महाधिवक्ता पुरुषेन्द्र कौरव के भाई अश्विनी कौरव उम्र 50 वर्ष की दर्दनाक मौत हो गई। बताया गया कि श्री कौरव अपने वाहन से मंडला से जबलपुर की ओर आ रहे थे जब वे निवास के ग्राम कोहनी पहुंचे तभी विपरीत दिशा से आ रहे वाहन से उनकी गाड़ी की जोरदार भिड़ंत हो गई। उन्हें गंभीरावस्था में जबलपुर अस्पताल लाया गया जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

ऊर्जा मंत्री ने किया योगाभ्यास

हम सबको दैनिक दिनचर्या में योग को शामिल करना चाहिए : मंत्री तोमर

जबलपुर। अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर गुना में जिला स्तरीय कार्यक्रम में ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों तथा विद्यार्थियों के साथ योगाभ्यास किया। उन्होंने कहा कि योग हमारी प्राचीन संस्कृति का हिस्सा है, हम सबको दैनिक दिनचर्या में योग को शामिल करना चाहिए। श्री तोमर ने कहा कि हम सभी हमारे प्रधानमंत्री के आभारी हैं, जिन्होंने योग कार्यक्रम को प्रतिवर्ष 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाने के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ में आधिकारिक रूप से मान्यता दिलवाई। उन्होंने सभी को योग दिवस की शुभकामनाएं एवं बधाई दी। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के उद्बोधन का लाइव प्रसारण भी किया गया। श्री तोमर ने श्रीअन्न संवर्धन योजना से संबंधित कार्यक्रम स्थल पर लगाई गई प्रदर्शनी अवलोकन किया और मोटे अनाज से तैयार किये गए व्यंजन को चखा। कार्यक्रम के अंत में सभी जनप्रतिनिधियों ने विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण किया। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष अरविंद धाकड़, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सविता अरविंद गुप्ता, नगर पालिका उपाध्यक्ष धर्म सोनी सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

यश नर्सरी स्कूल में विश्व योग दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

जबलपुर। करें योग रहें निरोग, इसी वक्तव्य को सार्थक करते हुए इस वर्ष की थीम "स्वयं एवं समाज के लिए योग" को अपनाते हुए श्री योग निकेतन केन्द्र अधारताल, भारत स्काउट एंड गाइड जिला संघ जबलपुर,यश नर्सरी हायर सेकेण्डरी स्कूल जबलपुर, अखिल भारतीय ब्राह्मण एकीकृत परिषद महिला प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में, यश नर्सरी हायर सेकेण्डरी स्कूल परिसर में विश्व योग दिवस का कार्यक्रम सुबह 5.30 से 7.30 तक आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्री योग निकेतन केन्द्र के संरक्षक भारत सिंह यादव रहे। इस अवसर पर नगर निगम में एम आईं सी मेम्बर क्षेत्रिय पार्षद डॉ. सुभाष तिवारी, योगाचार्य नारायण प्रसाद केवट, विटनरी यूनिवर्सिटी के डीन श्री गर्ग, श्री सिंह, जिला मुख्य आयुक्त भारत स्काउट्स एंड गाइड्स जिला जबलपुर डॉ. विजयकांत तिवारी, प्राचार्या सोनल तिवारी, योग प्रशिक्षक बिपिन शर्मा, एसके विश्वकर्मा, विजय पौराणिक, श्री गुप्ता, श्रीमती कंचन तिवारी, श्रीमती गीता अवस्थी, श्रीमती रीना दीक्षित, श्रीमती सुभद्रा शुक्ला, श्री चौबे, रामनरेश पटेल, उर्मिला पटेल, एफजे मगरधे, वृन्दावन साहू, अरूण श्रीवास्तव, धर्मेन्द्र जैन, भूरा सेठ, विनोद गुजराती, सुशील तिवारी सहित लगभग 100 लोगों की उपस्थिति रही।

रोजगार मेला का आयोजन 24 से

जबलपुर। जिले के ग्रामीण क्षेत्र में निवासरत युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने जिला पंचायत द्वारा राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत 24 जून से 2 जुलाई तक विकासखण्ड स्तर पर रोजगार मेला का आयोजन किया जायेगा। जिला पंचायत से प्राप्त जानकारी के अनुसार विकासखण्ड स्तरीय रोजगार मेला की शुरुआत सोमवार 24 जून को जनपद पंचायत कुंडम मुख्यालय में रोजगार मेला के आयोजन से होगी। रोजगार मेला के आयोजन की श्रृंखला में मंगलवार 25 जून को विकासखण्ड मुख्यालय शहपुरा में, बुधवार 26 जून को विकासखण्ड मुख्यालय मझौली में, गुरुवार 27 जून को जनपद पंचायत जबलपुर की ग्राम पंचायत बरगी में, शुक्रवार 28 जून को जनपद पंचायत मुख्यालय पाटन में, सोमवार 1 जुलाई को विकासखण्ड मुख्यालय पनागर में तथा मंगलवार 2 जुलाई को विकासखण्ड मुख्यालय सिहोरा में रोजगार मेला आयोजित किया जायेगा। विकासखण्ड स्तर पर आयोजित किये जा रहे इन रोजगार मेला में 18 से 35 वर्ष की आयु के न्यूनतम दसवीं पास युवा भाग ले सकेंगे। ऐसे इच्छुक युवक-युवतियों को रोजगार मेला में समस्त दस्तावेजों सहित उपस्थित होने का आग्रह किया गया है। रोजगार मेला में निजी क्षेत्र की कम्पनी एस आई एस अनूपपुर द्वारा सिक्योरिटी गार्ड, नवकिसान बायोप्लाण्टेक लिमिटेड जबलपुर द्वारा सेल्स ऑफिसर हेतु योग्यतानुसार साक्षात्कार के माध्यम से युवक-युवतियों का चयन किया जायेगा ।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर योगा आसन कराए गए

जबलपुर। ग्रीन वैली पब्लिक स्कूल रैंगवा करमेता मे दसवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में प्रोटोकोल के अंतर्गत योग के आसन कराए गए, यह आयोजन ग्रीन वैली स्कूल एवं क्रीडा भारती के संयुक्त तत्वावधान मे किया गया, इसमें शाला के विद्यार्थियो और शिक्षक शिक्षिकाओ ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, यह आयोजन शाला के योग गुरु और क्रीडा भारती मध्य क्षेत्र के वरिष्ठ योगाचार्य रामकिशोर सोनी के मार्गदर्शन मे सम्पन्न हुआ, कार्यक्रम को सफल बनाने मे शाला संचालक संजय जैन, मनोज ताम्रकार, सुलभ जैन, शाला प्राचार्य वीरेन्द्र पटेल, प्राचार्या डॉ. दीपा जैन, सौरभ जैन ने अभूतपूर्व योगदान प्रदान किया।

दो दिवसीय नेशनल ओपन चेस टूर्नामेंट प्रारंभ

जबलपुर। भारतीय जनता पार्टी खेल प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष आशुतोष मिश्रा एवं कौटान्य वेंचर्स व फाऊंडेशन चैस एकेडमी के द्वारा रंगभूमि राईट टाउन स्टेडियम में दो दिवसीय नेशनल ओपन चेस टूर्नामेंट का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें 4 वर्ष से लेकर 50 वर्ष तक के लगभग 300 से अधिक खिलाड़ियों द्वारा भाग लिया जा रहा है। उद्घाटन सत्र में जबलपुर कलेक्टर दीपक सक्सेना, जीएसटी कमिश्नर लोकेश लिल्हारे, एसपी जबलपुर आदित्य प्रताप सिंह, भाजपा जिला अध्यक्ष प्रभात साहू, युवा मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष शिवम तिवारी ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया एवं खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर निलय तिवारी, अंबुज तिवारी, मनीष रवानी, अमित रवानी, जिला उपाध्यक्ष शुभम रजक एवं उत्कर्ष अग्रवाल मौजूद रहे। कार्यक्रम का समापन रविवार शाम को होगा।

संत निरंकारी मण्डल ने किया अंतराष्ट्रीय योग दिवस पर आयोजन

जबलपुर। सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज की असीम कृपा से संत निरंकारी मिशन द्वारा "अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस" के अवसर पर शुक्रवार 21 जून को संपूर्ण भारत वर्ष में स्थापित संत निरंकारी मिशन की विभिन्न शाखाओं में प्रातः 6:00 बजे से स्थानीय योग प्रशिक्षकों के निर्देशन द्वारा खुले स्थानों एवं पार्कों में योग दिवस का उत्साह पूर्वक आयोजन किया गया। संत निरंकारी मंडल के समाज कल्याण प्रभारी जोगिंदर सुखीजा ने जानकारी दी कि वर्ष 2015 से ही संत निरंकारी मिशन की सामाजिक शाखा संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन द्वारा "योग दिवस कार्यक्रम" का आयोजन किया जा रहा है। इसी श्रृंखला के अंतर्गत इस वर्ष भी अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का विशाल आयोजन संपूर्ण भारतवर्ष के लगभग हर प्रांत के शहरों में उत्साह पूर्वक मनाया गया।

श्रीमती प्रीती जैन- सिहोरा, पुराना बस स्टेंड वार्ड क्रमांक 2 निवासी स्वर्गीय आनंद जैन की धर्मपत्नी श्रीमती प्रीती जैन का 55 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। अंतिम संस्कार बाबाताल मुक्तिधाम में किया गया।

श्री विश्वनाथ सिंह शिवहरे- पुरानी बस्ती ग्वारीघाट स्थित श्री रामलला मंदिर के पीछे निवासी श्री विश्वनाथ सिंह शिवहरे (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती साज आचार्य- हाथीताल कॉलोनी आर ब्लाक निवासी श्री निशीकांत आचार्य की धर्मपत्नी श्रीमती साज आचार्य (56) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती ओमवती गुप्ता- नेपियर टाउन निवासी श्री शिव सहाय गुप्ता की धर्मपत्नी ओमवती गुप्ता (88) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती कला बाई झारिया- गोरखपुर ककरैया तलैया झारिया मोहल्ला निवासी श्री तीरथ प्रसाद झारिया की धर्मपत्नी श्रीमती कला बाई झारिया (71) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती सुशीला द्विवेदी- विजयनगर निवासी श्री एसएन द्विवेदी की धर्मपत्नी श्रीमती सुशीला द्विवेदी (87) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री अभिषेक सराफ- तमरहाई चौक के पास निवासी श्री आनंद सराफ के पुत्र श्री अभिषेक सराफ (37) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती दुर्गा बाई अहिरवार- चौधरी मोहल्ला रामपुर निवासी श्री रमेश अहिरवार की धर्मपत्नी श्रीमती दुर्गा बाई अहिरवार (47) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री कार्तिक खटवानी- न्यू रामनगर अधारताल निवासी श्री दिलीप खटवानी के पुत्र श्री कार्तिक खटवानी (20) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री राजेश चौधरी- रामपुर छापर निवासी श्री राम गोपाल चौधरी के पुत्र श्री राजेश चौधरी (46) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री ओम प्रकाश रजक- जयप्रकाश नगर अधारताल निवासी श्री ओम प्रकाश रजक (76) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री गणेश कोल- लाल कुआं पोलीपाथर निवासी श्री गणेश कोल (47) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री अभिषेक सिंह ठाकुर- कांचघर लालमाटी निवासी श्री राजेश सिंह ठाकुर के पुत्र श्री अभिषेक सिंह ठाकुर (37) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

हरिभूमि निजी/शोक/उठावन, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए

अन्य साइज 40/- प्रति स्क्वायर से.मी.

फिक्स साइज:-	8x4 से.मी.	ब्लैक&व्हाईट	300/-
फिक्स साइज:-	8x4 से.मी.	रंगीन	400/-
फिक्स साइज	10x8 से.मी.	रंगीन	1000/-

सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:-0761-4048310, 2757175

अभी जब ये हाल है तो भारी बारिश में क्या होगा

वर्षा की पहली झड़ी में जल मग्न हुए नगर के प्रमुख मार्ग

सिहोरा। नगर पालिका क्षेत्र अंतर्गत उपनगर खितौला को कृषि उपज मंडी होते हुए राष्ट्रीय राजमार्ग से जोड़ने वाले प्रमुख मार्ग सहित मिस्पा मिशन रोड मझौली रोड में गन्दे पानी की निकासी नहीं होने से स्थानीय लोग परेशान हैं। यहां सड़क पर गंदगी का अंबार लगा है। लोगों की शिकायतों के बावजूद नालियों का निर्माण नहीं गया। जिसके कारण उप नगर खितौला की आबादी के साथ साथ सैकडो ग्रामों से कृषि उपज मंडी आने वाले ग्रामीणों को उक्त गंदगी से सरोवर सड़क से जाने को मजबूर होना पड़ता है। यहां जल निकासी की व्यवस्था नहीं होने से घरों का निकले गंदे पानी के अलावा वर्षा जल के कारण बर्षा की पहली झड़ी में सड़क जल मग्न हो गई। मजबूरी में लोग गंदे पानी से होकर आते जाते हैं। घरों से निकलने वाले लोगों के कपड़ों में कीचड़ लग रहा है और कई बार लोग कीचड़ में गिरकर चोटिल भी हो जा रहे हैं। लोगों का कहना है कि समस्या से निजात दिलाने वार्ड पार्षद से लेकर नगर पालिका तक अनेको वार गुहार लगाई जा चुकी है शिकायत करें तो किस से करें कोई हमारी समस्या पर ध्यान देने वाला नहीं है। अभी हल्की सी बारिस में जब ये हाल है तो भारी बारिस में क्या होगा।

बीस साल पहले बना मण्डी रोड वना नाला

सिहोरा नगर पालिका क्षेत्र अन्तर्गत खितौला बाजार से मंडी जाने के लिए प्रमुख मार्ग मंडी रोड़ के नाम से जाना जाता है लगभग 20 वर्ष पूर्व तत्कालीन नगर पालिका अध्यक्ष प्रकाश पांडे ने नगर पालिका की अनुशंसा से मंडी बोर्ड को इस सड़क निर्माण के लिए प्रस्ताव दिया था जिसके बाद सिहोरा कृषि उपज मंडी के द्वारा जैन मंदिर से लेकर पहरेवा तक करीब 1 किलोमीटर का मार्ग सीमेंटकृत बनाया गया था लेकिन करीब 20 वर्ष बीत जाने के बाद भी मार्ग के दोनों तरफ बसी बसाहट के गन्दे पानी की निकासी की व्यवस्था करने में पालक संस्था नाकाम रही।बारह महीने सड़क पर बहते गन्दे पानी के कारण यह सड़क बदहाल स्थिति में पहुंच गई। वर्षा ऋतु में स्थिति और भी भयाभय हो जाती है वही इस मार्ग पर रहने वाले लोगों का कहना है कि बरसात के समय एक फिट तक पानी सड़क पर रहता है जिसके चलते इस मार्ग पर आवागमन करना बहुत मुश्किल हो जाता है।

मिस्पा मिशन रोड भी जल मग्न

भदौहा तालाब के ओवरफ्लो की निकासी हेतु नगर की पालक संस्था ने लाखों रुपए की लागत से नाले का निर्माण तो किया लेकिन नगर पालिका की फेल और निष्क्रिय इंजीनियरिंग के चलते भदौहा तालाब का पानी नाले की जगह मिस्पा मिशन रोड से बह रहा है जिसके चलते मिस्पा मिशन रोड में हल्की बारिश में भी 1 फुट पानी बहने लगता है।

गहरे गड्ढे और लबालब भरी नालियाँ

नगर पालिका सिहोरा ने गंदे पानी की निकासी के लिए नालियां तो बना रखी है लेकिन इन नालियों का गंदा पानी शहर के बाहर करने के लिए कोई भी नाला तैयार नहीं किया गया जिसके कारण आगे चलकर यह पानी सड़कों तक पहुंच जाता है और जिस मार्ग से इस गंदे पानी की निकासी अस्थाई रूप से हुआ करती थी उसे मार्ग के दोनों ओर अब भवन निर्माण भी हो चुके हैं जिसके कारण पानी की निकासी बंद है और यह गंदा पानी सड़कों पर दिखाई देता है ।

CHANGE OF NAME

I, MEENU (existing name of spouse as per NOK) is legally wedded spouse of No 14654454P Rank HAV Name DEVENDRA SINGH presently, residing at VILL-MURADPUR, PO-SANDALPUR, TEH-SIKANDRA, DIST-KANPUR (DEHAT), (UP)-209715 I, have changed of my name from name MEENU (name as per my Husband army service record) to MEENU DEVI (name as per my AADHAR CARD AND PAN CARD vide affidavit dated 17/06/2024 (date of affidavit) formerly before Public Notary RAMDAS SHARMA MP HIGH COURT, JABALPUR (Name and place of Court). CORRECT NAME-MEENU DEVI INCORRECT NAME-MEENU

डिजिटल ठग कर सकते हैं कंगाल, रहें सावधान

टेलीग्राम और इंस्टाग्राम चैनल्स पर बताए गए टिप्स से बचके रहें

ये करवा सकते हैं बड़े नुकसान, अपनी समझ से करें निवेश

● शेयर मार्केट में पैसा लगाने से पहले एक बार जरूर विचार करें ● एनएसई ने भी इंस्टाग्राम व टेलीग्राम के हैंडल्स से किया सतर्क ● निवेशक डब्बा और इलीगल ट्रेडिंग से भी सावधान रहें

अलर्ट

विनोद कौशिक

अगर आप भी शेयर बाजार में निवेश कर रहे हैं या करने जा रहे हैं तो कुछ बातें पल्ले बांध लें, वरना भारी नुकसान हो सकता है। सबसे जरूरी तो निवेश करने से पहले अपने लक्ष्य तय कर लें और सधी शुरूआत करें। निवेश करने के लिए पहले बाजार के बारे में जान लें, किताबें पढ़ें, अखबार पढ़ें या बाजार के जानकारों से सलाह भी ले सकते हैं, लेकिन निवेश अपनी समझदानी से ही करें। निवेश के लिए डिजिटल मचों के झांसे में न आएं, ये आपको कंगाल कर सकते हैं। खासकर इंस्टाग्राम, फेसबुक और टेलीग्राम चैनल्स के टिप्स लेकर निवेश करने से बचें। ये मंच आपको बड़ा चूना लगवा सकते हैं। इसलिए ध्यान रखें और खुद रिसर्च करने के बाद ही बाजार में उतरें। दरअसल, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज यानी एनएसई ने भी निवेशकों को उस इंस्टाग्राम और टेलीग्राम चैनल के प्रति आगाह किया है जो निवेश से संबंधित टिप्स देने का दावा करते है। एक्सचेंज ने निवेशकों को डब्बा/इलीगल ट्रेडिंग के माध्यम से ट्रेडिंग सर्विसेज प्रदान करने वाली एंटिटी के खिलाफ भी चेतावनी दी।

एनएसई की चेतावनी

एनएसई ने 'बीएसई_एनएसई_लेटेस्ट' नाम के इंस्टाग्राम हैंडल और टेलीग्राम चैनल 'भारत ट्रेडिंग यात्रा' के खिलाफ चेताया है। जो ट्रेडिंग के लिए सिक्योरिटीज मार्केट टिप्स प्रदान कर रहे हैं और निवेशकों के ट्रेडिंग अकाउंट्स को हैंडल करने की पेशकश कर रहे हैं। निफ्टी ने अवैध ट्रेडिंग के लिए इस्तेमाल होने वाले नंबर भी शेयर किए हैं।

एक अन्य रिलीज में यह कहा

एक रिलीज में एक्सचेंज ने 'बेयर एंड बुल प्लेटफॉर्म' और 'ईजी ट्रेड' से जुड़े आदित्य नाम के शख्स का जिक्र किया जो डब्बा/इलीगल ट्रेडिंग सर्विसेज मुहैया कराता है। एक्सचेंज ने इसके दो मोबाइल नंबर-8485855849 और 9624495573 भी पब्लिक किए हैं। एनएसई का कहना है कि यह शख्स एनएसई के किसी रजिस्टर्ड मेंबर के ऑथराइज्ड मेंबर या खुद किसी मेंबर के रूप में रजिस्टर्ड नहीं है।

रियल एस्टेट निवेश

रियल एस्टेट से जुड़े निवेश के ज़रिए जल्दी पैसे कमाने का वादा निवेशकों को लुभाता रहता है। रियल एस्टेट निवेश घोटाले निवेशकों के लिए हमेशा से एक जाल रहे हैं। राज्य प्रतिभूति विनियामक निवेशकों को रियल एस्टेट निवेश सेमिनारों के बारे में सावधान करते हैं, खासकर उन सेमिनारों के बारे में जिन्हें स्टॉक, बॉन्ड और म्यूचुअल फंड से जुड़ी अधिक पारंपरिक सेवानिवृत्ति योजना रणनीतियों के विकल्प के रूप में आक्रामक रूप से विपणन किया जाता है। इन सेमिनारों में उपस्थित लोगों को ऐसे लोगों के प्रशंसापत्र सुनने को मिल सकते हैं जो दावा करते हैं कि उन्होंने रियल एस्टेट में साधारण निवेश के माध्यम से अपनी आय दोगुनी या तिगुनी कर ली है, लेकिन ये दावे हवा-हवाई हो सकते हैं। सबसे लोकप्रिय निवेश पिचों में से दो तथाकथित हार्ड-मनी लेंडिंग और प्रॉपर्टी फ्लिपिंग शामिल हैं।

भारतीय शेयर बाजार दुनिया में चौथे नंबर पर

बता दें कि भारत ने हांगकांग से चौथे सबसे बड़े ग्लोबल इक्विटी बाजार का टैग वापस ले लिया है। देश का मार्केट कैप बढ़कर 5.21 ट्रिलियन डॉलर पर पहुंच गया। हांगकांग शेयर बाजार का मार्केट कैप 5.17 ट्रिलियन डॉलर है। इस तरह भारत दुनिया को चौथा सबसे बड़ा शेयर बाजार बन गया है।

निवेश धोखाधड़ी के प्रकार

उच्च ब्याज दरों का वादा

अक्सर देखने में आता है कि कम ब्याज दरों के माहौल में, उच्च ब्याज वाले वचन-पत्रों का वादा निवेशकों को लुभा सकता है, विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिकों और निश्चित आय पर जीवन-यापन करने वाले अन्य लोगों को। वचन पत्र भविष्य में किसी निश्चित समय पर या मांग पर एक निश्चित राशि का भुगतान (या पुनर्भुगतान) करने का लिखित वादा है। वचन पत्र आम तौर पर नोट की परिपक्वता से पहले या परिपक्वता के समय समय-समय पर ब्याज देते हैं। कंपनियां पूंजी जुटाने के लिए वचन पत्र बेच सकती हैं, और आमतौर पर उन्हें केवल परिष्कृत या संस्थागत निवेशकों को ही देती हैं। लेकिन सभी वचन पत्र इस तरह से नहीं बेचे जाते हैं। इसलिए ऐसे वचन पत्रों से सावधान रहने की जरूरत है।

पोन्ज़ी योजनाएं

पोन्जी योजना (जिसका नाम 1920 के ठग चार्ल्स पोन्जी के नाम पर रखा गया) एक चाल है, जिसमें पहले के निवेशकों को बाद के निवेशकों द्वारा जमा किए गए धन के माध्यम से भुगतान किया जाता है। चार्ल्स पोन्जी ने अंतर्राष्ट्रीय डाक उत्तर कूपन पर आर्बिट्रेज लाभ से 40 प्रतिशत रिटर्न का वादा करके निवेशकों से 10 मिलियन डॉलर ठगे थे। पोंजी स्कीम में, अंतर्निहित निवेश दावे आमतौर पर पूरी तरह से काल्पनिक होते हैंञ बहुत कम, यदि कोई हो, तो वास्तविक भौतिक संपत्ति या निवेश आम तौर पर मौजूद होते हैं। जैसे-जैसे कुल निवेशकों की संख्या बढ़ती है और संभावित नए निवेशकों की आपूर्ति घटती जाती है, वादा किए गए रिटर्न का भुगतान करने और उन निवेशकों को कवर करने के लिए पर्याप्त धन नहीं होता है जो नकद निकालने की कोशिश करते हैं। पोंजी बुलबुला तब फटेगा जब ठग निवेशकों को अपेक्षित भुगतान नहीं दे पाएगा। जब योजना ध्वस्त हो जाती है (जैसा कि हमेशा होता है), तो निवेशक धोखाधड़ी में अपना पूरा निवेश खो सकते हैं। कई मामलों में, अपराधी ने निवेश की गई राशि को निजी खर्चों पर खर्च कर दिया होगा, जिससे फंड खत्म हो जाएगा और बुलबुला फटने की संभावना बढ़ जाएगी।

पिरामिड योजनाएं

ये भी धोखाधड़ी वाली मल्टी-लेवल मार्केटिंग रणनीति है, जिसके तहत निवेशक अधिक से अधिक अन्य निवेशकों को भर्ती करके संभावित रिटर्न कमाते हैं। मल्टी-लेवल मार्केटिंग रणनीतियां आंतरिक रूप से धोखाधड़ी वाली नहीं हैं, और कई वैध मल्टी-लेवल मार्केटिंग कंपनियां हैं जो विभिन्न उपभोक्ता उत्पाद और सेवाएं प्रदान करती हैं। जो चीज बहु-स्तरीय विपणन रणनीति को धोखाधड़ी वाली पिरामिड योजना बनाती हैं, वह है वास्तविक अंतर्निहित निवेश उद्यम या उत्पाद का अभाव, जिसके आधार पर रणनीति को कायम रखने की उम्मीद की जा सके।

क्रिप्टोकरेंसी निवेश

2017 में क्रिप्टोकरेंसी निवेश की मुख्यधारा में आ गई, क्योंकि बिटकॉइन के नेतृत्व में कुछ आभासी सिक्कों और टोकन के मूल्य आसमान छू गए। इसके तुरंत बाद, समाचारों में नई क्रिप्टोकरेंसी, कॉइन एक्सचेंज और संबंधित निवेश उत्पादों की कवरेज दिखाई दी। क्रिप्टो करोड़पतियों की कहानियों ने कुछ निवेशकों को क्रिप्टोकरेंसी या क्रिप्टो-संबंधित निवेशों में निवेश करने के लिए आकर्षित किया। लेकिन बड़ी बाजी लगाने और हारने वालों की कहानियां भी सामने आने लगीं और लगातार सामने आ रही हैं। क्रिप्टो क्रेज में कूदने से पहले, ध्यान रखें कि क्रिप्टोकरेंसी और संबंधित वित्तीय उत्पाद पोंजी योजनाओं और अन्य धोखाधड़ी के लिए सार्वजनिक रूप से सामने आने वाले मुखौटे से ज़्यादा कुछ नहीं हो सकते हैं। क्योंकि ये उत्पाद मौजूदा संघीय/राज्य नियामक ढांचे में ठीक से नहीं आते हैं, इसलिए इन उत्पादों के प्रमोटरों के लिए आपको ठगना आसान हो सकता है। तदनुसार, क्रिप्टोकरेंसी और संबंधित वित्तीय उत्पादों में निवेश को इस रूप में देखा जाना चाहिए। नुकसान के उच्च जोखिम के साथ अत्यधिक जोखिम भरा सट्टा।

रिटर्न देने में ईएलएसएस फंड भी पीछे नहीं, बचाते हैं टैक्स

निवेशकों की कमाई करवाने में ईएलएसएस फंड भी पीछे नहीं है। ये फंड बढ़िया रिटर्न देने के साथ-साथ टैक्स बचाने के लिए भी जाने जाते हैं। निवेशकों में ये फंड भी काफी लोकप्रिय माने जाते हैं। पिछले 10 सालों में चार ईएलएसएस फंडों ने 30,000 रुपये की मासिक एसआईपी निवेश को 1 करोड़ रुपये में बदल दिया है। टैक्स-सेविंग या ईएलएसएस स्कीमों में निवेश की सलाह उन निवेशकों को दी जाती है जो आयकर अधिनियम की धारा 80सी के तहत टैक्स बचाना चाहते हैं। ईएलएसएस फंड में तीन साल की लॉक-इन अवधि होती है।

निवेश मंत्रा

बिजनेस डेस्क

महंगाई के इस दौर में हर कोई कमाई के चक्कर में रहता है। कोई बाजार में निवेश करके कमाता है तो कोई मेहनत मजदूरी करके कमाई करता है। हर कोई कोई अपने सुनहरे भविष्य के लिए निवेश भी करता है। बाजार में निवेश करने के ढेरों तरीके हैं। सबके अपने-अपने लाभ और नुकसान हैं। कुछ लोग तो टैक्स बचाने के लिए भी निवेश करते हैं। म्यूचुअल फंडों की बात करें तो ईएलएसएस फंड टैक्स बचाने और बढ़िया रिटर्न पाने का बेहतरीन तरीका हो सकते हैं। निवेशकों की कमाई करवाने में ईएलएसएस फंड भी पीछे नहीं है। ये फंड बढ़िया रिटर्न देने के साथ-साथ टैक्स बचाने के लिए भी जाने जाते हैं। निवेशकों में ये फंड भी काफी लोकप्रिय माने जाते हैं। पिछले 10 सालों में ईएलएसएस या टैक्स-सेविंग म्यूचुअल फंडों का रिटर्न काफी अच्छा रहा है। करीब चार टैक्स-सेविंग म्यूचुअल फंड स्कीमों ने हर महीने 30,000 रुपये के एसआईपी निवेश को इस अवधि में 1 करोड़ रुपये में बदल दिया है। आंकड़ों के अनुसार इस दौरान लगभग 26 ईएलएसएस या टैक्स-सेविंग म्यूचुअल फंड मार्केट में हैं। टैक्स सेविंग या ईएलएसएस स्कीमों की सलाह उन निवेशकों को दी जाती है कि जो आयकर अधिनियम की धारा 80 सी के तहत टैक्स बचाना चाहते हैं। निवेशक इन स्कीमों में अधिकतम 1.5 लाख रुपये की टैक्स कटौती क्लेम कर सकते हैं। ईएलएसएस फंड तीन साल की लॉक-इन अवधि के साथ आते हैं। इसलिए से अच्छा रिटर्न दे जाते हैं।

स्कीमों ने बनाया करोड़पति

- तेजी से करोड़पति बनाने वालों में क्वांट ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड कैटेगरी में सबसे ऊपर रहा है। इसने पिछले 10 सालों में हर महीने 30,000 रुपये के एसआईपी निवेश को 1.45 करोड़ रुपये में बदल दिया। इसी अवधि में इस स्कीम ने 26.58% का एक्सआईआरआर दिया।
- बैंक ऑफ इंडिया ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड ने पिछले 10 सालों में हर महीने 30,000 रुपये के एसआईपी निवेश को 1.10 करोड़ रुपये में बदल दिया। इसने 21.46 फीसदी का एक्सआईआरआर दिया।
- सबसे पुराने ईएलएसएस या टैक्स सेविंग फंड एसबीआई लॉन्ग टर्म इक्विटी फंड ने इस दौरान 30,000 रुपये के मासिक एसआईपी को 1.01 करोड़ रुपये में बदल दिया। इसका एक्सआईआरआर 19.75% रहा।
- जेएम ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड ने पिछले 10 सालों में 30,000 रुपये के मासिक एसआईपी निवेश को 1 करोड़ रुपये में बदल दिया। एक्सआईआरआर 19.60% रहा।

● कई निवेशकों को सिर्फ 10 साल में बना दिया करोड़पति

● चार टैक्स सेविंग म्यूचुअल फंड स्कीमें कर रही मालामाल

● ईएलएसएस फंड में तीन साल की लॉक-इन अवधि होती

● 30,000 की मासिक एसआईपी निवेश को 1 करोड़ में बदला

अन्य स्कीमों का रटिर्न

- प्रबंधित संपत्ति के आधार पर सबसे बड़ी टैक्स-सेविंग स्कीम एक्सिस ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड ने इस अवधि में 30,000 करोड़ रुपये के मासिक एसआईपी को 75.43 लाख रुपये में बदल दिया। इसने 14.27 फीसदी का एक्सआईआरआर दिया।
- ईएलएसएस या टैक्स-सेविंग फंडों ने पिछले 10 सालों में 30,000 रुपये के मासिक निवेश को 69.34 लाख रुपये से 96.60 लाख रुपये के बीच बदला। इन स्कीमों ने 12.69% से 18.90% के बीच एक्सआईआरआर की पेशकश की।

एलएसएस फंड क्या हैं

ईएलएसएस फंड इक्विटी फंड हैं जो अपने कोष का एक बड़ा हिस्सा इक्विटी या इक्विटी से संबंधित उपकरणों में निवेश करते हैं। ईएलएसएस फंड को टैक्स सेविंग स्कीम भी कहा जाता है, क्योंकि वे आयकर अधिनियम की धारा 80 सी के तहत आपकी वार्षिक कर योग्य आय से 150,000 रुपये तक की कर छूट प्रदान करते हैं। जैसा कि नाम से पता चलता है, ईएलएसएसफंड एक इक्विटी-उन्मुख योजना है जिसमें तीन साल की अनिवार्य लॉक-इन अवधि होती है। हाल के वर्षों में, कई करदाताओं ने कर लाभ प्राप्त करने के लिए ईएलएसएसयोजनाओं की ओर रुख किया है। यदि आप ईएलएसएसयोजनाओं में निवेश करते हैं, तो आप 150,000 रुपये की सीमा तक निवेश की गई राशि पर कर छूट का लाभ उठा सकते हैं। इसके अलावा, तीन साल की अवधि के अंत में इस योजना के तहत आपको जो आय होगी, उसे लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन (एलटीसीजी) माना जाएगा और उस पर 10% कर लगेगा (यदि आय 1 लाख रुपये से अधिक है)।

निवेश के दौरान प्रतिभूति बाज़ार की अस्थिरता का प्रभाव कैसे कम करें

अस्थिरता कम करने का सबसे प्रभावशाली उपाय है विविधीकरण। विविधीकरण अर्थात अपने निवेश को विभिन्न संपति वर्गों, जैसे स्टॉक्स, बॉन्ड, रियल एस्टेट और कमोडिटी आदि के बीच बांट देना। इससे आप बिना प्रभावित हुए अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं।

जानकारी

प्रतीक ओसवाल

प्रतिभूति बाज़ार (स्टॉक मार्केट) में निवेश रोमांचक और भयभीत करने वाला हो सकता है, खासतौर पर नए निवेशकों के लिए। नए निवेशकों के लिए सबसे अधिक चिंता का विषय होता है बाज़ार की अस्थिरता, जो बाज़ार भावों में उतार चढ़ावकी आवृत्ति और सीमा को दर्शाते हैं। दीर्घावधि निवेश में सफलता प्राप्त करने के लिए यह समझना बहुत महत्वपूर्ण है कि बाज़ार भावों की अस्थिरता का प्रभाव कैसे कम किया जाए और उसे कैसे प्रबंधित किया जाए। आइए, हम चर्चा करते हैं कि कैसे एक निवेशक बाज़ार के उतार चढ़ावों सेअधिक प्रभावित हुए बिना आत्मविश्वासपूर्वक निवेश कर सकता है। अस्थिरता निवेश बाज़ार से संबंधी एक शब्द है जो बाज़ार भावों के अप्रत्याशित और तेज उतार चढ़ावों के समय को परिभाषित करता है। अधिकतर, इसे प्रतिफल के मानक विचलन और अस्थाई गिरावट से मापा जाता है। आमतौर पर उन निवेशकों के लिए जो दीर्घअवधि निवेशपर केंद्रित होते हैं, भावों का दैनिक विचलन इतनामायने नहीं रखता, किन्तु 15-20%+ की गिरावट, जो हर कुछ सालों में होती है, उनके डर का सबसे बड़ा कारण है। आइए समझें कि इससे कैसे निपटा जा सकता है।

विविधीकरण

अस्थिरता कम करने का सबसे प्रभावशाली उपाय है विविधीकरण। विविधीकरण अर्थात अपने निवेश को विभिन्न संपति वर्गों, जैसे स्टॉक्स, बॉन्ड, रियल एस्टेट, और कमोडिटी आदि के बीच बाँट देना। यह रणनीति जोखिम को कम कर सकती है,क्योंकि अलग अलग एसेट वर्ग कई बार समान परिस्थिति में अलग प्रदर्शन करते हैं। म्यूचूअल फंड एक ही स्टॉक में निवेश के जोखिम को कम करते हैं, और संपत्ति का आवंटन संपत्ति वर्ग के जोखिम को। परंतु दोनों के माध्यम से, निवेशक अस्थिरता के प्रभाव को व्यापक तौर पर कम कर सकते हैं। इसके दूसरे तरीकों में शामिल हैं।

हाइब्रिड फंड: यह फंड ऋण और इक्विटी निवेशों का मिश्रण होते हैं। ऋण का इक्विटी के साथ मिश्रण हाइब्रिड (मिश्रित) फंडों को वृद्धि और स्थिरता संतुलित करने में सक्षम बनाता है। ऐतिहासिक रूप से,हाइब्रिड रणनीतियों ने तुलनात्मक रूप से अस्थिरता को प्रभावी रूप से कम करते हुए स्थिर प्रतिफल प्रदान किये हैं।

मल्टी-एसेट पोर्टफोलियो : हायब्रिड फंडों से भी एक कदम आगे, मल्टी-एसेट पोर्ट्फोलीओ इक्विटी, अंतर्राष्ट्रीय इक्विटी, ऋण और सोने (गोल्ड) के मिश्रण से बने होते हैं। यह रणनीति विभिन्न ऐसेट वर्गों के बीच निम्न सहसंबद्धता बनाती है, जिससे एक ऐसा मजबूत पोर्ट्फोलीओ बनता है, जो कम अस्थिरता के साथ इक्विटी निवेश के समान प्रतिफल देने में सक्षम होता है। ऊपर दी गई दोनों रणनीतियाँ कम जोखिम के साथ दीर्घ-अवधि में प्रतिफल देती हैं।

लो वोलेटिलिटी फैक्टर फंड

अस्थिरता कम करने के लिए एक अन्य रणनीति है, निम्न-अस्थिरता वाले लो-वोलेटिलिटी फैक्टर फंडों में निवेश करना। हाइब्रिड और मल्टी-एसेट फंडों, जिनमें निवेशकों को कम जोखिम के बदले प्रतिफल से समझौता करने की जरूरत पड़ सकती है, की तुलना में लो-वॉलेटिलिटी फंड कम अस्थिरता के साथ इक्विटी फंडों के समान प्रतिफल देने का लक्ष्य रखते हैं। यह फंड ऐसे स्टॉक्स पर केंद्रित होते हैं जिनमें व्यापक बाज़ार के मुकाबले भावों का उतार चढ़ाव कम होता है, जिससे निवेश सुचारू रूप से होता है। लो- वॉलेटीलिटी इंडेक्स फंडः यह फंड उनकी पिछले समय की अस्थिरता के आधार पर स्टॉकों का चयन करते हैं, जिनका उद्देश्य ऐसा पोट्र्फोलीओ बनाना होता है, जिसमें भावों का तेज उतार चढ़ाव कम होता हो। लो-वॉलेटिलिटी फंडों ने पारंपरिक इक्विटी फंडों के समान प्रतिफल देने की संभावना दिखाई है और इनमें जोखिम भीकम होता है। यह उन रूढ़िवादी निवेशकों के लिए आकर्षक फंड होते हैं, जो इक्विटी के समान प्रतिफल प्राप्त करना चाहते हैं।

निवेश दायरा बढ़ाना

जितने समय के लिए आप निवेश रोकते हैं, वह आप पर अस्थिरता के प्रभाव को प्रभावित करता है। लघु अवधि निवेश बाज़ार के उतार चढ़ाव के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं, जबकि दीर्घ अवधि के लिए किए गए निवेश से इन उतार चढ़ावों का प्रभाव कम हो जाता है, जिससे व्यापक रूप से जोखिम कम होता है।

निवेश दायरा: शोधों से पता चलता है कि प्रतिफल की अस्थिरता लंबी निवेश अवधि के साथ कम होती जाती है। उदाहरण के लिए, 1-6 वर्षों की शुरुआती अवधि के लिए प्रतिफल की अस्थिरता महत्वपूर्ण रूप से उच्च होती है परंतु यह 6 से 7 वर्षों के बाद महत्वपूर्ण रूप से कम भी हो जाती है। यहाँ तक कि उच्च रूप से अस्थिर माइक्रो कैप स्टॉक्स भी निवेश अवधि बढ़ाने पर कम प्रतिफल अस्थिरता दर्शाते हैं।

एसआईपी में निवेश: बाजार परिस्थितियों पर ध्यान न देते हुए नियमित रूप से निवेश भी अस्थिरता के प्रभाव को कम कर सकता है। यह योजनाएं भाव कम होने पर अधिक शेयर खरीदने और भाव बढ़ने पर कम शेयर खरीदने की स्वतंत्रता देती हैं, जिससे कि समय के साथ साथ खरीद की लागत औसत होती जाती है।

बाज़ार रुझानों पर कम ध्यान देना

बाजार के लघु अवधि के रुझानों पर ध्यान देने से अस्थिरता का प्रभाव व नुकसान, दोनों की मात्रा अधिक हो सकती है। इसके स्थान पर, एक दीर्घ-अवधि निवेश रणनीति पर ध्यान दें और बाज़ार के उतार-चढ़ाव से प्रभावित होकर आवेगपूर्ण निर्णय लेने से बचें।

मार्केट टाइमिंग जोखिम: शोध से पता चलता है कि ऐसेट आवंटन निर्णय मार्केट टाइमिंग या व्यक्तिगत सिक्युरिटी चयन की तुलना में दीर्घ अवधि निवेश प्रदर्शनों को अधिक प्रभावित करते हैं। इसलिए, अच्छी सोची समझी एसेट आवंटन रणनीति मार्केट टाइमिंग के अनुसार निर्णय लेने के मुकाबले बेहतर परिणाम दे सकती है।

सामयिक पोर्टफोलियो समीक्षा

नियमित रूप से पोर्ट्फोलीओ की समीक्षा अनिवार्य है, परंतु अपने निवेशों की समीक्षा बार बार करने से बचना भी महत्वपूर्ण है। अधिक बारसमीक्षा करने से भावनात्मक निर्णय लेने की संभावना बढ़ जाती है और अस्थिरता से प्रभावित होने की भी।

समीक्षा आवर्तन: आवधिक समीक्षा, जैसे त्रैमासिक या अर्द्धवार्षिक, की सलाह दी जाती है। यह तरीका दीर्घ अवधि लक्ष्य पर केंद्रित रहने के लिए मदद करता है और लघु अवधि उतार चढ़ाव के कारण होने वाली चिंता कम कम करता है।

निष्कर्ष: स्टॉक बाज़ार में अस्थिरता का प्रभाव कम करने की रणनीतियों में जानकारी युक्त निर्णय लेना, निवेश का विविधीकरण, निवेश दायरा बढ़ाना, बाज़ार रुझानों पर ध्यान न देना, पोर्टफोलियो की सामयिक समीक्षा और लो-वॉलेटिलिटी फैक्टर फंडों पर ध्यान देना शामिल है। इन रणनीतियों को अपनाकर, बाज़ार में निवेश कर सकते हैं।

(लेखक पैसिव फंड व्यवसाय, मोतीलाल ओसवाल एएमसी के प्रमुख हैं)

कई म्यूचुअल फंड स्कीमों ने निवेशकों को दिया फायदा

23 स्कीमों में एक साल में मिला 60 फीसदी से ज्यादा रिटर्न

क्वांट वैल्यू फंड 75.85% रिटर्न के साथ पहले स्थान पर रहा

क्वांट मिड कैप फंड 74.72% रिटर्न के साथ दूसरे स्थान पर

बाजार विश्लेषण

बिजनेस डेस्क

इस साल म्यूचुअल फंड की स्कीमों ने निवेशकों को मालामाल कर दिया। इन स्कीमों ने 60 फीसदी से अधिक रिटर्न दिया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक पिछले एक साल में इक्विटी म्यूचुअल फंड की 23 स्कीमों ने 60 फीसदी से ज्यादा रिटर्न दिया है। रिपोर्ट में किए गए विश्लेषण में 249 इक्विटी म्यूचुअल फंडों को शामिल किया गया था, जिन्होंने बाजार में एक साल पूरा कर लिया है। सबसे ज्यादा रिटर्न देने वाले दो फंड क्वांट म्यूचुअल फंड के थे। इसमें क्वांट वैल्यू फंड सबसे ऊपर रहा, जिसने पिछले एक साल में 75.85 फीसदी रिटर्न दिया। इसी अवधि में क्वांट मिड कैप फंड ने 74.72 फीसदी रिटर्न दिया। आईटीआई मिड कैप फंड ने पिछले एक साल में 72.53 फीसदी रिटर्न दिया। बंधन स्मॉल कैप फंड और जेएम मिडकैप फंड ने इसी अवधि में 71.45 फीसदी और 70 फीसदी रिटर्न दिया। क्वांट स्मॉल कैप फंड और महिंद्रा मनुलाइफ स्मॉल कैप फंड ने एक साल में 66.42% और 66.04% रिटर्न दिया। जेएम म्यूचुअल फंड की दो स्कीमों-जेएम फ्लेक्सीकैप फंड और जेएम वैल्यू फंड ने पिछले एक साल में 64.40% और 64.23% रिटर्न दिया। फ्रैंकलिन इंडिया स्मॉलर कंपनीज फंड ने इसी अवधि में 60.98% रिटर्न दिया। मोतीलाल ओसवाल मिडकैप फंड और एचएसबीसी मल्टी कैप फंड से इसी अवधि में 60.89% और 60.79% रिटर्न मिला। ध्यान देने वाली बात यह है कि किसी भी इक्विटी म्यूचुअल फंड कैटेगरी की सबसे बड़ी स्कीमों ने पिछले एक साल में 60% से ज्यादा रिटर्न नहीं दिया है।

पांच क्वांट म्यूचुअल फंड

बेहतर रिटर्न देने वाली इन 23 स्कीमों में से पांच क्वांट म्यूचुअल फंड और तीन-तीन जेएम म्यूचुअल फंड और एचएसबीसी म्यूचुअल फंड की हैं। दो-दो महिंद्रा मनुलाइफ म्यूचुअल फंड और आईटीआई म्यूचुअल फंड से हैं। एक-एक स्कीम बंधन म्यूचुअल फंड, बैंक ऑफ इंडिया म्यूचुअल फंड, फ्रैंकलिन टेम्पलटन म्यूचुअल फंड, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड, इन्वेस्को म्यूचुअल फंड, कोटक म्यूचुअल फंड, मोतीलाल ओसवाल म्यूचुअल फंड, निप्पॉन इंडिया म्यूचुअल फंड से हैं।

बाकी का कैसा प्रदर्शन

बाकी 226 इक्विटी म्यूचुअल फंडों ने पिछले एक साल में 18.86% और 59.90% के बीच रिटर्न दिया। एचडीएफसी मिड-कैप अपॉर्चुनिटीज फंड ने इसी अवधि में 55.10% रिटर्न दिया। यह प्रबंधित संपत्ति के आधार पर सबसे बड़ा मिड कैप फंड है। प्रबंधित संपत्ति के आधार पर सबसे बड़े ईएलएसएस फंड एक्सिस ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड ने पिछले एक साल में 29.48% रिटर्न दिया। पराग पारिख फ्लेक्सी कैप फंड ने इसी अवधि में 36.83% रिटर्न दिया। यह प्रबंधित संपत्ति के आधार पर सबसे बड़ा फ्लेक्सी कैप फंड है।

सभी कटेगरी शामिल दे रही बढ़िया मुनाफा

विश्लेषण में सभी इक्विटी म्यूचुअल फंड कैटेगरी जैसे लार्ज कैप, फ्लेक्सी कैप, मिड कैप, लार्ज एंड मिड कैप, स्मॉल कैप, फोकस्ड फंड, ईएलएसएस, मल्टी कैप, वैल्यू और कॉन्ट्रा फंड शामिल किए गए थे। हालांकि यह ध्यान रखें की विश्लेषण के आधार पर निवेश या निकासी के फैसले नहीं लेने चाहिएं। निवेश का कोई भी फैसला लेने से पहले हमेशा अपनी जोखिम उठाने की क्षमता, निवेश की अवधि और लक्ष्य पर विचार करना चाहिए। इसके बाद ही निवेश के क्षेत्र में कदम रखना चाहिए। हर साल में अलग-अलग म्यूचुअल फंड का प्रदर्शन अलग-अलग हो सकता है। इसलिए निवेश करने से पहले बाजार के बारे में जानकारी जुटा लें। इससे आपको निवेश करने में आसानी रहेगी और रिस्क भी खत्म होगा। हालांकि म्यूचुअल फंड में लंबे समय तक निवेश करना लाभकारी माना गया है। इसलिए म्यूचुअल फंड में निवेश करते समय आरगेट लंबा रखें, तभी अच्छा मुनाफा मिल सकेगा।

इन स्कीमों का दमदार प्रदर्शन

स्कीम	रिटर्न (%)
क्वांट वैल्यू फंड	75.85
क्वांट मिड कैप फंड	74.72
आईटीआई मिड कैप फंड	72.53
बंधन स्मॉल कैप फंड	71.45
जेएम मिडकैप फंड	70.00
क्वांट लार्ज एंड मिड कैप	68.10
बैंक ऑफ इंडिया फ्लेक्सी कैप	67.21
आईटीआई स्मॉल कैप फंड	67.02
क्वांट स्मॉल कैप फंड	66.42
महिंद्रा मैनुलाइफ स्मॉल कैप फंड	66.04
इनवेस्को इंडिया फोकस्ड फंड	65.02
जेएम फ्लेक्सीकैप फंड	64.40
जेएम वैल्यू फंड	64.23
एचएसबीसी मिडकैप फंड	64.21
आईसीआईसीआई प्रू मिडकैप फंड	62.74
महिंद्रा मैनुलाइफ मिड कैप फंड	62.48
क्वांट फ्लेक्सी कैप फंड	61.57
एचएसबीसी वैल्यू फंड	61.20
निप्पॉन इंडिया ग्रोथ फंड	61.07
कोटक मल्टीकैप फंड	60.98
फ्रैंकलिन इंडिया स्मॉलर कॉस फंड	60.98
मोतीलाल ओसवाल मिडकैप फंड	60.89
एचएसबीसी मल्टी कैप फंड	60.79

कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी बार-बार कहते हैं कि आम चुनाव का जनादेश प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा-एनडीए को नहीं मिला। यह अवैध, असंवैधानिक और अल्पमत की सरकार है, जो छोटी-सी गड़बड़ी से ही गिर सकती है। प्रधानमंत्री मोदी मनोवैज्ञानिक रूप से टूट चुके हैं, उन्हें प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। सवाल है कि ऐसी बात वो नेता कह रहे हैं जिसके विपक्षी गठबंधन इंडिया को अकेले भाजपा (240) के बराबर सीट भी नहीं मिली। शायद लगातार सत्ता से दूर रहने के चलते कांग्रेस और राहुल गांधी की सियासी कुण्ठा है कि वे ऐसी भाषा बोल रहे हैं। 'रायसीना हिल्स' की सत्ता स्थापित हो चुकी है। मोदी ने लगातार तीसरी बार पीएम पद की शपथ ली है। विपक्ष अब भी मुग़ालते में है कि मोदी सरकार 'अल्पसंख्यक' सरकार है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बार-बार कहा है कि बहुत जल्दी सरकार का पतन हो जाएगा। चुनाव में नकारे जाने के बाद कांग्रेस व उसके सहयोगी दल अब किसी अनहोनी का इंतजार है कि एनडीए टूटे व उसे मौका मिले। क्या पीएम मोदी के प्रति कांग्रेस गलत व भ्रमित नैरेटिव गढ़ रही है? आजकल के इस अंक में इस मुद्दे व नीट विवाद पर एक विश्लेषण...

मोदी सरकार को ही जनादेश

विश्लेषण
सुशील राजेश
वरिष्ठ पत्रकार

संविधान और लोकतंत्र की भाषा में जनादेश किसे कहते हैं? आम चुनाव का जनादेश क्या है और किसके पक्ष में बहुमत की व्याख्या करता है? मोदी सरकार को अल्पमत, असंवैधानिक सरकार संविधान के किस हिस्से के आधार पर कहा जा रहा है? दरअसल, यह कांग्रेस और राहुल गांधी की कुण्ठा है कि वे ऐसी भाषा बोल रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने लगातार तीसरी बार पद की शपथ ली है। विपक्ष अब भी मुगालते में है कि मोदी सरकार 'अल्पसंख्यक' सरकार है। विपक्ष की राजनीति अपनी है, लेकिन विपक्ष का हरेक मुद्दे पर प्रधानमंत्री मोदी को कोसना, सरकार के पतन की बातें करना और मूलतः जनादेश पर सवाल उठाना कौन-सा और कहां का राजनीतिक औचित्य है?

पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी बार-बार कहते हैं कि आम चुनाव का जनादेश प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा-एनडीए को नहीं मिला। यह अवैध, असंवैधानिक और अल्पमत की सरकार है, जो छोटी-सी गड़बड़ी से ही गिर सकती है। प्रधानमंत्री मोदी की छाती 56 इंच के बजाय 30-32 इंच की हो गई है। वह मानसिक और मनोवैज्ञानिक रूप से टूट चुके हैं। प्रधानमंत्री मोदी के बारे में भय और खौफ की जो धारणा थी, वह भी खत्म हो चुकी है। अब कोई भी प्रधानमंत्री मोदी से नहीं डरता, लिहाजा उन्हें प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। राहुल के अलावा, कांग्रेस के प्रवक्ता और सड़किया कार्यकर्ता तक देश के प्रधानमंत्री को 'झूठा', 'मक्कार', 'फासीवादी' आदि गालियां देते हुए इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। आखिर सवाल है कि संविधान और लोकतंत्र की भाषा में जनादेश किसे कहते हैं? आम चुनाव का जनादेश क्या है और किसके पक्ष में बहुमत की व्याख्या करता है? मोदी सरकार को अल्पमत, असंवैधानिक सरकार संविधान के किस हिस्से के आधार पर कहा जा रहा है? यदि कुछ असंवैधानिक हुआ है, तो कांग्रेस और विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' अभी तक सर्वोच्च अदालत में क्यों नहीं गए? क्या देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने ऐसी सरकार को शपथ दिला कर संविधान-विरोधी काम किया है?

कांग्रेस की कुंठा

दरअसल, यह लगातार सत्ता से दूर रहने के चलते कांग्रेस और राहुल गांधी की कुण्ठा है कि वे ऐसी भाषा बोल रहे हैं। 'रायसीना हिल्स' की सत्ता स्थापित हो चुकी है। प्रधानमंत्री मोदी ने लगातार तीसरी बार पद की शपथ ली है। उनकी कैबिनेट भी सक्रिय हो चुकी है। विपक्ष अब भी मुग़ालते में है कि मोदी सरकार 'अल्पसंख्यक' सरकार है। दरअसल 'अल्पमत' सटीक शब्द है। कांग्रेस समेत विपक्षी दलों को सरकार के संदर्भ में भी 'अल्पसंख्यक' याद आते हैं। यह शब्द कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बार-बार कहा है कि बहुत जल्दी सरकार का पतन हो जाएगा। यदि विपक्ष की इस भविष्यवाणी को मान भी लिया जाए, तो सहज सवाल है कि उसके बाद क्या होगा? वैकल्पिक सरकार किसकी होगी? अथवा कुछ ही महीनों के बाद देश पर मध्यावधि चुनाव का बोझ लाद दिया जाएगा? प्रधानमंत्री कौन होगा? क्या उसके समर्थक सांसदों की संख्या इतनी होगी कि जनादेश कहा जा सके? सरकारें और सदन बहुमत के आंकड़ों के आधार पर तय होते हैं। एनडीए के बजाय अकेली भाजपा के ही आंकड़ों को गिना जाए, तो 240 सांसदों के साथ वह लोकसभा में सबसे बड़ी पार्टी है। भाजपा के बाद कांग्रेस के 98 सांसद हैं, लिहाजा वह दूसरे स्थान की पार्टी है। दोनों के बीच में कोई अन्य दल नहीं है। सदन में बहुमत का जादुई आंकड़ा 272 सांसदों का है। इस लक्ष्य के ज्यादा करीब भाजपा है अथवा कांग्रेस है? परंपरा रही है कि राष्ट्रपति सबसे पहले सदन की सबसे बड़ी पार्टी को सरकार बनाने को आमंत्रण देते हैं। गठबंधन की गुंजाइश उसके बाद ही आती है।

गठबंधन का अतीत पुराना

यदि इतिहास को खंगाला जाए, तो 1984-89 के बाद चुनाव में किसी भी दल को बहुमत नहीं मिला है। सभी सरकारें गठबंधन की बनी हैं। वीपी सिंह और चन्द्रशेखर तथा बाद में देवगौड़ा-गुजराल की सरकारों को छोड़ कर शेष सभी गठबंधन सरकारों ने अपने कार्यकाल पूरे किए हैं। प्रधानमंत्री राजीव गांधी की हत्या के बाद 1991 में जो चुनाव हुआ, उसमें कांग्रेस 232 सांसदों वाली सबसे बड़ी पार्टी थी। पीवी नरसिम्हा राव के प्रधानमंत्रित्व में सरकार बनी, लेकिन वह 'अल्पमत' सरकार थी। सांसदों की खरीद-फरोख्त हुई, नेताओं ने पाले बदले और सरकार के बहुमत का जुगाड़ किया जाता रहा। देश में पहली बार प्रधानमंत्री को किसी अदालत ने 'अभियुक्त' करार दिया और एक विशेष अदालत बनाकर केस चलाने का बंदोबस्त किया गया। बहरहाल मामला रफा-दफा हो गया। उसके बाद 1996 के चुनाव में भाजपा 161 सांसदों के साथ लोकसभा में पहली बार, सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। घोर अल्पमत था, लेकिन राष्ट्रपति ने सरकार बनाने का न्योता दिया। अटलबिहारी वाजपेयी ने पहली बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। चूंकि वह अपने साथ अन्य दलों का गठबंधन बनाने में नाकाम रहे, नतीजतन पद से इस्तीफा देना पड़ा। 1998-99 में भाजपा 182 सांसदों के साथ फिर सबसे बड़ी पार्टी थी, लेकिन अल्पमत में थी। एनडीए का गठन उसी दौर में हुआ और इस बार 2004 तक वाजपेयी सरकार बखूबी चली। 'कारगिल युद्ध' भी इसी दौर में हुआ था।

2004 से गठबंधन का नया दौर

2004 के आम चुनाव में बड़ा उलटफेर हुआ। लोकसभा में कांग्रेस के 145 सांसद जीत कर आए और तत्कालीन सत्तारूढ़ भाजपा 138 सांसदों के साथ 'पराजित पार्टी' थी। बहुमत के आंकड़े से दोनों ही पक्ष बहुत दूर थे। वामपंथी दलों के सहयोग से गठबंधन का एक तम्बू तैयार किया गया और उसके नीचे समधर्मा दल लामबंद हुए। तब प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के नेतृत्व में यूपीए सरकार बनी और वामपंथी सोमनाथ चटर्जी को स्पीकर बनाया गया। बेहद विरोधाभास थे। लगातार हिचकोले खाती रहती थी सरकार, लेकिन गठबंधन जारी रहा। अंततः अमेरिका के साथ असैन्य परमाणु करार के मुद्दे पर वाममोर्चे के करीब 60 सांसदों ने सरकार से समर्थन वापस ले लिया। मनमोहन सरकार अल्पमत में आ गई और लड़खड़ाने लगी। तब मुलायम सिंह यादव की सपा के 39 सांसदों और अन्य का जुगाड़ करना पड़ा। मनमोहन सरकार गिरते-गिरते विश्वास मत जीत गई। 2009 के आम चुनाव में भी कांग्रेस 206 सांसदों के साथ सबसे बड़ी पार्टी थी। भाजपा 116 सांसदों के साथ बहुत पीछे थी। यूपीए-2 की सरकार बनी और डॉ. मनमोहन सिंह ही प्रधानमंत्री चुने गए। ये सभी गठबंधन सरकारों के उदाहरण हैं, जो पांच साल तक चलीं और कार्यकाल पूरे किए। अब सवाल है कि आज मोदी नीत राजग सरकार के पक्ष में चुनाव-पूर्व के गठबंधन का स्पष्ट बहुमत है। सरकार को 293 सांसदों का समर्थन हासिल है। फिर उसे अल्पमत, अस्थिर, असंवैधानिक सरकार क्यों कहा जा रहा है? यह कैसा झूठ है?

कांग्रेस ने गढ़ा झूठा नैरेटिव

चुनाव के दौरान कांग्रेस और विपक्षी दलों ने एक झूठे नेरेटिव को गढ़ा कि यदि मोदी सरकार ही तीसरी बार आई, तो संविधान बदल दिया जाएगा। लोकतंत्र खत्म हो सकता है। यदि संविधान बदल दिया जाएगा, तो आरक्षण भी कहां रहेगा? देश जानता है कि ये परिवर्तन नहीं किए जा सकते, लेकिन फिर भी दलित, ओबीसी, कुछ आदिवासी, गरीब, अनपढ़ लोगों पर इसका असर हुआ। नतीजतन उप्र, राजस्थान, महाराष्ट्र आदि राज्यों में भाजपा की अपेक्षाकृत पराजय हुई। प्रधानमंत्री मोदी ने मुस्लिम आरक्षण के खिलाफ खूब प्रचार किया, नतीजतन अब मुसलमानों ने तय कर लिया है कि वे किसी भी चुनाव में भाजपा को वोट नहीं देंगे। प्रधानमंत्री मोदी उनके लिए कुछ भी काम करें, परियोजनाएं बनाएं, लेकिन मुसलमान उस पार्टी और उम्मीदवार को वोट देगा, जो मोदी और भाजपा को हरा सके। यह खुलासा मुस्लिम विशेषज्ञों ने ही किया है। उनका कहना है कि गुजरात के मुख्यमंत्री के तौर पर भी मोदी ने इन स्थितियों को झेला है, लेकिन वह कहते रहे हैं कि आप मुझे वोट तो न दो, लेकिन मैं आपका भी मुख्यमंत्री हूं। मुझसे काम तो कराओ। आखिर मुख्यमंत्री से इतनी आबादी नफरत कैसे कर सकती है? इस सांप्रदायिकता ने आम चुनाव में भी भाजपा के जनादेश को प्रभावित किया है, नतीजतन वह 240 सीट पर थम गई है। मुसलमानों का यह भाव 2014 से पहले भी था, लेकिन कुछ फीसदी मुसलमान भाजपा की ओर भी ध्रुवीकृत होने लगे थे। 2024 के चुनाव ने उस पर भी विराम लगा दिया है।

जनादेश पर सवाल उठाना अनुचित

आज जो जनादेश पर सवाल उठा रहे हैं, उन्होंने आरक्षण, नीट पेपर लीक आदि को भी राजनीतिक रंग दे दिया है। देश के करीब 20 राज्यों में करीब 70 भर्ती, प्रवेश परीक्षाओं के पेपर लीक किए गए हैं। इस तरह करीब 2 करोड़ युवाओं के भविष्य अधर में लटक गए हैं। ऐसा भ्रष्टाचार करने वाले कांग्रेस और भाजपा शासित दोनों ही राज्य हैं, लेकिन अपशब्द प्रधानमंत्री मोदी को दिए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री के पुतले जलाए जा रहे हैं। कांग्रेस का छात्र संगठन कई राज्यों में उत्तेजक विरोध-प्रदर्शन कर रहा है। नीट परीक्षा की धांधलियां और विसंगतियां सामने आई हैं। मामला सर्वोच्च अदालत के विचाराधीन है, जिसकी सुनवाई 8 जुलाई को होनी है। राहुल गांधी का बयान है कि पेपर लीक को प्रधानमंत्री न तो रोकना चाहते हैं और न ही रोकने में सक्षम हैं। शिक्षण संस्थानों पर भाजपा-संघ का कब्जा हो गया है। नीट के कुछ छात्र और उनके अभिभावक राहुल गांधी से भी मिले हैं। कांग्रेस नेता ने उन्हें विश्वास दिलाया है कि वह उनकी लड़ाई सड़क से संसद तक लड़ेंगे। बहरहाल विपक्ष की राजनीति अपनी है, लेकिन हरेक मुद्दे पर प्रधानमंत्री को कोसना, सरकार के पतन की बातें करना और मूलतः जनादेश पर सवाल उठाना कौन-सा और कहां का राजनीतिक औचित्य है? देश आश्वस्त रहे कि जनादेश का बहुमती संकेत भाजपा-एनडीए की ओर है तथा गठबंधन ठोस है। गठबंधन हररोज़ नहीं टूटा करते। नीट का सवाल है, तो छात्र सर्वोच्च अदालत और केंद्र सरकार पर भी भरोसा करना सीखें। किसी की राजनीति का शिकार न बनें।

निर्दोष अभ्यर्थियों की वेदना के जिम्मेदार कौन

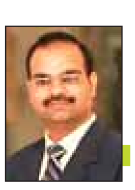

नीट विवाद
डा. भारत
वरिष्ठ कानून प्रवक्ता, पंजाब विवि

प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश पाने से लेकर प्रतिष्ठित नौकरी के अवसर पाने तक, प्रतियोगी परीक्षाएँ भारत में किसी अभ्यर्थी के भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। भारत में प्रतियोगी परीक्षाओं का आज़ादी के बाद से ही बहुत महत्व रहा है, और इसके पीछे कारण था देश की शिक्षा प्रणाली जो इन परीक्षाओं पर बहुत ज़ोर देती थी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने इस पृष्ठभूमि के कारण ही उद्यमिता के लिए युवा प्रतिभाओं का समुपयोजन करने के लिए ईमानदारी से अथक प्रयास किया है। हालिया नीट कांड ने सोचने पर विवश किया है।

प्रतियोगी परीक्षाएँ उच्च शिक्षा के प्रवेश द्वार के रूप में कार्य करती हैं। भारतीय शिक्षा के प्रतिस्पर्धी परिदृश्य में, जहाँ डॉक्टर या इंजीनियर बनने के सपने कम उम्र से ही पोषित किए जाते हैं, राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (एनईईटी), संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई) और प्रबंधन अध्ययन के लिए सामान्य प्रवेश परीक्षा (कएट) जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं के महत्व को कम करके नहीं आंका जा सकता। इन प्रतियोगी परीक्षाओं के माध्यम से लाखों छात्र सीमित सीटों के लिए होड़ करते हैं। इन परीक्षाओं का छात्रों के प्रतिष्ठित संस्थानों में प्रवेश पाने की संभावनाओं पर सीधा असर पड़ता है। एनईईटी और जेईई परीक्षाओं का दबाव भारतीय शैक्षिक परिदृश्य पर भारी पड़ता है, इन परीक्षाओं में सफलता को अक्सर किसी के शैक्षणिक और पेशेवर भविष्य का निर्णायक कारक माना जाता है।

शीर्ष-स्तरीय महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में उपलब्ध सीटों की सीमित संख्या के साथ, ये परीक्षाएँ योग्यता के आधार पर उम्मीदवारों के चयन के लिए एक निष्पक्ष और पारदर्शी तंत्र प्रदान करती हैं। भारत में प्रतियोगी परीक्षाओं के महत्व का एक और कारण अवसरों को समान करने वाली उनकी भूमिका है। किसी की पृष्ठभूमि या सामाजिक-आर्थिक स्थिति से दूर, ये परीक्षाएँ सभी अभ्यर्थियों के लिए समान अवसर प्रदान करती हैं। बाहरी कारकों के बजाय अकादमिक योग्यता पर ध्यान केंद्रित करके, प्रतियोगी परीक्षाएँ विविध पृष्ठभूमि के प्रतिभाशाली अभ्यर्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और उसके बाद आजीविका की संभावनाओं तक पहुँचने का अवसर प्रदान करती हैं। वे बाधाओं को तोड़ने में मदद करती हैं और यह सुनिश्चित करती हैं कि योग्य अभ्यर्थियों अपनी क्षमताओं के आधार पर शीर्ष तक पहुँच सकें।

सदाचार बनाम कदाचार

भारत का युवा न केवल देश की आबादी का सत्तर-प्रतिशत हिस्सा हैं, अपितु 2047 के विकसित भारत का हितधारक भी हैं। "सुविधा, सुरक्षा और सम्मान" का सिद्धांत सदाचार का अनुमोदन करता है और कदाचार को अस्वीकृत करता है। देश के विभिन्न हिस्सों से एक के बाद एक कदाचार, प्रश्न पत्र का खुलासा (पेपर लीक), प्रतिरूपण (दूसरे व्यक्ति से परीक्षा दिलवाने) आदि की घटनाओं के कारण युवाओं का भविष्य दांव पर है। अतीत पर एक नज़र डालें तो राजस्थान में 2018 के बाद से कदाचार की 12 घटनाएं हुई हैं, जबकि जम्मू-कश्मीर में मार्च 2022 में सब-इंस्पेक्टर भर्ती घोटाला और 2017 में एसएससी संयुक्त स्नातक परीक्षा में गड़बड़ सामने आई हैं। ऐसे कई उदाहरण हैं, लेकिन प्रमुख रूप से, पश्चिम बंगाल में नवंबर 2022 में प्रारंभिक शिक्षा डिप्लोमा का पेपर लीक हुआ था। फरवरी 2023 में फिर से पश्चिम बंगाल में ही अंग्रेजी का पेपर लीक हुआ। पश्चिम बंगाल में स्कूल सेवा आयोग का पेपर भी लीक हुआ। दिसंबर 2022 में राजस्थान में शिक्षक भर्ती घोटाला उजागर हुआ, जबकि फरवरी 2022 में शिक्षकों के लिए राजस्थान पात्रता परीक्षा भी कदाचार से ग्रस्त हो गई और परीक्षा फिर से आयोजित करनी पड़ी। मई 2022 में राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल भर्ती परीक्षा घोटाले की भेंट चढ़ गई थी। गौरतलब है कि अब 2024-एनईईटी परीक्षा में धांधली होने के बारे में व्यापक शिकायतों और हाल ही में आयोजित विश्वविद्यालय अनुदान आयोग-राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (यूजीसी-नेट) का भी पेपर लीक शर्मनाक है। निहित स्वार्थ से प्रेरित इन कदाचार की घटनाओं ने एक बड़ा सवालिया निशान लगा युवाओं का भविष्य दांव पर लगा दिया है।

न्यायालय में जनहित याचिका

एनईईटी-2024 प्रवेश परीक्षा 5 मई 2024 को 4,750 केंद्रों पर 571 शहरों में (विदेश के 14 शहरों सहित) आयोजित की गई थी और इसमें लगभग 24 लाख अभ्यर्थियों ने भाग लिया था। इस परीक्षा के परिणाम 14 जून को घोषित होने की उम्मीद थी, लेकिन उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन पहले ही पूरा हो जाने के कारण परिणाम 4 जून को घोषित किए गए थे। सर्वोच्च न्यायालय ने विभिन्न उच्च न्यायालयों में एनईईटी-2024 विवाद से संबंधित कथित

लीक और कदाचार के सभी मामलों पर रोक लगा दी है और उन्हें सर्वोच्च न्यायालय में स्थानांतरित कर एक साथ सुनवाई कराने की बात कही है। याचिकाकर्ताओं का तर्क है कि राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी द्वारा 5 मई 2024 को आयोजित परीक्षा में कदाचार हुआ था, इसके के विभिन्न उदाहरण याचिकाकर्ता के संज्ञान में आए थे। परीक्षा में धांधली भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14 का उल्लंघन है, क्योंकि इसने कुछ उम्मीदवारों को दूसरों पर अनुचित लाभ दिया जिन्होंने निष्पक्ष तरीके से परीक्षा देने का विकल्प चुना। इस मामले में मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, न्यायाधीश जेबी पारदीवाला और न्यायाधीश मनोज मिश्रा की खंडपीठ ने जनहित याचिका पर सुनवाई कराने पर सहमति व्यक्त की है। सर्वोच्च न्यायालय ने करते हुए नोटिस जारी करते हुए 8 जुलाई 2024 तक जवाब मांगा है, जब मामले की अगली सुनवाई होगी। हालांकि, मुख्य न्यायाधीश ने इस बात पर बल देते हुए कहा कि अखिल भारतीय परीक्षा के परिणामों पर फिलहाल रोक नहीं लगाई जा सकती है और प्रवेश पर कोई भी निर्णय याचिका के समाधान पर निर्भर होगा। न्यायालय का सक्रिय रुख राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षाओं के संचालन में निष्पक्षता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम, 2024

इस अधिनियम का प्रस्ताव करने वाला विधेयक 5 फरवरी 2024 को लोकसभा में पेश किया गया था और अगले दिन 6 फरवरी 2024 को पारित हो गया था। 9 फरवरी को राज्यसभा ने भी विधेयक को पारित कर दिया। इसे 12 फरवरी को राष्ट्रपति की मंजूरी मिली और 21 जून 2024 को केंद्र सरकार ने आधिकारिक राजपत्र में इसे अधिसूचित किया। इस अधिनियम का उद्देश्य संघ और राज्य लोक सेवा आयोगों, कर्मचारी चयन आयोग, रेलवे - बैंकिंग भर्ती परीक्षाएं, मेडिकल, इंजीनियरिंग और विश्वविद्यालय कार्यक्रमों के लिए प्रवेश परीक्षाओं सहित राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी द्वारा आयोजित विभिन्न कंप्यूटर आधारित सार्वजनिक परीक्षाओं में धोखाधड़ी और अनियमितताओं पर अंकुश लगाना है। हालांकि, यह अधिनियम 21 जून 2024 से पहले की घटनाओं पर पूर्वव्यापी रूप से लागू नहीं होगा। इस अधिनियम में परीक्षा पत्र लीक करने के लिए जिम्मेदार लोगों के लिए न्यूनतम तीन साल की जेल का प्रावधान है, जिसे पाँच साल तक बढ़ाया जा सकता है। वहीं, संगठित सिंडिकेट के मामलों में दस साल की जेल का प्रावधान है। अधिनियम में सेवा प्रदाता कंपनियों की परीक्षाओं में कोई अनियमितता पाए जाने पर एक करोड़ तक के जुर्माने का प्रावधान है और परीक्षा की आनुपातिक लागत भी उससे वसूल की जाएगी। इसके अलावा दोषी पाए जाने पर ऐसी कंपनियों को चार साल के लिए सार्वजनिक परीक्षा आयोजित करने से प्रतिबंधित कर दिया जाएगा।

चिंता की बात

निःसंदेह इस कानून का उद्देश्य युवाओं की योग्यता की रक्षा कर उनका कल्याण करना है। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी इस साल बजट सत्र की शुरुआत में संसद की संयुक्त बैठक में अपने संबोधन में परीक्षाओं में अनियमितताओं के संबंध में चिंता व्यक्त की थी। लेकिन आज महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि भ्रष्ट आचरण के चलते कुछ बेईमान तत्व जो युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करते हैं, उनके आकांक्षाओं और आजीविका को नष्ट करते हैं और कभी-कभी घातक आत्महत्याओं का कारण बनते हैं, को उदाहरणात्मक, कठोरतम सार्वजनिक दण्ड निर्दोष-अभ्यर्थियों के लिए मरहम का काम कर सकता है? क्या इससे उन्हें अपने पोषित सपनों को पूरा करने में मदद मिल सकती है? क्या इससे उन्हें अपने खोए हुए अवसरों को पुनः प्राप्त करने में मदद मिल सकती है? क्या यह वह वैकल्पिक समाधान सिद्ध हो सकता हैं? यदि उपरोक्त सभी प्रश्नों का उत्तर "नहीं" है तो इस विषय पर गंभीर अंतर्निरीक्षण – आत्मनिरीक्षण की आवश्यकता है। जैसा 'भारत-भारती' में मर्मान्तिक वेदना का अनुभव करते हुए राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त ने लिखा था– हम कौन थे, क्या हो गए हैं, और क्या होंगे अभी। आओ विचारें आज मिलकर, यह समस्याएं सभी।

कश्मीर के भारतीयकरण में योगदान

बलिदान दिवस
डा. दयानंद कादयान
शिक्षाविद्

केंद्र सरकार द्वारा 5 अगस्त 2019 को संविधान की धारा 370 को खत्म कर दिया गया जो कश्मीर के भारतीयकरण पर सबसे बड़ी रुकावट थी। भारतवर्ष बेशक 15 अगस्त 1947 को आजाद हुआ हो पर भारत की अखंडता व संपूर्णता पर जम्मू-कश्मीर रूपी सवालिया निशान लटक रहा था। भारत के लिए स्वर्णिम घड़ी तब आई जब राज्यसभा में जम्मू कश्मीर पुनर्गठन एवं अधिनियम 2019 पारित किया गया। जिसमें जम्मू कश्मीर के ऊपर दो संविधान, दो प्रधान तथा दो निशान की कालिख को एक झटके में साफ कर दिया गया। इसके लिए आजादी के बाद लंबा संघर्ष हुआ था, जिसका नेतृत्व पंडित दीनदयाल उपाध्याय, बलराज मधोक, अटल बिहारी वाजपेई व वैद्य गुरुदत्त आदि ने किया था। परंतु इस गरिमामयी नेतृत्व श्रृंखला में पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी सबसे ऊपर दिखाई देते हैं।

भारतीयकरण के महानायक श्यामा प्रसाद मुखर्जी अपनी बुद्धि प्रतिभा से 33 वर्ष की उम्र में कोलकाता विश्वविद्यालय के कुलपति बन गए थे। विश्व का सबसे युवा उपकुलपति होने का श्यामा प्रसाद को ही गौरव प्राप्त है। वे कोलकाता विश्व विद्यालय के प्रतिनिधि के रूप में बंगाल की विधान परिषद के सदस्य भी चुने गए थे। पंडित जवाहरलाल नेहरू की अंतरिम सरकार में भी उद्योग एवं आपूर्ति मंत्री बने तथा संविधान निर्माण व क्रियान्वयन में अपना अनूठा योगदान दिया। 6 अप्रैल 1950 को उन्होंने नेहरू मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया और भारतीय जन संघ की स्थापना में जुट गए। गुरु गोलवलकर के परामर्श से 21 अक्टूबर 1951 को जनसंघ की स्थापना हुई थी। पहले आम चुनाव में वे सांसद निर्वाचित हुए और जम्मू कश्मीर के मुद्दे पर बड़ी जिम्मेदारी के साथ संसद में बोले थे। श्यामा प्रसाद मुखर्जी वीर सावरकर के जीवन दर्शन से भी बड़े प्रभावित थे।

सन 1937 में मुखर्जी आजाद उम्मीदवार के रूप में चुनाव जीतकर बंगाल विधानसभा में विरोधी दल के नेता बने थे। बाद में भी अखिल भारतीय हिंदू महासभा के सदस्य बने व अपने राजनीतिक प्रभाव का इस्तेमाल करके गठबंधन सरकार में वित्त मंत्री बने थे। सन 1942 में गठबंधन सरकार से त्यागपत्र देकर भारत छोड़ो आंदोलन में कूद पड़े थे। भारत छोड़ो आंदोलन के अग्रणी स्वतंत्रता सेनानियों में शुमार थे।

जम्मू कश्मीर पर पाकिस्तान व मुस्लिम लीग जैसे संगठनों ने अपने पासे आजादी के समय से ही फेंकने शुरू कर दिए थे। उसी समय पाक फौज व मुजाहिदों ने जम्मू कश्मीर पर जेहाद छेड़ दिया। मुजफ्फराबाद, मीरपुर और कोटली जैसे नगरों में हजारों हिंदुओं का सरेआम कत्ल कर

दिया गया। जिहादियों ने जुल्मों की सारी सीमाएं लांघ दी थीं। जम्मू कश्मीर के महाराजा हरि सिंह ने भारत से सहायता मांगी। परंतु पंडित जवाहरलाल नेहरू ने सत्ता शेख अब्दुल्ला को सौंपने की शर्त पर सहायता का प्रस्ताव स्वीकार किया। यहीं से भारतवर्ष में धरती के स्वर्ग कश्मीर का दुर्भाग्य का दौर शुरू हुआ था। भारत की सेना ने सैन्य कार्रवाई करते हुए मुजाहिदों व पाक सेना को खदेड़ दिया था।

जम्मू कश्मीर का मामला संयुक्त राष्ट्र संघ में चला गया था। पंडित नेहरू ने कश्मीर को भारत से अलग रखने वाले संविधान की धारा 370 को स्वीकार कर लिया था। धारा 370 की आड़ में पंडित नेहरू के चहेते शेख अब्दुल्ला जम्मू कश्मीर के स्वयंभू शासक बन गए। इस अनुच्छेद की आड़ में अलगाववादी ताकतें भारत में विरोधी विमर्श गढ़ने में जुट गई थी। अब्दुल्ला राज में जम्मू कश्मीर में प्रवेश के लिए परमिट का नियम लाया गया। मानो जम्मू कश्मीर भारत का कोई हिस्सा ही न हो। इसका परिणाम यह हुआ कि तिरंगा फहराने पर मेलाराम जैसे देशभक्तों पर गोली चला दी जाती थी। इस तुष्टिकरण की राजनीति का खामियाजा भारत ने 70 वर्षों तक झेला है। पंडित प्रेम नाथ डोगरा के नेतृत्व में प्रजा परिषद ने शेख की राष्ट्रवाद विरोधी इच्छाओं को सफल नहीं होने दिया था जबकि शेख अब्दुल्ला ने कश्मीर में अलग प्रधान, अलग विधान तथा अलग निशान का राग अलाप रखा था। नेहरू जी को शेख का सहयोग प्राप्त था। कम्युनिस्ट पार्टियां भी शेख का समर्थन कर रही थीं। शेख ने धारा 370 का फायदा सरेआम उठाना शुरू कर दिया। शेख अब्दुल्ला इतने भारतीयता के खिलाफ चले गए कि 1952 में एक खेल समारोह में नेशनल कांफ्रेंस का झंडा फहरा दिया गया था। इस पर कश्मीर के हजारों छात्रों ने सड़क पर उतरकर विरोध किया था। शेख सरकार की अलगाव- नीति की भारत के कोने-कोने में भर्त्सना की गई थी।

पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने 26 जून 1952 को संसद में कश्मीर का मामला उठाते हुए कहा था, 'शेख अब्दुल्ला मुस्लिम लीग की भारत विभाजन की पृथकतावादी नीतियों पर चलकर कश्मीर की अखंडता के लिए खतरा पैदा कर रहे हैं। वे राष्ट्रभक्ति के दल प्रजा परिषद तथा पंडित प्रेमनाथ डोगरा का उत्पीड़न करने पर उतरू हो गए हैं। वे धारा 370 के बल पर पृथक संविधान, पृथक निशान चाहते हैं। कश्मीर अलग झंडा व अलग संविधान लेकर स्वतंत्र गणराज्य बने, यह कदापि सहन नहीं किया जाएगा।' श्यामा प्रसाद ने नेहरू-लियाकत अली समझौते का भी प्रबल विरोध किया था। 1953 में नेहरू को पत्र लिखकर उनकी शेखपरस्ती के बारे में जनता को आगाह किया था।

डॉक्टर मुखर्जी ने 5 मार्च 1953 को समूचे भारत में कश्मीर दिवस मनाने का आह्वान किया था। कश्मीर की रक्षा के लिए मुखर्जी ने सत्याग्रह का भी बिगुल बजाया। 10000 से ज्यादा राष्ट्रभक्तों ने सत्याग्रह कर जम्मू-कश्मीर में एक विधान, एक प्रधान तथा एक निशान लागू करने की मांग करते हुए गिरफ्तार दी थी। मुखर्जी को राष्ट्र की श्रद्धांजलि।

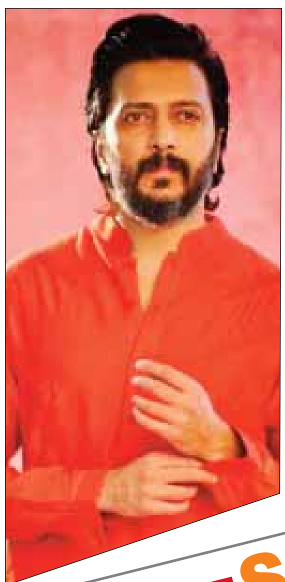

'पिल' से ओटीटी डेब्यू के लिए तैयार रितेश..

मुंबई। रितेश देशमुख फिल्मों के अलावा अब वेब सीरीज की दुनिया में भी किस्मत आजमाने जा रहे हैं। वे अब अपने ओटीटी डेब्यू के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। उन्होंने अपनी पहली वेब सीरीज 'पिल' की आधिकारिक घोषणा कर दी है। राज कुमार गुप्ता इस आगामी सीरीज के निर्देशक हैं। अभिनेता ने स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म जियो सिनेमा के साथ वेब सीरीज का आधिकारिक एलान किया। सीरीज के पोस्टर के साथ इसकी रिलीज की तारीख से भी पर्दा उठाया गया है। रिलीज की तारीख की घोषणा के अलावा स्ट्रीमिंग प्लटफॉर्म ने सीरीज से अभिनेता का पहला लुक भी जारी कर दिया है। यह सीरीज 12 जुलाई से जियो सिनेमा पर रिलीज होगी।

लाइफ Style

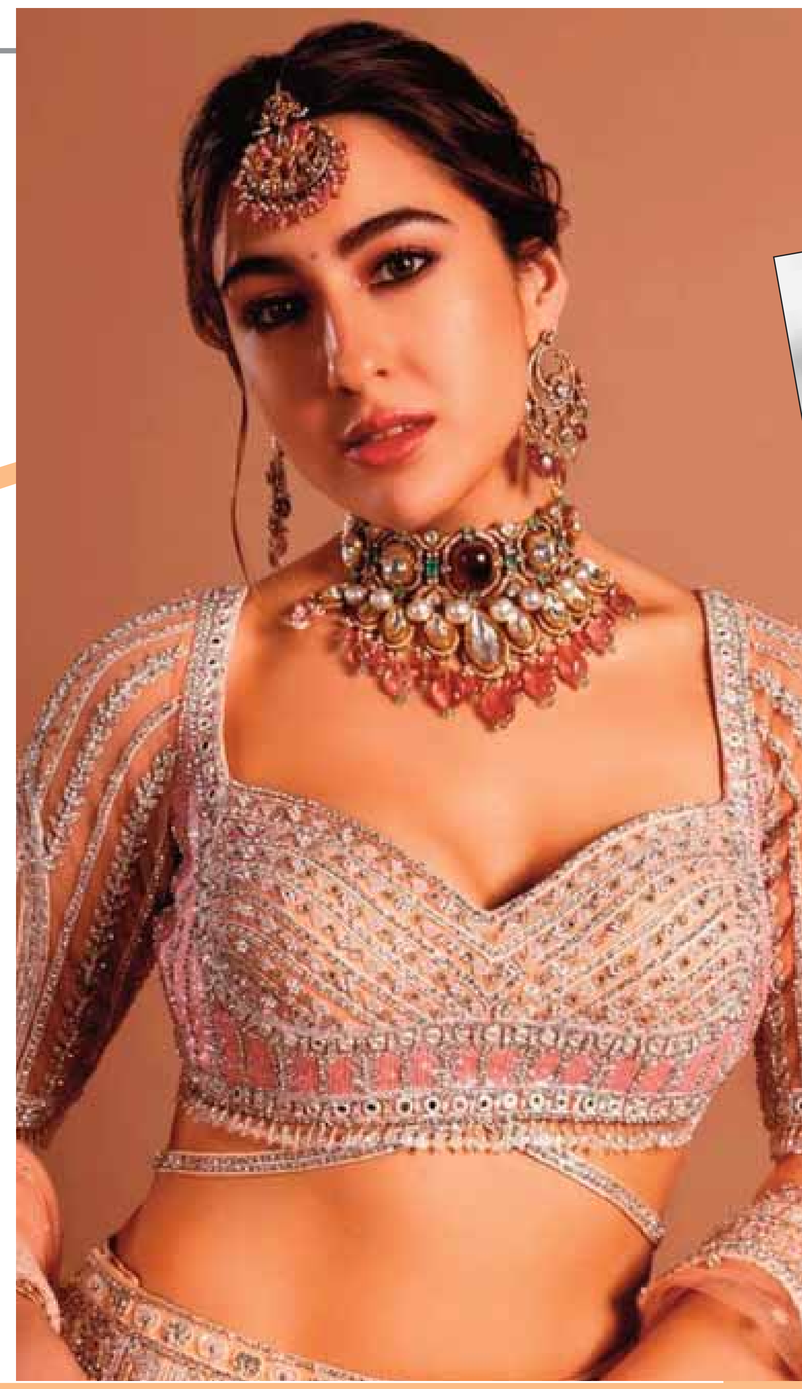

सारा 'अंबानी ने हमें रोटी के साथ सोना परोसा'

एजेंसी ▶▶ मुंबई

सारा अली खान ने जामनगर में हुए अंबानी की पार्टी के बारे में खुलासा किया है। एक साक्षात्कार में उन्होंने मार्च में अनंत और राधिका की प्री-वेडिंग पार्टी को याद किया और मजाक में कहा, 'वे सोना परोसते थे। जैसे हम रोटी के साथ सोना खाते थे। और हर जगह हीरे थे।'

सारा ने फिर स्पष्ट किया, 'यह एक बहुत अच्छा, प्यारा और मेहमाननवाज कार्यक्रम था। मैं अनंत के साथ स्कूल गई हूं। मैंने राधिका को बड़े होते हुए देखा गया है। मुझे लगता है कि पूरा अंबानी परिवार बहुत अच्छे से स्वागत करने वालों में से हैं और नीता मैडम धीरूबाई अंबानी स्कूल में मेरी चेयरपर्सन थीं।' सारा ने कहा, तीन दिवसीय कार्यक्रम के सबसे यादगार हिस्से को याद करते हुए कहा, 'मुझे लगता है कि मेरे लिए सबसे यादगार पल वह था, जब मैंने अनंत और राधिका को देखा। कागज पर हस्ताक्षर करना और एक-दूसरे को प्यार से देखना। उन्होंने आगे कहा, यह बहुत मजेदार था, यही कारण है कि मैं आपको विशेष पलों के बारे में बता रही हूं। हर किसी ने इसे एक अलग रूप में देखा, प्रत्येक अभिनेता ने क्या पहना है, इसकी समीक्षा की। अभिनेत्री ने आगे कहा, 'जब नीता मैम ने अनंत के लिए अपना भरतनाट्यम प्रदर्शन किया। डांस के दौरान उनकी आंखों में ममता देखने को मिला। मैं ग्रीन रिट्रीट नामक स्थान पर रह रही थी। वहां सबके लिए कॉफी थी। इसलिए मैं खूब कॉफी पी रही थी, लेकिन मैं ज्यादा नहीं खा रहा था क्योंकि मुझे प्रमोशन का हिस्सा बनना था और अच्छा दिखना था।'

हॉलीवुड मसाला

लांच किया पहला मुफ्त फास्ट चैनल

लॉस एंजिलिस। बानीजे राइट्स ने 'मिस्टर बीनः द एनिमेटेड सीरीज' को समर्पित एक फास्ट चैनल लॉन्च किया है। यह पहली बार दुनिया भर में मुफ्त विज्ञापन-समर्थित सेवाओं के लिए प्रतिष्ठित ब्रांड का विस्तार करता है। इस 24/7 फास्ट चैनल (फ्री एड-सपोर्टेड टेलीविजन) का शीर्षक मिस्टर बीन है। इस पर 'मिस्टर बीनः द एनिमेटेड सीरीज' के पहले तीन सीजन शामिल होंगे। यह सैमसंग टीवी प्लस, एलजी, प्लेक्स, राकुटेन टीवी और टीसीएल पर 29 क्षेत्रों में उपलब्ध होगा।

ब्रैड 61 की उम्र में फिर बनना चाहते हैं पिता

लॉस एंजिलिस। हॉलीवुड स्टार ब्रैड पिट 61 साल के हैं और उनके 6 बच्चे हैं पर दोबारा पिता बनना चाहते हैं। ब्रैड पिट चाहते हैं कि वह और उनकी गर्लफ्रेंड आइन्स और बच्चों के पैरेंट्स बनें। ब्रैड पिट और एंजेलिना के तलाक के बाद से उनके बच्चों के साथ रिश्ते बिगड़ गए। मालूम हो कि 61 वर्षीय स्टार ब्रैड पिट के बच्चों की उम्र 15 से लेकर 22 साल के बीच है। लेकिन साल 2019 में एंजेलिना जॉली संग तलाक के बाद से ही बच्चों और उनके बीच टेंशन चल रही है। दोनों बेटों पैक्स और मैडॉक्स के साथ उनका खूब विवाद हुआ और रिश्ते खराब हो गए। सोर्स के मुताबिक, एंजेलिना जॉली के साथ बिगड़े रिश्तों और विवाद के कारण ब्रैड पिट जूलरी डिजाइनर आइन्स के करीब आ गए। एंजेलिना और उनका तलाक साल 2019 में हुआ था, जबकि शादी 2014 में की थी।

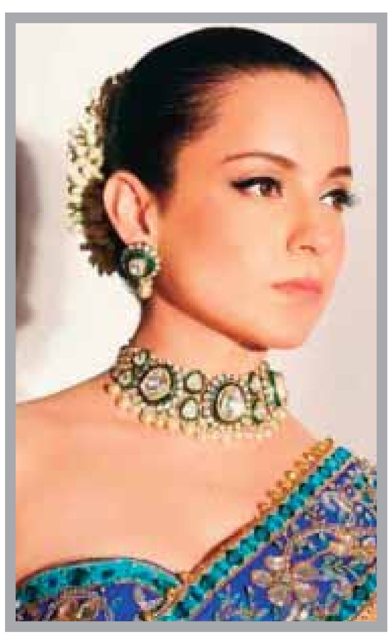

आलोचना करने वालों से पूछे सवाल...

मुंबई। कंगना रणौत ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक लंबा नोट लिखकर साझा किया है। इसमें उन्होंने ताकतवर महिलाओं के प्रति पुरुषों के नजरिए पर बात की है। कंगना का कहना है कि अपने आसपास सक्षम और पावरफुल महिलाओं को देख पुरुष एक धारणा बनाकर चलते हैं। इस कड़ी में उन्होंने चार सवाल पूछे हैं। कंगना ने पहला सवाल पूछा है, 'क्या हम महिलाओं से हमेशा विनम्र होने की उम्मीद करते हैं? दूसरा सवाल किया है, 'अगर महिलाएं अपनी भावनाओं से ऊपर उठकर कुछ फैसले लेने में सक्षम है तो क्या हम उन्हें जज करते हैं? तीसरा सवाल है, 'क्या यह भी सच है कि अगर किसी महिला का बाहरी रूप या व्यवहार कठोर है तो पुरुष उससे प्रतिस्पर्धा करना शुरू कर देते हैं, लेकिन यदि वह सहज है तो वे उसमें अवसर तलाशने लगते हैं।

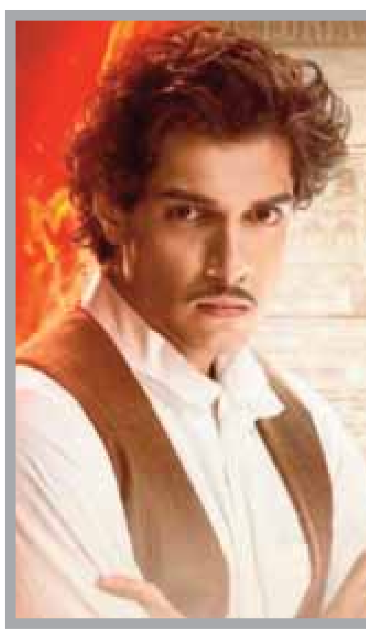

पहली ही फिल्म में छा गए जुनैद

मुंबई। आमिर खान के बेटे जुनैद खान की डेब्यू फिल्म 'महाराज' शुक्रवार 21 जून को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो चुकी है। यह फिल्म पहले 14 जून को रिलीज होनी थी, लेकिन गुजरात हाईकोर्ट की रोक के बाद रिलीज नहीं हो पाई। शुक्रवार को कोर्ट ने हरी झंडी दे दी और साथ ही कहा कि इसमें कुछ भी आपत्तिजनक नहीं है। यश राज फिल्म्स के बैनर तले बनी इस फिल्म में जुनैद खान के अलावा जयदीप अहलावत, शालिनी पांडे और शरवरी वाघ आदि कलाकार भी हैं। फिल्म धर्म के ठेकेदार बने एक अधर्मी बाबा पर बनी है, जिसकी पोल एक पत्रकार करसनदास मुलजी ने खोली। जुनैद पत्रकार करसनदास की भूमिका में हैं। फिल्म देखने के बाद दर्शक जुनैद के अभिनय की जमकर तारीफ कर रहे हैं। पहली ही फिल्म से जुनैद ने दिल जीत लिया है।

टीवी मसाला

बिग बॉस में आते ही छलका रणवीर का दर्द

नई दिल्ली। बिग बॉस ओटीटी 3 के घर में अभिनेता रणवीर शौरी ने भी एंट्री मारी है। रणवीर बॉलीवुड में करीब 25 साल से काम कर रहे हैं। ऐसे में शो का नया प्रोमो सामने आया है, जिसमें वो अपने डूबते करियर को लेकर बात करते नजर आ रहे हैं। बिग बॉस ओटीटी 3 के लाइव फीड में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर शिवानी कुमारी, रणवीर शौरी से बात करती नजर आ रही हैं। शिवानी, रणवीर को देखकर पहचान नहीं पाईं कि वो एक एक्टर हैं। शिवानी रणवीर से पूछती हैं कि वो कौन हैं और क्या काम करते हैं। शिवानी की बात सुनकर रणवीर को न ही बुरा लगा न गुस्सा आया। उन्होंने बड़ी ही शालीनता से शिवानी के सवालों का जवाब देते हुए बताया कि वो फिल्मों में एक्टिंग करते हैं। इसके बाद रणवीर शौरी ने शिवानी कुमारी से अपना दर्द बयां किया। उन्होंने शिवानी से कहा कि उन्हें काम नहीं मिल रहा है। रणवीर ने बताया, 'मैं एक एक्टर हूं और पहली बार मैंने साल 1999 में पहली फिल्म की थी।' इसके बाद शिवानी पूछती हैं कि आप क्या बनते हैं हीरो या विलन। इस पर रणवीर ने कहा कि जो भी काम मिल जाए। शिवानी कहती हैं कि काम कैसा चल रहा है। ये सुनते रणवीर कहते हैं कि काम अच्छा चल रहा होता तो मैं यहां नहीं होता।

संगीत में झनक करेगी मुजरा, अनिरुद्ध अपने प्यार के लिए लेगा स्टैंड?

नई दिल्ली। स्टार प्लस का सीरियल झनक हर एपिसोड के साथ दिलचस्प होता जा रहा है। अनिरुद्ध झनक से प्यार करता है, लेकिन फिर भी अर्शी से शादी करने जा रहा है। इधर झनक भी अनिरुद्ध को बेहद प्यार करती है, लेकिन वो अपने प्यार का इजहार करने से डर रही है। बोस परिवार में खुशी का माहौल है। अर्शी और अनिरुद्ध के संगीत का फंक्शन हो रहा है, लेकिन बिपाशा झनक को सबके सामने बेइज्जत करने का प्लान बनाए बैठी है। अब देखना होगा कि क्या अनिरुद्ध झनक के लिए लेगा स्टैंड? झनक अनिरुद्ध और अर्शी के संगीत में सबके सामने मुजरा करेगी। झनक का डांस देखकर महफिल में लोग उससे इम्प्रेस हो जाएंगे, लेकिन बिपाशा उसकी बेइज्जती करेगी।

ट्विंकल खन्ना ने की बॉबी देओल के काम की सराहना...

नई दिल्ली। बॉबी देओल ने लंबे समय के बाद जब पर्दे पर वापसी की तो सभी को हैरान कर दिया। अभिनेता ने अपने अभिनय और कौशल के दम पर खूब सराहना बटोरी। अब उनके काम की तारीफ अभिनेत्री ट्विंकल खन्ना ने की है। दरअसल, ट्विंकल खन्ना ने बॉलीवुड में अपना डेब्यू साल 1995 में आई फिल्म 'बरसात' से किया था। ट्विंकल ने बॉबी के साथ हाल ही में मुलाकात की, जिसके बाद उन्होंने अपनी दो तस्वीरें पोस्ट की और लिखा कि वह बॉबी देओल के प्रदर्शन से रोमांचित हैं। अभिनेत्री से लेखिका बनी ट्विंकल खन्ना ने बॉबी देओल के साथ अपनी हालिया मुलाकात की कुछ तस्वीरें साझा की हैं। उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'आज और कल, सिर्फ पिंकी मौसी ही उनकी प्रशंसक नहीं हैं, उन्हें अच्छा करते हुए देखकर मैं भी काफी रोमांचित हूं। पुरानी यादों का स्वाद मीठा होता है। एक-दूसरे से मिलकर मजा आया कि हम पहले कैसे हुआ करते थे। आपको ये देखकर क्या याद आता है और क्यों? मुझे कमेंट में बताएं।' बता दें कि बॉबी देओल और अक्षय कुमार अच्छे दोस्त हैं और उन्होंने 'अजनबी', 'थैंक यू' और 'हाउसफुल 4' जैसी कई फिल्में साथ में की है। बॉबी देओल ने रणबीर कपूर की फिल्म 'एनिमल' से शानदार वापसी की। उनकी अदाकारी ने लोगों को हिला के रख दिया। इससे पहले उन्हें वेब सीरीज 'आश्रम' में देखा गया था, वहां भी उनके किरदार को काफी सराहा गया था।

सिंगर असीस ने बेटे को दिया जन्म

नई दिल्ली। 'रातां लम्बियां' की गायिका असीस कौर और उनके पति गोल्डी सोहेल इस समय सातवें आसमान पर हैं। शादी के बंधन में बंधने के करीब एक साल बाद इस जोड़े ने अपने पहले बच्चे का स्वागत किया है। इस खबर की खुशी दोगुनी है, क्योंकि वे विश्व संगीत दिवस के शुभ अवसर पर माता-पिता बने हैं। सोशल मीडिया पर सभी सिंगर को ढेर सारी शुभकामनाएं दे रहे हैं। 21 जून को असीस कौर और उनके पति गोल्डी सोहेल ने अपने जीवन की सबसे खास खबर साझा करने के लिए अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक पोस्ट किया। जोड़े ने अपनी एक प्यारी सी तस्वीर साझा की। तस्वीर में, 'अख लड़ जावे' गायिका अपने पति की गोद में सिर रखे हुए दिखाई दे रही हैं। इस बीच, उनके पति गायिका के हाथों में पकड़े गए छोटे जूतों को बड़े प्यार से देख रहे हैं। पीले रंग की ड्रेस पहने, असीस की प्रेग्नेंसी ग्लो को अनदेखा नहीं किया जा सकता है, जबकि वह तस्वीर में अपना बेबी बंप दिखा रही हैं। कपल ने कैप्शन में लिखा, 'वाहेगुरु तेरा शुक्र है, अपार खुशी और कृतज्ञता के साथ, हम विश्व संगीत दिवस पर अपने प्यारे बच्चे के जन्म की घोषणा करते हैं! इस विशेष दिन ने हमें हमारे जीवन की सिम्फनी में सबसे मधुर नोट से नवाजा है। हमारे दिल प्यार, खुशी और कृतज्ञता से भर गए हैं।' गौरतलब है कि 18 जून को असीस और गोल्डी ने अपनी पहली शादी की सालगिरह मनाई। एक पोस्ट में, कपल ने इस खास मौके को यादगार बनाने के लिए रोमांटिक तस्वीरों की एक सीरीज शेयर की।

बतौर डांसर व मेजबान टीवी पर काम करने के बाद राघव ने फिल्मों में कदम रखा

इन कलाकारों ने बतौर डांसर शुरू किया था करियर, अदाकारी से भी मनवाया लोहा

नई दिल्ली। भारतीय सिनेमा का इतिहास 100 साल से भी ज्यादा पुराना है। इस दौरान एक से बढ़ कर एक कलाकारों ने फिल्मी पर्दे पर अपना जलवा बिखेरा। कई ऐसे भी कलाकार हुए, जिन्होंने अपना फिल्मी सफर एक अभिनेता के तौर पर शुरू भी नहीं किया था, लेकिन बाद में वह एक बेहतरीन अभिनेता बन गए। आज हम बात करने वालें हैं, ऐसे कलाकारों के बारे में, जिन्होंने बतौर डांसर अपने करियर की शुरुआत की और खूब नाम भी कमाया। इसके बाद जब वह बतौर अभिनेता पर्दे पर आए, तो वहां भी उन्हें दर्शकों से काफी प्यार और सराहना मिली।

प्रभुदेवा : इस कड़ी में सबसे बड़ा और ताजा नाम हैं प्रभुदेवा का। उन्होंने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत बतौर डांसर और कोरियोग्राफर की थी। आज वह देश के जाने-माने कोरियोग्राफर, फिल्म निर्देशक और अभिनेता हैं। उन्हें विभिन्न प्रकार के डांस मे महारत हासिल है। देश भर में सभी डांसर्स इनका काफी सम्मान करते हैं और अपने लिए प्रेरणास्त्रोत मानते हैं। उन्होंने सबसे पहले साल 1989 में रिलीज हुई कमल हासन अभिनीत फिल्म 'वेत्री विझा' फिल्म में बतौर कोरियोग्राफर काम किया था। इसके पहले वह एक दो फिल्म के कुछ सीन्स में दिखे थे। बैकग्राउंड डांसर के तौर पर उन्होंने साल 1988 में आई तमिल फिल्म 'अग्नि नटचथिरम' में काम किया था। इसके बाद वह लगातार बतौर कोरियोग्राफर काम करते रहे और उन्होंने अपना एक खास मुकाम बना लिया। कोरियोग्राफी में बेहतरीन योगदान देने के लिए उन्हें साल 2019 में पद्मश्री के सम्मान से नवाजा गया। कोरियोग्राफी के बाद वह पहली बार बतौर मुख्य अभिनेता वह साल 1994 में आई फिल्म 'इंदू' में नजर आए। इसके बाद उन्होंने कई फिल्मों में काम किया और एक अभिनेता के रूप में भी खुद की एक पहचान बनाई। एक बार फिर वह अपनी आगामी फिल्म को लेकर चर्चा में हैं। वह अभिनेता विजय थालापति के साथ आगामी फिल्म 'गोट' यानी ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम मे नजर आने वाले हैं।

राघव जुयाल : राघव जुयाल टीवी जगत के काफी मशहूर कलाकार हैं। उन्हें बतौर डांसर, मेजबान, अभिनेता जाना जाता है। राघव टीवी की दुनिया में पहली बार डांस आधारित शो 'डांस इंडिया डांस' में नजर आए थे। शो पर उनकी विशेष शैली वाली डांस और उनका चुलबुला अंदाज काफी पसंद किया गया। इस शो के बाद वह कुछ और डांस पर आधारित शोज में बतौर मेजबान नजर आए। उन्होंने 'डांस प्लस' जैसे शो के कई सीजन की मेजबानी भी की। इसके अलावा उन्होंने 'दिल है हिंदुस्तानी' के दूसरे सीजन की मेजबानी भी की। बतौर डांसर और मेजबान टीवी पर काम करने के बाद राघव ने फिल्मों में कदम रखा। उन्होंने 'सोनाली केबल', 'एबीसीडी 2', 'नवाबजादे', 'स्ट्रीट डांसर', 'बहुत हुआ सम्मान', 'किसी का भाई किसी की जान' जैसी फिल्मों में अपनी अदाकारी की छाप छोड़ी। इस वक्त वह अपनी आगामी फिल्म 'किल' को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में वह विलेन की भूमिका में नजर आने वाले हैं। उन्हें इस किरदार के लिए काफी तारीफें मिल रही हैं।

काजल अग्रवाल : अभिनेत्री काजल एक जानी-पहचानी अभिनेत्री हैं। उन्होंने साल 2004 की बॉलीवुड फिल्म 'क्यूं हो गया ना' से फिल्मों में डब्यू किया था। काजल ने इस फिल्म में ऐश्वर्या राय की छोटी बहन का रोल निभाया था, जिसपर दर्शकों का ज्यादा ध्यान नहीं गया। हालांकि, इसके बाद भी उन्होने हार नहीं मानी और अपनी मेहनत की बदौलत एक मशहूर अभिनेत्री बनीं। उन्होंने अपने करियर में कई बेहतरीन फिल्में की हैं। एक समय पर वह दक्षिण भारतीय फिल्मों में शीर्ष अभिनेत्रियों में शामिल थीं। हाल में ही वह फिल्म 'सत्यभामा' में नजर आई थीं, इस फिल्म में उन्होंने पुलिस ऑफिसर का किरदार निभाया था। काजल अभिनेत्री बनने से पहले एक बैकग्राउंड डांसर के तौर पर काम करती थीं।

धर्मेश येलांडे : धर्मेश येलांडे आज एक मशहूर डांसर, कोरियोग्राफर और अभिनेता के तौर पर जाने जाते हैं। वह टीवी पर सबसे पहले साल 2010 में 'डांस इंडिया डांस' शो में नजर आए थे। इस शो की वजह से वह बतौर डांसर काफी मशहूर हो गए। इसके बाद उन्होंने 'डांस इंडिया डांस लिटिल मास्टर्स' और 'डांस के सुपरस्टार्स' में भी भाग लिया। उन्हें मशहूर कोरियोग्राफर सह निर्देशक फराह खान ने अपनी फिल्म 'तीस मार खान' के लिए धर्मेश को बतौर कोरियोग्राफर काम दिया था। इसके बाद उन्होंने कई और डांस पर आधारित शा में काम किया। टीवी के बाद उन्होंने फिल्मों में भी बतौर अभिनेता अपने करियर की शुरुआत की। वह साल 2013 की डांस आधारित फिल्म 'एबीसीडी' से अभिनय में कदम रखा। इसके बाद उन्होंने कई और फिलमों में काम किया। 'बैंजो', 'नवाबजादे', 'सफलता 0 किमी' आदि फिल्मों में उनके अभिनय की सराहना भी की गई ।

खबर संक्षेप

हादसे में घायल एक बहन की मौत, दूसरे का पैर टूटा

कटनी। हादसे में दो बहनें गंभीर रूप से घायल हो गई। दोनो को उपचार के लिए बरही अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां एक की मौत हो गई, जबकि दूसरी बहन के पैर की हड्डी टूट गई। यह घटना तहसील मुख्यालय बरही से 15 किलोमीटर दूर उमरिया जिले के इंदवार थानाक्षेत्र के अमरपुर चौकी अंतर्गत ग्राम चिल्हारी की है। शनिवार को बरही पुलिस ने मृतका का पंचनामा कार्यवाही एवं पोस्टमार्टम उपरान्त शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया है। जानकारी के मुताबिक ग्राम चिल्हारी निवासी नंचु काछी पति कनछेदी 45 वर्ष, विमला पति हेतराम काछी 40 वर्ष दोनों सगी बहने एवं देवरानी-जेठानी है। दोनों शुक्रवार की सांय करीब साढ़े 7 बजे खेत से घर लौट रही थी, तभी गांव के डामर प्लांट के पास बाइक की जोरदार ठोकर लगी। दोनों बहनें घायल हो गई, जिन्हें इलाज के लिए बरही अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां नंचु काछी की दर्दनाक मौत हो गई, तो वही घायल दूसरी बहन का पैर टूटने के चलते बेहतर इलाज के लिए कटनी रेफर कर दिया गया। बताया गया है कि लापरवाह बाइक चालक को पकड़कर ग्रामीणों ने अमरपुर चौकी पुलिस के हवाले कर दिया है।

15 महीने से फरार युवक को किया गिरफ्तार

कटनी। वन्यप्राणी पेंगुलिन की तस्करी में लंबे समय से फरार एक आरोपित को ग्राम महनेर से गिरफ्तार किया गया है। स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स मध्यप्रदेश (एसटीएसएफ) क्षेत्रीय इकाई जबलपुर एवं वनमंडल कटनी के द्वारा मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर संयुक्त रूप से कार्यवाही की। ग्राम मनहेर से प्रहलाद सिंह पिता बहादुर सिंह को गिरफ्तार किया गया। आरोपी के विरूद्ध वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम 1972 की विभिन्न धाराओं के तहत स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स इकाई जबलपुर के द्वारा वन अपराध प्रकरण में वन्यप्राणी पेंगोलिन की तस्करी के संबंध में पंजीबद्ध किया गया था। उल्लेखनीय है कि विगत 01 वर्ष 03 माह से उक्त आरोपी फरार था जिसे स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स द्वारा पकडने के लिये लगातार प्रयास किये जा रहे थे। आरोपी को सीजेएम न्यायालय जबलपुर में पेश किया जायेगा। प्रकरण में पूर्व में 07 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है।

खेत जाने के लिए निकले युवक की मिली लाश

कटनी। घर से खेत जाने निकले युवक का शव मिलने से सनसनी मच गई। मामला स्लीमनाबाद थाना अंतर्गत गुदरी गाँव का है। जानकारी के अनुसार गुदरी गाँव निवासी फूलचंद आदिवासी 30 वर्ष घर से खेत जाने गुरुवार रात को निकला था। सुबह ग्रामीणों ने एक शव उसके खेत के पास गढ्ढे में पड़ा देखा। ग्रामीणों ने शव देख उसकी पहचान फूलचंद आदिवासी के रूप में की गई। सूचना पर पहुँची पुलिस ने शव को अपने संरक्षण में लेते हुए पंचनामा कार्यवाही कर शव को पीएम के लिए जिला अस्पताल भेजा और घटना को जांच में लिया है। फूलचंद के परिजनों ने आरोप लगाया है कि उसकी हत्या कर शव खेत पास गढ्ढे में फेंका गया है। पुलिस घटना की जांच कर रही है।

अलग अलग हादसों में दो युवकों की मौत

कटनी। अलग अलग सड़क हादसों में दो लोगों की मौत हो गई है। हादसे बरही थाना व बड़वारा थाना क्षेत्र में हुए। जानकारी के अनुसार बहिरघटा मोड़ के पास सोनू पटेल पिता सुरेश कुर्मी पटेल 20 निवासी बहिरघटा की सड़क हादसे का शिकार हो गया। गंभीर हालत में उसे उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया जहां इलाज के दौरान मौत हो गई है। इसी प्रकार बड़वारा थाना क्षेत्र अंतर्गत शिव रतन गोड़ पिता विशम्बर गोड़ 30 निवासी हरदुआ थाना ढीमरखेड़ा की सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गया। युवक को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। दोनो ही मामले में सूचना मिलने पर पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया। मर्ग कायम कर मामले को जांच में लिया है।

खेती किसानी के लिए होता है अमृत, गर्मी और उमस से भी मिलती है निजात

कई बीमारियों की खेप लेकर पहुंचता है बारिश का मौसम, बरतें सावधानी

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

बारिश का मौसम वैसे तो सभी को भाता है, बरसात का मौसम जहां खेती-किसानी के लिए अमृत समान होता है वहीं दूसरी ओर यह मौसम लोगों के लिए बीमारियों की सौगात लेकर भी पहुंचता है। बारिश के कारण जगह जगह जल जमाव हो जाता है। आबादी क्षेत्र में जलभराव की स्थिति, जल निकासी की व्यवस्था न होने के कारण मच्छर पनपने लगते हैं। यदि साफ पानी का जमाव है तो भी और गंदे पानी का जमाव तो पहले से नुकसानदेह है। पानी में ही डेंगू और चिकनगुनिया जैसी जानलेवा बीमारी फैलाने वाले मच्छर पनपते हैं।

कड़ी धूप, उमस भरी गर्मी से एक ओर जहां मानसून की बारिश निजात दिलाती है वहीं दूसरी ओर इस मौसम में कई जलजनित बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। खासकर बारिश की पानी से जलजमाव होने के कारण बीमारियां दस्तक देती है। ऐसे में जरूरी है कि इन बरसाती बीमारियों से बचने के लिए हम सावधानी बरतें। खासकर बदलते मौसम एवं बारिश में खान-पान, शुद्ध पेयजल पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। इस मौसम में बच्चों पर भी विशेष निगरानी एवं उसके रहन-सहन पर ध्यान देने की आवश्यकता है। ताकि उन्हें जलजनित बीमारियों से बचाया जा सकता है।

चिकित्सकों के अनुसार बरसात के मौसम में डायरिया और पेचिस जैसे रोगों से बच्चे अधिक पीड़ति होते हैं। इस मौसम में जलजनित रोगों से बचने के लिए बच्चों पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। साथ ही ताजा भोजन, शुद्ध पानी का सेवन करना चाहिए। दूषित पानी व भोजन से पूरी तरह परहेज करना चाहिए।

बच्चों का रखें विशेष ध्यान

डाक्टरों का कहना है कि बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होती है। इस वजह से बच्चे इसके ज्यादा शिकार बन जाते हैं। बारिश में लगातार भीगने के कारण कई बच्चों को निमोनिया भी हो जाता है। सांस लेने में परेशानी होने लगती है। ऐसा होने पर डाक्टरों से तुरंत सलाह लेनी चाहिए। डॉक्टरों के अनुसार बच्चों को बारिश से बचाना बहुत जरूरी होता है।

चिकित्सकों का कहना है कि बरसात के इस मौसम में जांडिस, डायरिया, लेप्टोस्पाइरोसिस आदि बीमारी की संभावना काफी बढ़ जाती है। इन बीमारियों से बचाव के लिए इनके लक्षणों को भी जानना जरूरी है। जांडिस के लक्षणों में त्वचा पीला पड़ना, आंखे सफेद, भूख कम लगना, तेज बुखार, पेशाब गाढ़ा, सिरदर्द, कब्ज, लीवर में दर्द। इसके कारण- दूषित पानी के पीने से यह बीमारी हो सकती है। इसके चलते लीवर में जलन और पथरी की समस्या पैदा कर सकता है। अनुचित भोजन भी बड़ा कारक है। वहीं डायरिया होने पर पेट दर्द, मितली आना, तेज बुखार, भूख न लगना, पतली दस्त की शिकायत होती है। इसके मुख्य कारण दूषित पानी का सेवन तथा वाइरल संक्रमण है।

निराश्रित गौवंश के प्रबंधन संबंधी बैठक 28 जून को

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

कलेक्टर अवि प्रसाद की अध्यक्षता में जिले के राजमार्गों एवं सड़कों पर मौजूद निराश्रित गौवंश के प्रबंधन तथा वर्ष 2024-25 के प्रथम त्रैमास (अप्रैल से जून 2024) की अनुदान राशि गौशालाओं में उपलब्ध गौवंश के भरण पोषण हेतु गौशालावार गौवंश की जानकारी को मध्यप्रदेश .गौसंवर्धन बोर्ड के बेब पोर्टल पर डाटा पृविष्टि की जानी है। इस संबंध में 28 जून को शाम 4 बजे से कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में बैठक आयोजित की गयी है।

बैठक में पहुंचने अपील

समिति के सचिव एवं उप संचालक पशुपालन एवं डेयरी विभाग डॉ आर.के.सिंह ने आयोजित बैठक में अध्यक्ष कृषि स्थायी समिति, मनोनीत उपाध्यक्ष गिरधारी लाल शर्मा, शास्त्री कालोनी, मनोनीत अशासकीय सदस्य राहुल दुबे, जुहली मडई गाँव, अमिता श्रीवास पंकज आरख सहित पुलिस अधीक्षक, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत, वन मण्डलाधिकारी, वन विभाग, उप संचालक, पशुपालन एवं डेयरी विभाग, आयुक्त, नगर निगम, उप संचालक कृषि, सचिव मंडी बोर्ड, प्रबंधक ऊर्जा विकास निगम जबलपुर एवं प्रबंधक, दयोदय पशु सेवा केन्द्र, कैलवारा, कटनी, माँ शारदा गौशाला एवं पर्यावरण समिति, जमुआनीकलों, नंद गौशाला समिति, ग्राम-ताली रोहनिया, ग्रा०पं०-कुठियामहगयों, तहसील बरही से आयोजित बैठक में उपस्थित होने की अपील की है।

पोर्टल में होगा अपलोड

उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश शासन, पशु पालन एवं डेयरी विभाग द्वारा राजमार्गों एवं सड़कों पर मौजूद निराश्रित गौवंश के प्रबंधन के संबंध में जारी निर्देशों के परिपालन एवं म०प्र० गौसंवर्धन बोर्ड, भोपाल द्वारा मुख्यमंत्री गौसेवा योजना, पंजीकृत अशासकीय स्वयंसेवी संस्थाओं को वर्ष 2024-25 के प्रथम त्रैमास (अप्रैल, मई एवं जून 2024) की अनुदान राशि गौशालाओं में उपलब्ध गौवंश के भरण पोषण हेतु गौशालावार गौवंश की जानकारी म.प्र. गौ संवर्धन बोर्ड के वेब पोर्टल पर जिला गौपालन एवं पशुधन संवर्धन समिति कटनी की अनुशंसा के उपरांत अपलोड किया जाना है।

दो पालियों में हुई परीक्षा, उड़नदस्ता टीम ने किया निरीक्षण

तिलक स्नातकोत्तर महाविद्यालय में हुई परीक्षा में 666 परीक्षार्थी शामिल

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

रानी दुर्गावती विश्विद्यालय जबलपुर के द्वारा आयोजित बीएड द्वितीय सेमेस्टर की संचालित परीक्षा का निरीक्षण उड़नदस्ते की टीम द्वारा शासकीय तिलक स्नातकोत्तर महाविद्यालय कटनी में किया गया। इस उड़नदस्ते टीम के संयोजक डॉक्टर व्ही के द्विवेदी, समिति सदस्य डॉक्टर आरके गुप्ता डॉक्टर सरदार दिवाकर द्वारा आयोजित परीक्षा का निरीक्षण किया गया। आरडीवीवी, जबलपुर के द्वारा आयोजित बीएड द्वितीय सत्र की परीक्षा कटनी के शासकीय तिलक स्नातकोत्तर महाविद्यालय में संचालित हो रही हैं। उड़नदस्ते के टीम ने बताया कि इस परीक्षा में कुल 671 परीक्षार्थी में से 666 परीक्षार्थी शामिल हुए हैं और 5 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहें हैं। बीएड द्वितीय सत्र की परीक्षा सुबह की पाली 7 से 10 बजे में आयोजित हो रही हैं।

उड़नदस्ते की टीम ने आज निरीक्षण करते हुए विद्यार्थियों को परीक्षा केंद्र मैं समय पर उपस्थित होकर परीक्षा देने, परीक्षा कक्ष में किसी भी प्रकार की नकल सामग्री को न लानें अन्यथा की स्थिति मे यूएफएम होने पर परीक्षार्थी को नुकसान होनें के संबंध मे जानकारी दी। उड़नदस्ते की टीम ने सभी परीक्षार्थीयों से कहा कि समय के प्रबंधन के साथ पढ़ाई करके अपने भविष्य को बेहतर बनाएं। प्रोफेसर व्ही के द्विवेदी ने कहा कि बीएड की परीक्षा में शामिल होने वाले सभी परीक्षार्थी भविष्य के शिक्षक है और हम लोग उम्मीद करते हैं कि ये सभी लोग शिक्षक के रूप में राष्ट्र निर्माण में अपना बहुमूल्य सहयोग भी आने वाले समय में प्रदान करेंगे। वरिष्ठ केंद्र अधीक्षक प्राचार्य डॉ एस के खरे ने कहा कि शासकीय तिलक स्नातकोत्तर महाविद्यालय कटनी में आयोजित परीक्षाएं शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं व्यवस्थित रूप से संपन्न कराई जा रही हैं। डॉ एस के खरे ने कहा कि तिलक महाविद्यालय का यही प्रयास होता है कि परीक्षा का संचालन व्यवस्थित रूप से हो और परीक्षार्थियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हों। इस अवसर पर तिलक महाविद्यालय के सुबह की पाली के केंद्र अधीक्षक डॉ रुक्मणि प्रताप सिंह, सहायक केंद्र अधीक्षक श्री आनंद प्रताप सिंह, स्थाई वीक्षक डॉ विजय कुमार और परीक्षा को सुचारू रूप से संपन्न कराने में शामिल मनीष मिश्रा, शुभम रैकवार, सुभाष सोंधिया, कालूराम केवट और रामगोपाल भी मौजूद रहें।

योग दिवस पर 500 एनसीसी छात्रों ने लिया भाग

पीएम केंद्रीय विद्यालय एनकेजे कटनी में 4 एमपी स्वतंत्र कंपनी एनसीसी की तरफ से संयुक्त योग दिवस मनाया गया जिसमें कटनी जिले के विभिन्न महाविद्यालयों एवं विद्यालयों से आए लगभग 500 एनसीसी कैडेटस एवम छात्रों-छात्राओं ने योग दिवस में भाग लिया एवं योग के महत्व को समझा केंद्रीय विद्यालय की कैडेट शेफाली सिंह ने अपने दैनिक जीवन में योग के महत्व के बारे में बताया साथ ही नियमित योग से होने वाले लाभ के बारे में बताया कार्यक्रम में उपस्थिति कार्यक्रम में डॉक्टर नवल किशोर पचौरी प्राचार्य केंद्रीय विद्यालय एनकेजे कटनी , लेफ्टिनेंट कर्नल विनोद सिंह, जेसीओ मेला राम ,मेजर सरदार दिवाकर ,थर्ड ऑफिसर जयनारायण तिवारी , समस्त पी स्टाफ एवं केंद्रीय विद्यालय के सभी शिक्षक उपस्थित रहे कार्यक्रम के अंत में लेफ्टिनेंट कर्नल विनोद सिंह द्वारा कैडेट शेफाली सिंह एवं योगा शिक्षक अमित लोधी को मोमेंटो देकर योग दिवस पर प्रोत्साहित किया गया|इस योग दिवस में कटनी शहर के ऑर्डनेंस फैक्ट्री स्कूल केंद्रीय विद्यालय एनकेजे कटनी तथा बर्डस्ले स्कूल के कुल 500 छात्र-छात्राओं तथा कैडेट्स ने अपनी सहभागिता दी।

अवकाश के दिनों में भी कार्य करेगा बाढ़ आपदा नियंत्रण कक्ष, नंबर जारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

अपर कलेक्टर श्रीमती साधना परस्ते ने आगामी मानसून एवं वर्षा को दृष्टिगत रखते हुए जिला स्तरीय कंट्रोल रूम, आपदा नियंत्रण कक्ष (बाढ राहत) क्रमांक 99 को 15 जून से 24 घंटे सातों दिवस संचालित करने के निर्देश दिये है। कंट्रोल रूम का नंबर 07622 220071 है। बाढ़ आपदा नियंत्रण कक्ष क्रमांक-99 का नोडल अधिकारी अपर कलेक्टर का बनाया गया है। जबकि सहायक नोडल अधिकारी दिनेश कुमार विश्वकर्मा जिला प्रबंधक लोक सेवा प्रबंधन विभाग को नियुक्त किया जाकर इनके मार्गदर्शन में अवकाश दिवसों शनिवार एवं रविवार को तीन शिफ्ट मे 2-2 कर्मचारियों की आगामी आदेश पर्यन्त तक ड्यूटी लगाई जाकर निर्धारित दिवस व समय अनुसार डयूटी में उपस्थित रहने हेतु आदेशित किया गया है।

आपदा नियंत्रण कक्ष में संलग्न कर्मचारियों को नियमित रूप से निर्धारित दिन एवं समय में डयूटी पर उपस्थित रहनें तथा ड्यूटी पर बिना पूर्व सूचना के अनुपस्थित पाये जाने पर संबंधित कि विरूद्ध नियमानुसार कठोर कार्यवाही करनें हेतु निर्देशित किया गया है। संबंधित कर्मचारियों को निर्धारित समयानुसार अगले पाली के दल को रजिस्टर पंजी एवं अन्य जानकारी से सूचित करने के बाद भी आपदा नियंत्रण कक्ष छोडनें, बाढ़ आपदा की समस्त जानकारी दिनेश कुमार विश्वकर्मा जिला प्रबंधक सहायक नोडल अधिकारी लोक सेवा प्रबंधन विभाग को सूचित करेंगे तथा समय-समय पर डीसीसीसी सुपरवाईजर को भी अवगत करानें हेतु निर्देशित किया गया है।

जिले में अब तक 21.5 मिमी औसत वर्षा दर्ज

जिले में 1 जून से 22 जून तक कुल 21.5 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। जबकि गत वर्ष इसी अवधि में कुल 1.4 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई थी। अधीक्षक भू-अभिलेख द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार 1 जून से 22 जून 2024 तक जिले के तहसीलवार वर्षा मापी केन्द्र कटनी में 39.2 मिलीमीटर, तहसील रीठी मे 31.1 मिलीमीटर, तहसील बड़वारा मे 2.0 मिलीमीटर, तहसील बरही में 23.0 मिमी, विजयराघवगढ़ में 26.5 मिमी, बहोरीबंद मे 7.2 मिमी, स्लीमनाबाद में 13.0 मिली मीटर और वर्षामापी केन्द्र ढीमरखेड़ा मे 29.4 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है।

शासकीय महाविद्यालय बड़वारा में मनाया गया योग दिवस

विद्यार्थियों, कर्मचारियों ने किया योग अभ्यास, महत्व की दी गई जानकारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ बड़वारा

बड़वारा महाविद्यालय में दसवां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया एवम सामूहिक सूर्य नमस्कार किया गया। महाविद्यालय की प्राचार्य श्रीमती रोशनी पांडेय के निर्देशन में प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।

शासकीय महाविद्यालय बड़वारा में शारीरिक शिक्षा एवं क्रीड़ा विभाग के द्वारा 21 जून को दसवां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस गरिमामय तरीक़े से मनाया गया। आयुष मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वर्ष 2024 के लिए ₹स्वयं और समाज के लिए योग₹ थीम निर्धारित की गई थी। महाविद्यालय में दसवे अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर शासन के निर्देशानुसार महाविद्यालय के क्रीड़ा अधिकारी डॉ. आदित्य गढ़ेवाल द्वारा उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों एवं छात्र-छात्राओं को सामान्य योगाभ्यास कराया गया एवं योग के महत्व के बारे में भी बताया गया। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. रोशनी पाण्डेय ने भी योगाभ्यास को प्रतिदिन करने के लिए प्रेरित किया। योग के विभिन्न आसनों के साथ थैरेपी की भी जानकारी दी। प्राचार्य ने बताया कि योग करने से मन के साथ ही शरीर स्वस्थ रहता है तथा विभिन्न बीमारियों यथा मधुमेह, उच्च रक्त चॉप, घुटने व कमर के दर्द माइग्रेन की परेशानियों से आसानी से मुक्ति पाई जा सकती है।

क्रीड़ा प्रभारी डॉ आदित्य गढ़ेवाल ने अनुलोम विलोम, कपालभाति, मण्डूकासन, वज्रासन, पद्मासन जैसी योग क्रियायों से सभी को अवगत कराया व स्वस्थ रहने के तरीके बताए। उन्होंने बताया प्रतिदिन योग करिए जिससे सभी का शरीर स्वस्थ रहता है। योगाभ्यास के दौरान डॉ. रामनरेश वर्मा, डॉ. राजेश कुमार, डॉ.सुजीत सिंह, संजय वर्मन एवं महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने योगाभ्यास किया। इसके पश्चात महाविद्यालय के छात्र छात्राओं आनंद कुमार, रिंकी कुशवाहा, एवं आरती विश्वकर्मा ने विभिन्न योगासनों का प्रदर्शन किया। इसके साथ साथ दसवे अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम ₹स्वयं और समाज के लिए योग₹ पर आधारित विभिन्न प्रतियोगिताओं जैसे- योगासन सेल्फी प्रतियोगिता, पोस्टर प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का ऑनलाइन आयोजन भी किया गया । जिसमें महाविद्यालय के स्टाफ, छात्र-छात्राओं एवं अन्य नागरिकों ने भी भाग लिया। इन प्रतियोगिताओं का उद्देश्य योग के प्रचार - प्रसार के साथ साथ योग के महत्व को जानना एवं योग से सम्बन्धित जानकारियों को साझा करना था। प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को ऑनलाइन प्रमाणपत्र भी दिये गए।

चार परीक्षा केन्द्रों में दो पारियों में होगी परीक्षा, व्यवस्थाओं के निर्देश

राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा आज, 1668 अभ्यर्थी होंगे शामिल

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

मध्यप्रदेश लोकसेवा आयोग इन्दौर द्वारा संचालित राज्य सेवा एवं राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा जिले में रविवार 23 जून को 4 परीक्षा केन्द्रों पर ओएमआर पद्धति से दो पालियों में प्रातः 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक एवं दोपहर 2:15 बजे से 4:15 बजे तक आयोजित होगी।

जिले के चिन्हित 4 परीक्षा केंद्रों में आयोजित होने वाली इस परीक्षा में कुल 1668 नामांकित अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल होगें।

संभागीय पर्यवेक्षक नियुक्त

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग इंदौर द्वारा जबलपुर संभाग हेतु संभागीय पर्यवेक्षक आशुतोष अवस्थी, सेवानिवृत्त आई.ए.एस को नियुक्त किया गया है। संभागीय पर्यवेक्षक के सहयोग हेतु लाइजनिंग ऑफिसर के कार्य हेतु महेन्द्र कुमार शुक्ला आबकारी उप निरीक्षक को दायित्व सौंपा गया है।

नियुक्त किये गए केन्द्राध्यक्ष

कलेक्टर अवि प्रसाद द्वारा 23 जून को निर्धारित 4 परीक्षा केंद्रों में आयोजित होने वाली राज्य सेवा एवं राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा के सफल और सुचारू संचालन के लिये प्राचार्य एवं विद्यालय प्रभारियों को केन्द्राध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

कलेक्टर श्री प्रसाद द्वारा जारी आदेशानुसार सरस्वती श्री विष्णु वेद हायर सेकेंडरी स्कूल हेतु रामनारायण पाण्डेय को केन्द्राध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इस केन्द्र में नामांकित अभ्यर्थियों की संख्या 400 है। इसी प्रकार सेक्रेड हार्ट इंग्लिश मीडियम सीनियर सेकेंडरी स्कूल बस स्टेण्ड हेतु अभिषेक बैनर्जी को केन्द्राध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इस केन्द्र के अभ्यर्थियों की संख्या 500 है। वहीं सिलिकोबाइट कटनी डिग्री कॉलेज के.डी.सी, हेतु आशीष श्रीवास्तव को केन्द्राध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इस केन्द्र में नामांकित अभ्यर्थियों की संख्या 500 है।

इसी तरह शासकीय उत्कृष्ट हायर सेकेंडरी स्कूल माधव नगर परीक्षा केन्द्र हेतु एम किडो को केन्द्राध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इस परीक्षा केन्द्र में नामांकित अभ्यर्थियों की संख्या 268 है।

परीक्षा के दौरान विद्युत व्यवस्था निर्बाध रखने के निर्देश

कलेक्टर अवि प्रसाद ने परीक्षाओं के सफल और सुचारू संचालन के लिये 23 जून को चिन्हित चार परीक्षा केंद्रों में दो पालियों में आयोजित होने वाली परीक्षा के निर्धारित समय एवं जिला कलेक्ट्रेट कार्यालय व जिला कोषालय कार्यालय में एवं गोपनीय सामग्री वितरण एवं जमा करें संबंधी आवश्यक कार्यवाही के दौरान विद्युत व्यवस्था निर्बाध रखने के निर्देश मध्यप्रदेश राज्य विद्युत मंडल कटनी के अधीक्षण यंत्री, कार्यपालन यंत्री शहर एवं संभागीय यंत्री को दिये है।

चिकित्सकीय स्टाफ, एंबुलेंस व्यवस्था उपलब्ध कराने के निर्देश

कलेक्टर अवि प्रसाद ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी और सिविल सर्जन जिला चिकित्सालय को 23 जून का जिले अंतर्गत चार परीक्षा केंद्रों में आयोजित होने वाली निर्धारित दोनों पारियों की परीक्षा के दौरान प्रत्येक परीक्षा केंद्र मे आवश्यकतानुसार चिकित्सक, दवाइयां व स्टाफ सहित एम्बुलेंस की व्यवस्था सुनिश्चित करते हुए संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों की जानकारी उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया है।

योजनाओं का लाभ लेने किसान पोर्टल पर पंजीयन अनिवार्य

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

कृषि विभाग की विभिन्न योजना अंतर्गत बीज,सिंचाई यंत्र एवं आदान सामग्री का लाभ लेने के लिए जिले के कृषक किसान पोर्टल एमपी किसान पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीयन करायें। पंजीयन हेतु बेब ब्राउजर पर kisan.mp.gov.in के माध्यम से स्वंय या नजदीकी एमपी ऑनलाइन पर जाकर आवेदन करें। जिले के किसान भाई, कृषि विभाग से संबंधित योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए वेब ब्राउजर पर जाकर यूआरएल के माध्यम से कृषक भाई स्वयं ही पंजीयन कर सकते हैं। किसान पोर्टल पर जाने के लिए दिए गए यूआरएल वेब ब्राउजर पर अंकित करें। कृषि योजना में पंजीयन करने के लिये कृषि योजना के लिये पंजीयन पर क्लिक करें।

कृषि योजना के लिये पंजीयन करे, लिंक पर क्लिक करने बाद नए टैब मे पंजीयन पेज ओपन हो जाता है तथा पंजीयन के लिए जरूरी दस्तावेज जो संलग्न होने की जानकारी दी जाती है जैसे कृषक का आधार कार्ड, कृषक की भूमि से सम्बंधित जानकारी, कृषक की समग्र आई.डी, कृषक का जाति प्रमाण - पत्र यदि आवेदक अनु.जाति,अनु.जनजाति का हो तो जानकारी ध्यान पूर्वक पढ़े और आगे बढ़े बटन पर क्लिक करने के बाद, किसान पंजीयन फार्म प्रदर्शित हो जाता है जहां दो ऑप्शन प्रदर्शित होते है। आधार नंबर द्वारा पंजीयन अथवा भू-अभिलेख द्वारा पंजीयन करें आप्शन में से किसी एक ऑप्शन के माध्यम से अपना पंजीयन कर सकते हैं अथवा नजदीकी ऑनलाईन पर जाकर भी अपना पंजीयन करा सकते है।

दुनिया की सबसे गर्म जगहें, कुछ मिनटों में इंसान पड़ सकता है बीमार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

भारत समेत दुनिया के कई देश इन दिनों भीषण लू और गर्मी की चपेट में हैं। भारत के कई राज्यों में भीषण गर्मी पड़ रही है। गर्मी के कारण लोगों को कई परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। आज हम दुनिया की पांच ऐसी जगहों के बारे में बताएंगे, जहां पर इतनी भयानक गर्मी पड़ती है कि किसी की जान भी जा सकती है। यह स्थान इतने गर्म होते हैं कि यहां पर 10 मिनट में इंसान बीमार पड़ सकता है या कुछ घंटों में ही उसकी मौत हो सकती है।

तापमान जान उड़ जाएंगे होश

डेथ वैली, कैलिफोर्निया

अमेरिकी राज्य कैलिफोर्निया की डेथ वैली दुनिया की सबसे अधिक गर्म जगहों में शामिल है। यहां पर

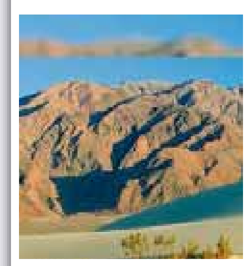

10 जुलाई 1913 में सबसे ज्यादा तापमान का रिकॉर्ड बना था। उस समय डेथ वैली के फरनेस क्रीक नामक जगह पर अधिकतम तापमान 56.7 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया था। यहां पर 37 से 40 डिग्री के बीच तापमान दर्ज किया जाता है।

सहारा रेगिस्तान, अफ्रीका

दुनिया की सबसे गर्म जगहों में से अफ्रीका का सहारा रेगिस्तान भी एक है। इस स्थान का औसत

तापमान 35 से 42 डिग्री सेल्सियस के बीच रहता है। पूरे साल यहां 100 मिलिमीटर से भी कम बारिश होती है, जो न के बराबर है। सहारा रेगिस्तान में अधिकतम तापमान 58 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है।

फ्लेमिंग माउंटेन, चीन

चीन का फ्लेमिंग माउंटेन टकलामाकेन रेगिस्तान के उत्तरी इलाके में स्थित है। शिनजियांग प्रांत के

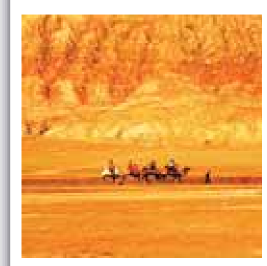

तियान शान में स्थित लाल सैंडस्टोन्स की पहाड़ियों को फ्लेमिंग माउंटेंस या हुओयान माउंटेंस भी कहा जाता है। इस पहाड़ की लंबाई 100 किलोमीटर और चौड़ाई 5 से 10 किलोमीटर है।

ल अजीजिया, लीबिया

लीबिया के उत्तर-पश्चिम इलाके में स्थित जाफरा जिले में ल अजीजिया एक छोटा सा कस्बा है। इस

इलाके में बहुत ज्यादा गर्मी पड़ती है। आमतौर पर यहां का अधिकतम तापमान 35 से 40 के बीच रहता है, लेकिन 13 सितंबर 1922 में 58 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड किया गया था।

सोनोरन रेगिस्तान, अमेरिका

अमेरिका से उत्तरी मेक्सिको तक यह रेगिस्तान फैला है। इस जगह पर जानलेवा गर्मी पड़ती है।

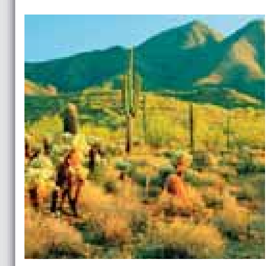

इसके साथ ही यहां कैक्टस के पौधे हैं, जो बेहद खतरनाक हैं। यह रेगिस्तान एरिजोना प्रांत में स्थित है जहां कुछ दुर्लभ जगुआर देखने मिलते हैं। यहां का औसत तापमान 46.1 डिग्री सेल्सियस तक दर्ज किया जाता है।

बोले- 'नुकसान किया है तो खुद कमाकर भरो'

8 साल के बेटे को पापा ने लगाया काम पर गंदी की थी दीवार

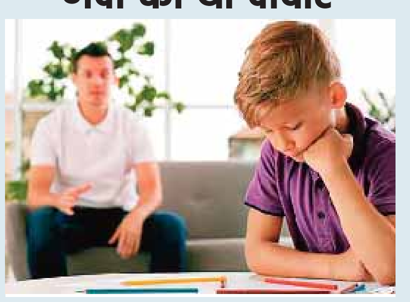

एजेंसी ▶▶| बीजिंग

बच्चों को शिक्षा देने की ज़िम्मेदारी अगर स्कूल की होती है, तो उन्हें संस्कारित और अनुशासित बनाने की ज़िम्मेदारी माता-पिता की होती है। आपने अक्सर देखा होगा कि बच्चे अपने घर की दीवारों पर पेंसिल या फिर पेन से कुछ न कुछ बना देते हैं। हालांकि, इसके लिए उन्हें मना किया ही जाता है। एक बच्चे ने भी कुछ ऐसी ही गलती की थी, लेकिन फिर पिता ने जो किया, उसे जानकर आप हैरान रह जाएंगे। एक रिपोर्ट के मुताबिक चीन के एक 8 साल के बच्चे ने स्कूल की दीवार पर स्केच से कुछ बना दिया था। दीवार गंदी होने के बाद जब स्कूल की ओर से उसके पिता को बताया गया, तो उन्होंने उसे अजीबोगरीब सजा दी। सोशल मीडिया पर पिता की ये सज़ा और उनकी पेरेंटिंग के खूब चर्चे हो रहे हैं।

बच्चे को अनुशासन सिखाने पिता ने लिया फैसला

चीन के शांक्सी प्रांत में एक अलग सी घटना सामने आई है। यहां एक 8 साल के बच्चे ने स्कूल की दीवार गंदी कर दी थी। जब स्कूलवालों ने उसके माता-पिता को शिकायत करने के लिए बुलाया, तो पिता ने बच्चे को अनुशासन सिखाने के लिए कुछ अलग ही कल डाला। उन्होंने बच्चे को सड़क पर एक गिटार के साथ बैठा दिया। वो लगातार तीन दिनों तक गिटार और एक नोट के साथ वहां बैठा। इस नोट पर लिखा था- मैंने स्कूल की दीवार गंदी की है, मुझे 3509 रुपए कमाने हैं। 3 दिन में उसके ये पैसे इकट्ठा हो गए।

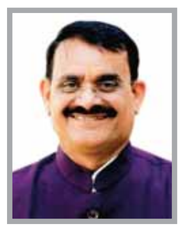

बलिदान दिवस

विष्णुदत्त शर्मा

डॉ. मुखर्जी : निष्काम, निस्वार्थ, निष्कपट राज-योगी

1953 में जनसंघ के पहले अधिवेशन में उन्होंने पंडित जवाहरलाल नेहरू की कश्मीर नीति का विरोध करते हुए कहा था कि एक देश में दो विधान, दो निशान, दो प्रधान नहीं चलेंगे। डॉ. मुखर्जी ने कहा था कि दुनिया को यह पता होना चाहिए कि भारत महज एक थ्योरी या परिकल्पना नहीं है, बल्कि एक यथार्थ है, एक ऐसा देश जहां हिंदू, मुसलमान, ईसाई और सभी बिरादरी के लोग बगैर किसी भय के समान अधिकारों के साथ रह सकेंगे। यही हमारा संविधान है, जिसे हमने बनाया है और पूरी शिद्दत, निष्ठा और ताकत से लागू करने जा रहे हैं। डॉ. मुखर्जी मानते थे कि सांस्कृतिक दृष्टि से हम सब एक हैं इसलिए धर्म के आधार पर वे विभाजन के कट्टर विरोधी थे।

जम्मू-कश्मीर को भारतीय संविधान के दायरे में लाने और एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान (झंडा) के विरोध में सबसे पहले आवाज उठाने वाले भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का आज बलिदान दिवस है। कश्मीर से विरोधाभासी प्रावधानों की समाप्ति के लिए उन्होंने लंबा संघर्ष किया, लेकिन चाहकर भी उनका यह स्वप्न उनके जीते जी पूरा नहीं हो पाया और रहस्यमय परिस्थितियों में 23 जून 1953 को उनकी मृत्यु हो गई। उनका यह स्वप्न स्वतंत्रता प्राप्ति के 70 वर्ष बाद तब पूरा हुआ जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने अगस्त 2019 में संसद में संविधान के अनुच्छेद 370 एवं 35ए को समाप्त करने का बिल पारित कराया। डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी के व्यक्तित्व का समग्र विश्लेषण उन्हें उन युग-पुरुषों में स्थापित करता है, जो वर्तमान की दहलीज पर बैठकर भविष्य की सामाजिक और राजनीतिक गणनाओं का आंकलन करने में समर्थ थे।

डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी बंगाली भद्रलोक के ऐसे प्रभावशाली परिवार में जन्मे थे, जो उस समय बंगाल में अपनी बौद्धिकता के लिए विख्यात था। मात्र 33 साल की उम्र में डॉ. मुखर्जी कलकत्ता विश्वविद्यालय के कुलपति बन गए थे। इतनी कम उम्र में कुलपति बनने वाले वो पहले भारतीय थे। मुस्लिम लीग सुनियोजित तरीके से ब्रिटिश-शासन की मदद से भारत के पूर्वी हिस्सों में हिंदुओं को हाशिए पर ढकेल रही थी। डॉ. मुखर्जी ने संकल्प लिया था कि मुस्लिम लीग की कट्टरता के खिलाफ वो हिंदू-समाज को जागृत करेंगे। इसी के मद्देनजर उन्होंने बंगाल में सक्रिय कृषक प्रजा पार्टी के प्रमुख फजल-उल-हक और बंगला के जाने-माने महाकवि काजी नजरूल इस्लाम के साथ इस काम को आगे बढ़ाया।

1939 में वो हिंदू महासभा के अध्यक्ष बन गए। उन्होंने घोषणा की कि संयुक्त भारत के लिए तत्काल समग्र स्वतंत्रता हासिल करना हिंदू महासभा का मूल उद्देश्य है। हिंदू महासभा में शामिल होने के बाद जब डॉ. मुखर्जी गांधी जी से मिलने पहुंचे, तो गांधीजी ने उनसे कहा था कि सरदार पटेल हिंदू मनोमस्तिष्क से ओतप्रोत कांग्रेसमैन हैं, आप हिंदू महासभाई हो, जिसका ह्दय कांग्रेस का है। यही देश के हित में है।

महात्मा गांधी के कहने पर ही पं. नेहरू ने डॉ. मुखर्जी को अपनी कैबिनेट में शामिल किया था। पं. नेहरू की कैबिनेट में रहते हुए डॉ. मुखर्जी ने कई बड़े काम किए। पं. नेहरू भी उनके कामों के कायल थे, लेकिन पाकिस्तान, कश्मीर या शरणार्थियों जैसे मसलों में दोनों के बीच व्यापक और गहरी राजनीतिक असहमति थी। धारा 370, हिंदू कोड बिल और समान नागरिक संहिता जैसे मुद्दों पर भी पं. नेहरू से उनकी पटरी कभी भी नहीं बैठ पाई। ये ही वो कारण हैं, जो अंततः नेहरू कैबिनेट से उनके इस्तीफा का कारण बने।

आजादी के पहले बंगाल में मुस्लिम लीग के प्रभुत्व के विरुद्ध डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने जबरदस्त संघर्ष किया और देश को होने वाले नुकसान से बचा लिया। विभाजन के समय भी डॉ. मुखर्जी ने देश की जनता और नेतृत्व को आगाह किया था कि पाकिस्तान सांप्रदायिक समस्या का कोई हल नहीं है।

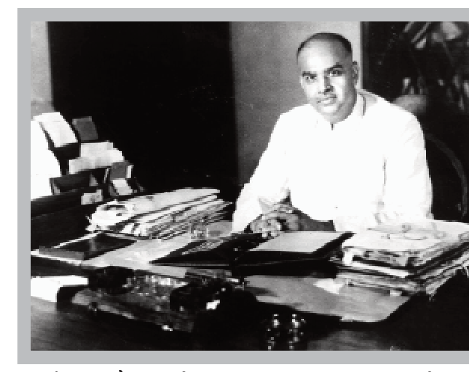

इससे वह और उग्र होगी, जिसका परिणाम गृहयुद्ध होगा। हमें इससे आंखें नहीं मूंदना चाहिए कि पाकिस्तान की लालसा का स्त्रोत वस्तुतः शासन सत्ता के रूप में इस्लाम की पुनःप्रतिष्ठा करने की इच्छा है।

1953 में जनसंघ के पहले अधिवेशन में उन्होंने पंडित जवाहरलाल नेहरू की कश्मीर नीति का विरोध करते हुए कहा था कि एक देश में दो विधान, दो निशान, दो प्रधान नहीं चलेंगे, नहीं चलेंगे। नेहरू-सरकार की नीतियों से असहमत होने के बाद लोकसभा में दिया गया उनका भाषण ऐतिहासिक है। अगस्त 1952 में लोकसभा में कश्मीर के मुद्दे पर भाषण देते हुए डॉ. मुखर्जी ने कहा था कि दुनिया को यह पता होना चाहिए कि भारत महज एक थ्योरी या परिकल्पना नहीं है, बल्कि एक यथार्थ है, एक ऐसा देश जहां हिंदू, मुसलमान, ईसाई और सभी बिरादरी के लोग बगैर किसी भय के समान अधिकारों के साथ रह सकेंगे। यही हमारा संविधान है, जिसे हमने बनाया है और पूरी शिद्दत, निष्ठा और ताकत से लागू करने जा रहे हैं। डॉ. मुखर्जी मानते थे कि सांस्कृतिक दृष्टि से हम सब एक हैं इसलिए धर्म के आधार पर वे विभाजन के कट्टर विरोधी थे। वो मानते थे कि विभाजन संबंधी परिस्थितियां ऐतिहासिक और सामाजिक कारणों से उत्पन्न हुई थीं। वे कहते थे- आधारभूत सत्य यह है कि हम सब एक हैं, हममें कोई अंतर नहीं है, हम एक ही रक्त के हैं, एक ही भाषा, एक ही संस्कृति और एक ही हमारी विरासत है।

डॉ. मुखर्जी महान शिक्षाविद्, निरभिमानी देशभक्त, राजनीतिक चिंतक और सामाजिक दृष्टा थे। प्रखर राष्ट्रवादी के रूप में वो हमेशा देश में पहली पायदान पर खड़े मिलेंगे। वे सच्चे अर्थों में मानवता के उपासक और सिद्धांतवादी थे। सार्वजनिक जीवन में उनकी राष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं का निस्वार्थ और त्याग-जनित लोकार्पण उन्हें असाधारण बनाता है। वो पं. नेहरू की नीतियों के मुखर आलोचक और विरोधी थे। वो महज एक अलग राजनीतिक विचारधारा के पोषक होने के नाते नेहरू का विरोध नहीं करते थे। वे एक सुविचारित और भारतीय संस्कृति के अनुकूल राजनीतिक दर्शन के प्रणेता थे और उसी के निर्धारित मानदंडों के आधार पर विषयों को तौल कर विरोधियों से वाद-विवाद करते थे। विरोध के लिए विरोध और बोलने के लिए बोलना, उनके राजनीतिक आचरण से कोसों दूर था। संसदीय शिष्टाचार के वो कट्टर अनुपालक थे। उनकी आलोचनाएं रचनात्मक होती थी और सुझाव विचारपूर्ण होते थे। इसीलिए वो अपने समकालीन सांसदों में सबसे ज्यादा सम्मानित और विश्वसनीय नेता थे। कांग्रेस के बड़े-बड़े नेता उनके गंभीर परामर्शों को अनसुना नहीं करते थे।

राजनीतिक मलिनताओं के बीच उनके व्यक्तित्व की प्रखरता अलग ही दमकती थी। वो किस मिट्टी के बने थे, इसकी झलक 07 जनवरी 1939 को लिखे डायरी के उस पन्ने में मिलती है, जिसकी इबारत उपासना के मार्मिक उद्गारों में उद्घाटित होती है कि हे प्रभु, मुझे निष्ठा, साहस, शक्ति और मन की शांति दीजिए। मुझे दूसरों का भला करने की हिम्मत और दृढ़ संकल्प दीजिए। मुझे अपना आशीर्वाद दीजिए कि सुख में भी और दुख में भी आपको याद करता रहूं और आपके स्नेह में पलता रहूं। हे प्रभु, मुझसे हुई गलतियों के लिए क्षमा कीजिए और मुझे सत्प्रेरणा देते रहिए। राजनीति में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जैसे निष्काम, निस्वार्थ, निष्कपट राज-योगी का अवतरण बिरले ही होता है।

(लेखक मध्यप्रदेश भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष व खजुराहो सांसद हैं)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **edit@haribhoomi.com** पर दे सकते हैं।

दीपक एडवरटाइजिंग ने अर्जित की शानदार दोहरी सफलता

जबलपुर। दीपक एडवरटाइजिंग आज भारत की एडवरटाइजिंग इंडस्ट्री में एक बहुचर्चित नाम है। पिछले 27 वर्षों से अपनी क्रिएटिव कार्यशैली और हमेशा कुछ नया करने की सोच के कारण आज दीपक एडवरटाइजिंग प्रतिष्ठित कॉर्पोरेट और गवर्नमेंट क्लाइंट्स के बीच एक विश्वसनीय 360 डिग्री कम्युनिकेशन सॉल्यूशन प्रोवाइडर के रूप में जानी जाती है। शानदार दोहरी सफलता अर्जित करते हुए दीपक एडवरटाइजिंग ने फिर एक बार अपनी उत्कृष्टता साबित की है, जिसमें एजेंसी को LIC (लाइफ इंश्योरेंस कॉर्पोरेशन) के भोपाल ज़ोन एवं अवंतिका गैस लिमिटेड द्वारा पुनः सूचीबद्ध किया गया है। दीपक एडवरटाइजिंग के एमडी श्री दीपक जेठा ने इस उपलब्धि का श्रेय क्लाइंट्स का एजेंसी पर विश्वास और अपनी टीम के इनोवेटिव वर्किंग स्टाइल और कमिटमेंट को दिया।

दीपक एडवरटाइजिंग मध्य भारत की एकमात्र आईएनएस, प्रसार भारती एवं सीबीसी द्वारा मान्यता प्राप्त एजेंसी है। सर्वश्रेष्ठ सर्विस और यूनिक क्रिएटिविटी के कारण दीपक एडवरटाइजिंग 16 बार एजेंसी ऑफ़ द ईयर अवॉर्ड, सम्मिट इंटरनेशनल गोल्ड अवॉर्ड, प्लेटिनम एजेंसी ऑफ़ द ईयर अवॉर्ड जैसे 181 से अधिक राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय अवॉर्ड से सम्मानित है। प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में हुए एनएचएआई (भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण) के इवेंट्स और मध्य प्रदेश में हुए वंदे भारत एक्सप्रेस लॉन्च इवेंट व क्रेडाई के राष्ट्रीय स्तर के इवेंट के क्रिएटिव पार्टनर के रूप में दीपक एडवरटाइजिंग ने गत वर्ष भी खूब सुर्खियां बटोरी। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष एजेंसी की उत्कृष्ट सेवाओं को देखते हुए पश्चिम मध्य रेल, उत्तर पश्चिम रेलवे और देश की प्रख्यात वाटर स्टोरेज सोलूशन्स प्रोवाइडर कम्पनी 'वेक्टस' द्वारा भी एजेंसी को पुनः सूचीबद्ध किया गया है।

रैलिस इंडिया ने लॉन्च किया फॉर्म्युलेशन मार्क प्लस

भोपाल। टाटा समूह की कंपनी, रैलिस इंडिया लिमिटेड ने मध्य प्रदेश में एक नया खरपतवार नाशक, 'मार्क प्लस' लॉन्च किया है। मूंगफली और सोयाबीन जैसी फसलों के लिए प्रभावी खरपतवार नाशक गुणों के साथ यह इन पर व्यापक नियंत्रण प्रदान करता है। इस उत्पाद को शुरुआत में मध्य प्रदेश में लॉन्च किये जाने के बाद गुजरात, महाराष्ट्र और देश भर के अन्य प्रमुख बाज़ारों में भी पेश किया जाएगा।

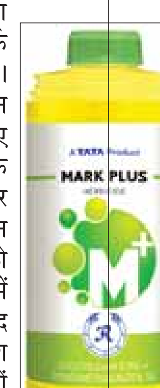

मार्क प्लस शक्तिशाली खरपतवार नाशक है, जो सोयाबीन और मूंगफली की फसलों में खरपतवार उगने से पहले के दौर में विभिन्न किस्म के खरपतवारों को प्रभावी ढंग से नियंत्रित करता है। इसे उन्नत शोध के ज़रिये तैयार किया गया है और इसमें दो सक्रिय अवयवों का एक नया फॉर्म्युलेशन है, जिसे पहली बार भारत में पेश किया जा रहा है। मार्क प्लस, दो अलग-अलग तरीकों से काम करता हैः यह ए ए ल ए स (खरपतवार के बढ़ने के लिए आवश्यक एक एंज़ाइम) को रोकता है और माइक्रोट्यूब्यूल के निर्माण (खरपतवार में कोशिका विभाजन के लिए आवश्यक) को बाधित करता है। यह दोहरी प्रक्रिया व्यापक और दीर्घकालिक खरपतवार नियंत्रण सुनिश्चित करती है।

74 साल की उम्र, 1300 बार हुआ गिरफ्तार

न्यूयार्क। आदमी एक बार जेल की हवा खा ले, तो वो दोबारा ऐसा काम करने से बचता है कि उसे जेल जाना पड़े। कैदी जेल से छूटने के लिए कोई भी कीमत चुकाने को तैयार होता है। पर अमेरिका का एक शख्स को शायद जेल में जाना अच्छा लगता था। यही वजह है कि वो 1-2 बार नहीं, 1300 से ज्यादा बार सलाखों के पीछे रहा था। उसने 6000 दिन जेल में बिताए थे। हाल ही में उस शख्स की मौत हो गई, जिसके बाद से उसकी चर्चा हो रही है। एक रिपोर्ट के अनुसार केंटकी में लेग्जिंटन के रहने वाले हेनरी अर्ल को इंटरनेट पर लोग इस वजह से पहचानने लगे थे, क्योंकि वो कई बार जेल जा चुके थे। उन्होंने अपने अधिकतर जुर्म शराब के नशे में किए थे। 74 साल की उम्र में शख्स की इसी साल मई के महीने में मौत हो गई। उसे ओवेंटन कब्रिस्तान में दफनाया गया था।

वैवाहिकी

वधु चाहिए

मांगलिक लड़की चाहिए

लड़के की उम्र 35 साल है, रंग गोरा है। योग्यता बी.कॉम. स्नातक है।

विवाह के लिए सम्पर्क करें

मो. 9302513431

आवश्यकता

आवश्यकता है- भारतीय वनविभाग जिलानुसार लड़के लड़कियों की सीधीभर्ती फील्डऑफिसर, फॉरेस्टरेंजर, सिक्योरिटी/ फॉरेस्टगार्ड, माली, कंप्यूटरऑपरेटर, (पद -1280),(सैलरी 23500 - 48500) रहना +खाना + मेडिकल फ्री ! इच्छुक अपना नामपता आधारकार्ड, मार्कशीट व्हाट्सएप (संजय शुक्ला) - 9120184952 (भोपाल /24 / जून/24)

सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित सभी प्रकार के विज्ञापनों (डिस्प्ले एवं रनिंग क्लासीफाइड) में दिए गए तथ्यों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

राशिफल

मेष किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकता है। जीवनसाथी का साथ मिलेगा। घर-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। भाग-दौड़ अधिक रहेगी।

वृष बातचीत में सन्तुलित रहें। नौकरी में स्थान परिवर्तन के योग बन रहे हैं। परिवार से दूर रहना पड़ सकता है। अनियोजित खर्च बढ़ेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मिथुन मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु आत्मसंयत भी रहें। क्रोध से बचें। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी ।लेखनादि-बौद्धिक कार्यों से मान-सम्मान की

कर्क परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जाना हो सकता है। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाग-दौड़ बढ़ेगी। लाभ के अवसर मिलेंगे।

सिंह मन अशान्त रहेगा। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। अफसरों का सहयोग मिलेगा। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें। सफलता के योग बन रहे हैं।

कन्या पठन-पाठन में रुचि रहेगी। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। सुस्वादु खान-पान में रुचि बढ़ेगी। सेहत का ध्यान रखें। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी।

तुला शैक्षिक कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। भागदौड़ अधिक रहेगी। खर्च अधिक रहेंगे। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

वृश्चिक किसी पैतृक सम्पत्ति के लिए विवाद की स्थिति बन सकती है। वाहन के रख-रखाव पर खर्च बढ़ सकते हैं। नए कारोबार की शुरुआत हो सकती है।

धनु मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। कारोबार की स्थिति में सुधार होगा। लाभ के अवसर मिल सकते हैं। परिवार में सद्भाव बनाये रखें। क्रोध की अधिकता रहेगी।

मकर मन अशान्त रहेगा। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। चिकित्सीय खर्च बढ़ेंगे। भाग-दौड़ अधिक रहेगी। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है।

कुंभ मन शान्त रहेगा। धार्मिक संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। जीवनसाथी के परिवार के किसी बुजुर्ग से धन की प्राप्ति हो सकती है।

मीन संयत रहें। परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। परिवार के साथ यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है ।नए कारोबार की शुरुआत हो सकती है।

शब्द पहेली - 5550

बाएँ से दाएँ
1. मन मोहने वाला-5
5. प्रस्थान करना, रवानगी-5
9. राशिचक्र की दसवीं राशि-3
10. तेल में पकाना-3
11. प्रेम, प्यार-2
13. थोड़ा, जरा-2
14. मैं का बहुवचन-2
15. उम्मीद करना-5
18. धन, संपदा-2
19. पक्षियों की चहचहाट-4
20. अभिप्राय-4
21. सद्, अच्छा-2
22. दम, ताकत-2
23. प्रकाशवान-4
26. ठसाठस-4
29. माईल, दूरी नामपे की इकाई-2
30. क्रोधित होना-2,3
33. विदेशी शराब-2
34. झुका हुआ-2
35. भाग्य (अंग्रेजी-2)
36. आखेट मंच-3
38. खुजली-3
41. मनमोहकता-5
42. नाटक लिखने वाला-5

ऊपर से नीचे
1. आकर्षक. चिताकर्षक-5
2. वैक्स, मधुज-2
3. अधिकार-2
4. फिल्म 'मदर इंडिया' की नायिका-4
5. जागरण-4
6. दीवार (अंग्रेजी-2)
7. मां के पिता-2
8. असफल-5
12. गर्भ, कोख-3
13. करामात-3
15. खातिरदारी -5
16. उद्देश्य-2
17. नामकरण-2,3
23. भूस्वामी-2,3
24. सही का विलोम-3
25. मृत्यु-2
27. इमामदस्ता-3
28. कांतिमान, चमकीला-5
31. उदारता, बड़प्पन-4
32. मालगोदाम-4
36. रत्न, नग-2
37. टी, चहा-2
39. याचिका, वाद (अंग्रजी-2)
40. वहम, संदेह-2

शब्द पहेली -5549 का हल

सूडोकू नवताल - 5561

★★★★☆ मध्यम

5					9	6		
						1	4	
			2	8				
			8				5	2
6								7
1	4				3			
				4	1			
	2	5						
		3	7					4

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकू नवताल - 5560 का हल

4	6	2	3	5	8	9	1	7
8	1	7	9	2	6	3	5	4
3	5	9	1	7	4	8	2	6
6	4	1	5	3	7	2	8	9
2	7	5	8	4	9	6	3	1
9	3	8	2	6	1	4	7	5
1	2	3	6	9	5	7	4	8
5	9	4	7	8	2	1	6	3
7	8	6	4	1	3	5	9	2

आज पर टिकी होती है हमारी भविष्य की जिंदगी

कवर स्टोरी
शिखर चंद जैन

यह सही है कि भविष्य में कुछ भी निश्चित नहीं लेकिन आने वाले कल का बहुत कुछ ऐसा होता है, जिसे हम आज ही निर्धारित कर सकते हैं। वो कौन-सी प्रवृत्तियां हैं, कौन-सी स्वभावगत विशेषताएं हैं, जिनमें बदलाव लाना या जिन्हें सही दिशा देना जरूरी है, इस बारे में जानकर हम निश्चित ही आने वाले जीवन को बेहतर बना सकते हैं।

आपको अगर अपने उगाए पेड़ों से आम, अमरूद, नीबू, केला, टमाटर या कोई भी फल सब्जी खानी है तो उसे कब उगाएंगे? जाहिर है, आप जब भी इन्हें उगाएंगे उसके कुछ दिनों, हफ्तों, महीनों या बरसों बाद आपको अपेक्षित फल मिलेंगे। ठीक इसी प्रकार आपको अपना भविष्य उज्ज्वल, खुशहाल, सहज और सुविधाजनक चाहिए तो उसके लिए कुछ कोशिशें आज से ही शुरू करनी होंगी। इन कोशिशों में आपके नजरिए, स्वभाव और आदतों में परिवर्तन भी शामिल है।

करें भविष्य का आकलन

हालांकि जीवन और दुनिया परिवर्तनशील और अनिश्चित है लेकिन इसमें कुछ चीजें कभी नहीं बदलेंगी। जैसे लोगों का स्वभाव, खान-पान संबंधी मूल आदतें, मानवीय गुण-दोष। इन्हीं के आधार पर भविष्य के लिए अपने प्रोफेशनल या कारोबारी निर्णय लें। मॉर्गन हाउसेल ने अपनी बेस्ट सेलर पुस्तक 'सेम एज एवर' में लिखा है, 2050 में दुनिया चाहे जैसी हो, लोग तब भी लाभ, भय, अवसर, शोषण, जोखिम, अनिश्चितता, जुड़ाव से संचालित होंगे, जैसे आज होते हैं। तब भी हर कोई सुरक्षित भविष्य चाहेगा, आशंकाओं से घबराएगा और खाने में कुछ चीजें तब भी लगभग हर कोई खाएगा।' शायद यही कारण है कि वारेन बफेट जैसा बड़ा उद्यमी बीमा कंपनियों, बबलगम, टोमेटो केचप जैसी ट्रेडिशनल कंपनियों में निवेश करते रहे हैं।

रखें स्पष्ट-तार्किक सोच

हमें जीवन में रोजाना कुछ छोटे-बड़े निर्णय लेने पड़ते हैं। इन्हीं के सही गलत होने पर हमारे भविष्य का पूरा दारोमदार होता है। अगर हम अपनी निर्णय क्षमता को स्पष्ट और तार्किक बनाना सीख लें तो हमारा आने वाला कल निश्चित रूप से अच्छा ही होगा। सही निर्णय लेने की कला स्कूली पढ़ाई से नहीं बल्कि अच्छे लोगों की सलाह, जीवन के अनुभवों और व्यावहारिक ज्ञान पर निर्भर करती है। सबसे पहले आपको उन क्षणों को पहचानना सीखना चाहिए, जो आपके जीवन को बदलने में सक्षम हैं। किसी भी घटना, स्थिति या व्यक्ति के व्यवहार पर बिना सोचे त्वरित प्रतिक्रिया न दें। बल्कि सोच-समझ कर तर्क के आधार पर निर्णय लें। भावनात्मक प्रतिक्रिया देने के बजाय विवेक से काम लें।

विश्वास और शत्रुता सीमित हो

आपने कई पौराणिक, ऐतिहासिक कथाएं पढ़ी होंगी। अपने परिवार या आस-पास के उदाहरण देखे होंगे और हो सकता है कभी आपको भी अनुभव प्राप्त हुआ हो कि किसी भी व्यक्ति से शत्रुता खतरनाक स्तर पर पहुंच जाए तो मानसिक अशांति के साथ-साथ जान से हाथ धो बैठने और भारी आर्थिक नुकसान होने का जोखिम बढ़ जाता है। ठीक इसी प्रकार जब हम किसी को अपना परम मित्र और हितैषी मानकर उसे अपनी जिंदगी का हर छोटा-बड़ा राज बता देते हैं और जरूरत से ज्यादा विश्वास करने लगते हैं तो कभी-कभार हमें भारी नुकसान उठाना पड़ता है। ऐसा ना हो इसके लिए किसी से अत्यधिक शत्रुता या किसी पर अंधविश्वास करने से बचना चाहिए।

धोखाधड़ी-शॉर्टकट से बचें

कई बार हम क्षणिक सुख प्राप्त करने के लिए कोई ऐसी बड़ी गलती कर बैठते हैं, जिसके लिए हमें जीवन भर पछताना पड़ता है। अवैध संबंध, ठगी, चोरी, लूट, ईर्ष्या, किसी का अहित करना या धोखा देकर, नकल करके आगे बढ़ना ऐसे काम हैं, जिनका अंतिम नतीजा सदैव दुखदायी ही होता है। आप ऐसी खबरें देखते, सुनते या पढ़ते होंगे कि कोई बाहुबली, बड़ा राजनीतिज्ञ या अत्यधिक अमीर व्यक्ति भी अर्श से फर्श पर आ जाता है। इस संदर्भ में अब्राहम लिंकन के एक पत्र का सारांश पठनीय है, जो उन्होंने अपने बेटे के स्कूल टीचर को लिखा था। उन्होंने लिखा था, 'आदरणीय टीचर, आप मेरे बेटे को सिखाएं कि मेहनत से कमाया हुआ एक डॉलर सड़क पर पड़े मिलने वाले पांच डॉलर से ज्यादा कीमती होता है। वह दूसरों से ईर्ष्या की भावना मन में ना लाए। मुझे उम्मीद है कि आप उसे बताएंगे कि दूसरों को धमकाना और डराना अच्छी बात नहीं है। नकल करके पास होने से फेल होना ज्यादा अच्छा है। आप उसे सिखाएं कि हर दुश्मन में दोस्त बनने की संभावना भी होती है। इसलिए संयमित व्यवहार करे।'

ये सीखें बेहतर जीवन की चाहत रखने वाले हर किसी के लिए उपयोगी हैं। इसलिए बेहतर और खुशहाल जीवन के लिए इसके सभी पहलुओं का संतुलन साधना बहुत जरूरी है। *

सीखें लाइफ को बैलेंस करना

अगर आप अपने जीवन में अच्छे-बुरे कामों, नतीजों, अपने क्रिया-कलापों पर नजर नहीं रखते हैं तो जीवन की गति बेलगाम घोड़े या ड्राइवर विहीन कार जैसी होगी। जाहिर है, इसके दुष्परिणाम आपको ही भोगने होंगे। जीवन में संतुलन बेहद जरूरी है। काम के साथ स्वास्थ्य, विश्राम, संबंधों और परिवार पर भी ध्यान देना जरूरी है। कोका-कोला के पूर्व सीईओ ब्रायन डायन ने कॉर्पोरेट करियर में 40 साल बिताने के बाद एक स्पीच में कहा था कि काम पर समय से पहुंचें। तल्लीन होकर काम करें लेकिन घर पर भी समय से पहुंचे। हम जीवन में पांच गेंदों की जग्लिंग करते हैं। पहली गेंद काम, दूसरी परिवार, तीसरी स्वास्थ्य, चौथी दोस्ती और पांचवीं गेंद उत्साह से जुड़ी हुई है। काम-काज की गेंद रबड़ की तरह है। यह हाथ से छूट गई तो दोबारा आ सकती है। लेकिन बाकी गेंदें कांच की तरह होती हैं। ये एक बार हाथ से छूटीं तो टूट जाएंगी। पैसा और प्रोफेशन महत्वपूर्ण है लेकिन सब कुछ यही नहीं है। इसलिए परिवार की महत्ता को पूरी तरजीह दें।

पुरुष भी जरूर करें अपनी हेल्थ केयर

परिवार के अन्य सदस्यों की हेल्थ का पूरा ध्यान रखने वाले पुरुष सदस्य अक्सर अपनी हेल्थ पर ध्यान नहीं देते हैं। सभी पुरुषों को अपनी हेल्थ के प्रति अवेयर करने और हेल्दी लाइफ जीने के लिए 'मेंस हेल्थ मंथ (जून)' इंस्पायर करता है।

अवेयरनेस
डॉ. मोनिका शर्मा

जून महीना पुरुषों की स्वास्थ्य समस्याओं को लेकर सजगता लाने से जुड़ा है। इस माह को 'मेंस हेल्थ मंथ' के रूप में मनाया जाता है। यह महीना, पुरुषों की हेल्थ प्रॉब्लम्स को लेकर जागरूक होने को समर्पित है।

पारिवारिक सदस्यों की जिम्मेदारी: परिवार में पिता, दादा, भाई या किसी भी अन्य रिश्ते के रूप में रहने वाले पुरुष सदस्य अगर अपनी सेहत का पूरा ध्यान नहीं रखते हैं तो परिवार के अन्य सदस्यों की यह जिम्मेदारी है, वे उन्हें अपनी हेल्थ को लेकर अवेयर करें। कई तरह की भाग-दौड़ के बावजूद अपनों का स्वास्थ्य सहेजने वाली आपा-धापी में उलझे रहने वाले बाबा, पापा, चाचा या भाई को भी उनकी परेशानियों को समझने वाला साथ चाहिए होता है। उनका हाथ थामकर डॉक्टर के पास तक ले जाने और दवा खिलाने के लिए परिवार के सदस्य समय जरूर निकालें, उनकी तकलीफों को लेकर संवेदनशील बनें।

स्वास्थ्य की अनदेखी: अध्ययन बताते हैं कि पुरुषों की प्राइमरी हेल्थ केयर के लिए चिकित्सक के पास जाने की प्रवृत्ति कम होती है। इसी वजह से पुरुषों में हृदय रोग, कैंसर और दुर्घटना में लगी चोटें, उनका जीवन छीनने के तीन प्रमुख कारणों में से एक बनकर सामने आई हैं। इतना ही नहीं पोस्टपार्टम डिप्रेशन जैसी समस्या महिलाएं ही नहीं पुरुष भी झेलते हैं। उम्र के साथ हार्मोनल बदलावों से जुड़ी परेशानियां पुरुषों के भी हिस्से आती हैं। पैरेंटिंग की यात्रा के उतार-चढ़ाव में पिता भी साझीदार होते हैं। उनकी मनःस्थिति भी बदलती है। कई तरह की चिंताएं उन्हें भी आ घेरती हैं। बावजूद इसके यह जिम्मेदारी निभाने के आयुवर्ग में अधिकतर पुरुष अपनी हेल्थ को लेकर ज्यादा सजग नहीं रहते। अपनों की संभाल का जिम्मा उठाने वाले पिता, पति और बेटे खुद अपनी स्वास्थ्य समस्याओं को सीरियसली नहीं लेते। मन ही मन बहुत सी परेशानियों से जूझते रहते हैं। अपनी तकलीफें बताने के बजाय अपनों की परेशानियों का हल निकालने में जुटे रहते हैं। ऐसे में घर की महिला सदस्य और बच्चे अपने पति, पिता और दादाजी को खुद की देखभाल के लिए प्रेरित भी कर सकते हैं और स्नेह भरा दबाव भी बना सकते हैं। अपने स्वास्थ्य की अनदेखी करने के इस बर्ताव के खिलाफ प्यारी सी जिद ठान सकते हैं। घर के पुरुष सदस्य, अपने बच्चों की बात नहीं टाल पाते हैं।

स्नेह-साथ आवश्यक: हमारे सोशल सिस्टम में बहुत सहजता से यह मान लिया जाता है कि घर के पुरुष सदस्यों को साथ, स्नेह और संवेदनशील बर्ताव की दरकार है ही नहीं। खासकर उस आयुवर्ग में जब वे अपनी जिम्मेदारियां संभालने योग्य हो जाते हैं। पिता, पति और बेटे के रूप में परिजनों के लिए हर मोर्चे पर भागम-भाग करने लगते हैं। ऐसे में बड़े होते बच्चों का अपने पिता के प्रति जुड़ाव ही संबल बन सकता है। शारीरिक स्वास्थ्य सहेजने के लिए ही नहीं भावनात्मक मजबूती के मोर्चे पर भी यह स्नेह भरा साथ बहुत आवश्यक है।

अपनों की भूमिका अहम: पुरुषों की सेहत से जुड़ी चिंताओं के प्रति अवेयरनेस लाने और बहुत सी स्वास्थ्य समस्याओं की तरफ ध्यान लाने और उसे बेहतर तरीके से प्रबंधित करने के लिए तय किया गया यह विशेष वार्षिक आयोजन (मेंस हेल्थ मंथ) वाकई अहम है। इस दौरान चलाए जाने वाले जागरूकता अभियान, यह भी बताते हैं कि घर के पुरुष मेंबर की हेल्थ संभालने के लिए अपनों की सक्रियता बेहद जरूरी है। अमेरिकी लेखक, राजनीतिज्ञ और डिप्लोमैट बिल रिचर्डसन ने कहा था कि पुरुषों की स्वास्थ्य समस्याओं को पहचानना और उन्हें रोकना केवल पुरुषों का मामला नहीं है। इसका असर पत्नियों, माताओं, बेटियों और बहनों पर भी पड़ता है। इससे स्पष्ट होता है कि पुरुषों का स्वास्थ्य वास्तव में एक व्यक्ति का नहीं पारिवारिक मुद्दा है। इसे गंभीरता से लेना चाहिए। इससे परिवार में खुशहाली आती है। *

गेमिंग जोन में खोए बच्चे

प्रिकॉशन
बाल मुकुंद ओझा

खेलों को बच्चों के मानसिक विकास के लिए जरूरी माना जाता है। लेकिन हाल के वर्षों में गेमिंग जोन और ऑनलाइन गेम्स के बढ़ते ट्रेंड से बच्चों में कई हेल्थ प्रॉब्लम्स सामने आने लगी हैं। ऐसे में पैरेंट्स को एलर्ट होने की जरूरत है।

बच्चों के लिए बनाए जाने वाले गेमिंग जोन को लेकर इस समय पूरे देश में खासी चर्चा हो रही है। सवाल है, आखिर ये गेम जोन है क्या? इसका चलन देश और विदेशों में इतना क्यों बढ़ने लगा है?

विदेश से आया ट्रेंड: गेमिंग जोन की शुरुआत विदेशों में बहुत पहले हो चुकी थी। समय के साथ अन्य तकनीकों की तरह भारत के छोटे-बड़े शहरों में इसका भी विस्तार होने लगा है। गेमिंग जोन एक ऐसी जगह होती है, जहां लोग गेम खेल सकते हैं। इसे अलग-अलग तरह के गेम्स के लिए डिजाइन किया जाता है। भारत में गेमिंग जोन की लोकप्रियता बढ़ रही है। देश में लगभग हर बड़े शहर और मेट्रो सिटीज में आपको गेमिंग जोन मिल जाएंगे।

कैसे होते हैं गेमिंग जोन: गेमिंग जोंस में वीडियो गेम्स खेलने के लिए विशेष रूप से गेम्स डिजाइन किए जाते हैं। यह एक अलग क्षेत्र होता है, जो स्पेशल गेमिंग उपकरणों से तैयार किया जाता है। गेमिंग जोन के गेम्स में प्लेयर्स को अधिक तेज और रोमांचक गेमिंग अनुभव प्राप्त करने के लिए स्पेशल फीचर्स डाले जाते हैं।

बच्चे करते हैं पसंद: बच्चों को गेमिंग जोन काफी पसंद आते हैं। इसकी वजह यह है कि पिछले कुछ सालों से बच्चों में इंडोर वीडियो गेम और फोन पर गेम्स खेलने की आदत काफी बढ़ गई है। कई मामलों में तो बच्चों को गेम की लत भी लग जाती है और वो चाहकर भी गेम खेलना छोड़ नहीं पाते। इसी तर्ज पर बनाए गए गेम्स जोन, बच्चों को खूब लुभाते हैं। यही वजह है कि छुट्टी के दिनों पर तो मॉल्स में बनाए गए गेमिंग जोन में बच्चों की काफी भीड़ रहती है। बच्चों को इस तरह के गेम्स खेलने में बहुत मजा आता है। इससे उनके शरीर में डोपामाइन नामक केमिकल ज्यादा रिलीज होता है। डोपामाइन एक न्यूरो ट्रांसमीटर है, जो हमारे शरीर के दिमाग को रोमांच, संतुष्टि और खुशी महसूस कराता है। इस वजह से बच्चे ऐसे गेम ज्यादा खेलते है।

बच्चों की हेल्थ पर बुरा प्रभाव: ऑनलाइन गेम्स हों, इंडोर गेम्स या गेमिंग जोन के गेम्स, इनकी लत बच्चों की मेंटल हेल्थ पर बैड इफेक्ट डाल सकती है। इससे बच्चों में डिप्रेशन, एंजाइटी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। बीते कुछ सालों से इस तरह के कई मामले भी सामने आए हैं, जिसमें गेम की लत ने बच्चों की मानसिक सेहत को प्रभावित किया है। उन्होंने अपने घर की चीजों, सदस्यों या दोस्तों को नुकसान भी पहुंचाया है। ऐसे गेम्स से बच्चों में हिंसक सोच भी बढ़ती है। खराब मेंटल हेल्थ के चलते बच्चों की पढ़ाई और प्रदर्शन प्रभावित होता है। ऐसे गेम्स की लत में बच्चों की मेंटल हेल्थ के साथ-साथ फिजिकल हेल्थ भी बिगड़ती है।

पैरेंट्स ना करें लापरवाही: अपने बच्चों को मोबाइल, कंप्यूटर और गेम जोन में खेलते देखकर कई माता-पिता बहुत खुश होते हैं। वे दूसरों को बड़े गर्व के साथ यह बताते तनिक भी नहीं हिचकते कि उनका बच्चा डिजिटल दुनिया के नए जमाने के साथ दौड़ रहा है। लेकिन शायद वे इस बात से अनजान हैं कि जिसे वह बच्चे की स्मार्टनेस समझ रहे हैं, वह उसके विकास में बाधा भी बन सकता है। इसलिए अगर आपके बच्चे भी ऐसे गेमिंग जोन में या ऑनलाइन गेमिंग में अकसर या बहुत ज्यादा समय बिताते हैं तो बिना देर किए आपको इस पर गहनता से विचार करने की जरूरत है। आपका बच्चा ऐसे गेम्स का एडिक्ट हो जाए, उससे पहले ही आपको एलर्ट हो जाना चाहिए। ऐसा न हो कि आपके बच्चे का बचपन गेमिंग जोन के चमक-दमक वाले मायाजाल में कहीं खो जाए। इसलिए इस लत से छुटकारा दिलाने के लिए पहले अपने स्तर पर प्यार से समझाने का प्रयास करें। जरूरत हो तो चाइल्ड काउंसलर या साइकोलॉजिस्ट की मदद भी ले सकते हैं। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

गहन सामाजिक विमर्श

जगमोहन सिंह राजपूत शिक्षाविद तो हैं ही, सामाजिक, राष्ट्रीय और वैश्विक मुद्दों के विचारक भी हैं। हाल में आई पुस्तक 'भारतीय विरासत और वैश्विक समस्याएं (व्यग्रता, उग्रता और समग्रता)' में उनके कई विचारोत्तेजक लेख संकलित हैं। यहां पर लेखक ने कई ऐसी समस्याओं पर विचार किया है, जो केवल एक देश-समाज के लिए ही नहीं संपूर्ण विश्व के लिए चुनौती बने हुए हैं। आज आतंकवाद, सांप्रदायिक उन्माद, असहनशीलता और संवेदनहीनता जैसी समस्याओं का सामना संपूर्ण मानव समाज कर रहा है। ये ऐसी समस्याएं हैं, जिनके निवारण के बिना हम एक सभ्य समाज, विकासोन्मुख देश और बेहतर दुनिया की उम्मीद नहीं कर सकते हैं। अच्छी बात यह है कि इन समस्याओं के मूल कारणों, इनके दुष्परिणामों पर ही नहीं, उनके समाधान के रास्तों पर भी लेखक ने इन लेखों में गहनता से विचार किया है। *

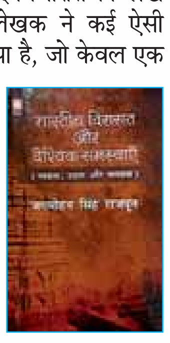

पुस्तक: भारतीय विरासत और वैश्विक समस्याएं, **लेखक:** जगमोहन सिंह राजपूत, **मूल्य:** 350 रुपए, **प्रकाशक:** किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली

लघुकथाएं

तपती दुपहरी

भीषण गर्मी की तपती दुपहरी थी। घर से बाहर निकलते लगता कि आदमी बेहोश होकर गिर जाएगा। धरती पर कण-कण तप रहा था। लेकिन बुलकिया को दम मारने की भी फुरसत नहीं थी। वह सुबह से ही लगी हुई थी। जल्दी-जल्दी ईंटे ढो रही थी। यह सोचती, बस एक खेप और...बस एक खेप और... फिर बच्चे को दूध पिला आएगी। बीच-बीच में बच्चा उठता, थोड़ी देर रोता फिर सो जाता। भीषण लू चल रही थी। पेट की बात नहीं होती तो बुलकिया निकलती भी नहीं। उसने कनखियों से बच्चे कजरा की ओर देखा। वह बस साल भर का था, नीम के पेड़ के नीचे लेटा हुआ था। पेड़ अब ठूंठ ही बचा था। पेड़ की शाखों पर नाम मात्र की पत्तियां ही बची थीं। बुलकिया को तेज भूख लग आई थी, लेकिन वह ईंटों को ढोने में लगी हुई थी। आधी दोपहर निकल गई थी। वह भी बेचारी क्या करे? उसका आदमी रामसूरतवा डेढ़ साल हुए पैसा कमाने पहले विदेश चला गया था। बैंक के दलालों की मदद से किसी तरह पैसा कर्जा लेकर वह दुबई गया था, लेकिन वह घर नहीं लौटा। दुबई में कहीं टावर पर चढ़कर काम कर रहा था। एक बार नीचे गिरा तो उठ ना सका। बुलकिया अपने पति की लाश भी नहीं देख पाई थी। बैंक से दो लाख का कर्जा लेकर गया था पति, साल भर से वह उसका मय ब्याज चुका रही है। रामसूरतवा अपने पीछे दो बच्चे छोड़ गया है- मिंटुआ और कजरा। मिंटुआ तो खैर बड़ा हो गया है। बड़ा भी भला क्या हुआ है, चौदह साल का है। अट्ठारह घंटे चूड़ी फैक्ट्री में काम करता है। तब जाकर वो पांच हजार कमा पाता है। उसकी कमाई से ही घर चलता है।

पेड़ के नीचे कजरा बहुत देर से लेटा था। धूप की किरणें कांच की किरचों की तरह उसके बदन पर चुभ रही थीं। अचानक से वह जोर-जोर से रोने लगा। सुरेखवा से नहीं रहा गया तो चिल्लाई, 'अरे बहन! सुबह से ही बच्चे को धूप में सुला रखा है। कम-से-कम उसे छाया में तो लिटा, उसे कुछ खिला-पिला दे। तू भी तो कुछ खा-पी ले। इतनी धूप में क्यों काम कर रही है? थोड़ा सुस्ता ले बहन। काहे जान देने पर तुली है? बचेगी तो तभी काम करेगी, जा कुछ खा ले। यहां तो ऐसे लोग हैं, जो ठंडे एसी कमरों में पड़े हुए हैं।

एक हमारा नसीब है, धूप और लू में भी काम करना पड़ रहा है। सब अपने-अपने भाग्य की बात है।' तभी रामानंद ठेकेदार उधर से गुजरा, उसने भी टोका, 'ऐ, बुलकिया, तुझे और तेरे बच्चे को धूप नहीं लग रही है क्या? जा थोड़ा सुस्ता ले।'

बुलकिया के मन में आया कह दे, 'बाबू, भूख के आगे धूप कहां लगती है।' लेकिन उसे लगा उसकी आवाज को लकवा मार गया है। *

-महेश कुमार केशरी

प्यासा कौआ

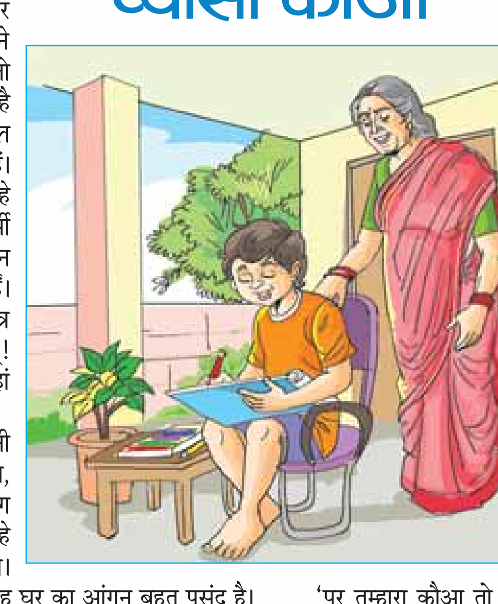

ओह कैसी गर्मी है? दो-चार रोटियां बनाने में जी घबरा गया। ये सिल्लो भी कितनी छुट्टी करती है और नलों का भी यही हाल है। सारे बर्तन खाली पड़े हैं। सूखे नल ही हुड़हुड़ा रहे हैं।' पसीना पोंछते हुए गर्मी को कोसते हुए वह किचन से बाहर निकल आईं। सामने उन्हें अपना पौत्र दिखाई दिया, 'अरे बंटू! इतनी गर्मी में तुम यहां बैठे हो?'

आंगन में रखी अपनी छोटी कुर्सी पर बैठा हुआ, अपनी ही धुन में ड्राइंग कॉपी में अपने नन्हे-नन्हे हाथ से कुछ बना रहा था। बंटू को भी उसकी ही तरह घर का आंगन बहुत पसंद है। गमलों में मुस्कुराते एक से एक सजावटी पौधे, कोने में पारिजात के पेड़ पर टंगी घंटियां और एक विशिष्ट सजावट मन को सुकून से भर देता है यह आंगन। उन्होंने बंटू से कहा, 'इस गर्मी में बाहर बैठे हो! चलो अंदर चलो।'

बंटू ने बताया, 'दादी मैं ड्राइंग बना रहा हूं।'

उन्होंने कॉपी में झांक कर देखा पेड़, पौधे चिड़ियां, लाल-पीले फूल, तितलियां और आसमान में बादल, झरती वर्षा की बूंदें, वहीं दूसरी ओर खाली मटका, मटके के पास एक मृत कौआ।

'यह क्या बंटू?' उन्होंने पूछा।

'दादी कल आपने कहानी सुनाई थी न, कौए को कहीं भी पानी नहीं मिला, सब जगह सूखा ही सूखा। कहीं भी पानी की एक बूंद भी नहीं और कौआ प्यासा ही मर गया।' बंटू की आवाज में एक पीड़ा थी।

वह आगे भी बोला, 'देखो दादी, मैंने पेड़, लगाए हैं, उससे बादल आए, बारिश आई और यह नदी! देखो नदी में कितना सारा पानी है।' उन्होंने देखा बंटू के मुख और स्वर से खुशी फूट रही थी।

'पर तुम्हारा कौआ तो प्यासा ही मर गया। अब क्या फायदा?' उन्होंने बंटू से पूछा।

'दादी देखो! दूसरा कौआ तो आकाश में उड़ रहा है न।' वह बोला।

न जाने क्यों निगाहें अपने आप ही आसमान की ओर उठ गईं। उफ्फ! आग उगलते आसमां में एक भी परिंदा न दिखा। पर उन्होंने मिट्टी के खाली सकोरों को पानी से लबालब जरूर भर दिया। *

-यशोधरा भटनागर

भारतीय महिला कम्पाउंड तीरंदाजी टीम ने वर्ल्ड कप में लगाई स्वर्ण पदकों की हैट्रिक

एजेंसी ▸▸| अंताल्या

भारतीय तीरंदाज ज्योति सुरेखा वेन्नम, अदिति स्वामी और परनीत कौर की कम्पाउंड महिला टीम ने इस सत्र में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए शनिवार को यहां तीसरे चरण में एस्टोनिया पर जीत से विश्व कप में स्वर्ण पदकों की हैट्रिक लगाई। शीर्ष वरीयता प्राप्त इस तिकड़ी ने यहां एकतरफा फाइनल में एस्टोनिया की लिसेल जाटमा, मीरी मैरिटा पास और मैरिस टेट्समैन को 232-229 से हराया। भारत की महिला कम्पाउंड टीम ने अप्रैल में शंघाई और और मई में येचियोन में क्रमशः विश्व कप के पहले चरण और दूसरे चरण के स्वर्ण पदक जीते थे। इस तरह टीम इस सत्र में अपराजेय रही है। रिकर्व वर्ग में अंकिता भकत और धीरज बोम्मादेवरा भी दो पदकों की दौड़ में हैं क्योंकि दोनों व्यक्तिगत सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं।

ज्योति, अदिति स्वामी और परनीत ने रचा इतिहास

235-227 से क्वार्टर में एल साल्वाडोर को हराया

234-227 से सेमीफाइनल मैच में तुर्किये को रौंदा

232-229 से फाइनल में एस्टोनियाई तिकड़ी को हराया

साल का तीसरा और लगातार चौथा गोल्ड

भारतीय विमेंस टीम का कंपाउंड में वर्ल्ड कप में यह लगातार चौथा गोल्ड है। इससे पहले ज्योति सुरेखा वेन्नम, अदिति स्वामी और परनीत कौर ने इस साल के तीन वर्ल्ड कप में गोल्ड जीतने से पहले पिछले साल पेरिस में हुए चौथे वर्ल्ड कप में भी गोल्ड जीता था। वहीं भारतीय टीम की वर्ल्ड कप में यह लगातार 13वीं जीत है। भारतीय टीम 2023 मेडेलिन वर्ल्ड कप से एक भी मैच नहीं हारी है। मेडेलिन वर्ल्ड कप में भारतीय टीम ने ब्रॉन्ज मेडल जीता था।

फाइनल का रोमांच

फाइनल में पहले राउंड में भारतीय तिकड़ी ने 58-57 की बढ़त ली। दूसरे राउंड में दोनों टीमों ने 57-57 शॉट लगाए। जिसके बाद एक्स्ट्रा पांच शॉट मिले, जिसमें भारतीय टिकड़ी एक अंक से आगे रही। वहीं आखिरी राउंड में भी भारतीय तिकड़ी ने 58 शॉट लगाए, जबकि एस्टोनिया की टीम 57 शॉट ही लगा पाई। इस तरह भारतीय टीम ने 232-229 से हरा दिया।

टेनिस

नागल ने की पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने की पुष्टि

एजेंसी ▸▸| चेन्नई

भारतीय टेनिस स्टार सुमित नागल ने शनिवार को पुष्टि की कि उन्होंने आगामी पेरिस ओलंपिक की पुरुष एकल स्पर्धा के लिए आधिकारिक तौर पर क्वालीफाई कर लिया है। नागल के लिए यह दूसरा ओलंपिक होगा। उन्होंने इससे पहले 2020 टोक्यो खेलों के लिए भी क्वालीफाई किया। वह टोक्यो में दूसरे दौर में पहुंचे थे। नागल ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'यह बताते हुए बेहद खुशी हो रही है कि मैंने आधिकारिक तौर पर 2024 पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर लिया है। यह मेरे लिए एक यादगार क्षण है क्योंकि ओलंपिक मेरे दिल में एक विशेष स्थान रखता है। टोक्यो ओलंपिक 2020 में हिस्सा लेना मेरे करियर का मुख्य आकर्षण में से एक था। इसके बाद से पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करना मेरा लक्ष्य था। ओलंपिक में अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का इंतजार कर रहा हूं।' अखिल भारतीय टेनिस संघ ने कहा कि आईटीएफ के अनुसार 10 जून को क्वालीफिकेशन के लिए जब खिलाड़ियों की रैंकिंग पर विचार किया गया था तब नागल वैकल्पिक खिलाड़ियों की सूची में थे। रोहन बोपन्ना और एन श्रीराम बालाजी पेरिस खेलों में पुरुष युगल स्पर्धा में प्रतिस्पर्धा करेंगे।

एमबापे नहीं खेले, फ्रांस-नीदरलैंड का मैच रहा ड्रॉ

लीपजिग। स्टार स्ट्राइकर काइलियन एमबापे पिछले मैच में लगी चोट के कारण नहीं खेल पाए जिसका फायदा उठाकर नीदरलैंड ने यूरोपीय फुटबॉल चैंपियनशिप के मैच में फ्रांस को गोलरहित ड्रॉ पर रोक दिया। फ्रांस की ऑस्ट्रिया के खिलाफ पिछले मैच में 1-0 से जीत के दौरान एमबापे की नाक में चोट लग गई थी और उनका इस मैच में खेलना संदिग्ध था। एमबापे ने गुरुवार को मास्क पहनकर अभ्यास किया था और फ्रांस के कोच डिडिएर डेसचैम्प्स को उम्मीद थी कि यह स्टार फुटबॉलर नीदरलैंड के खिलाफ मैच तक फिट हो जाएगा। उन्होंने हालांकि नीदरलैंड के शारीरिक रूप से मजबूत डिफेंडरों के सामने एमबापे को उतारने का जोखिम उठाना उचित नहीं समझा।

इंडिया ने बांग्लादेश को हराया, सेमीफाइनल की ओर बढ़ी

एंटीगुआ। टीम इंडिया ने शनिवार को बांग्लादेश को 50 रन से हरा दिया। सुपर-8 स्टेज में ये टीम इंडिया की दूसरी जीत है। इसके साथ ही टीम सेमीफाइनल के और करीब पहुंच गई है। बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हसन शांतो ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला लिया था। बैटिंग पिच पर सूर्य कुमार को छोड़कर टीम इंडिया के हर टॉप ऑर्डर बल्लेबाज ने स्कोर किया और 196 रन बनाए। हार्दिक पंड्या ने भारतीय पारी की आखिरी गेंद पर चौका मारकर अपनी फिफ्टी पूरी की। इसी पिच पर जब भारत ने गेंदबाजी शुरू की, तो बांग्लादेशी बल्लेबाजों को रन नहीं बनाने दिए। कुलदीप यादव ने अपने 4 ओवर में 3 विकेट लिए और सिर्फ 19 रन खर्च किए।

चोटिल एंडी लेंगे सर्जरी का सहारा

एजेंसी ▸▸| लंदन

पूर्व नंबर एक टेनिस खिलाड़ी एंडी मरे विंबलडन या पेरिस ओलंपिक में खेलने की कोशिश के बारे में कोई फैसला लेने से पहले पीठ की चोट से निपटने के लिए शनिवार को सर्जरी करवाएंगे। सैंतीस साल के मरे ने पीठ दर्द के कारण बुधवार को क्वींस क्लब में अपने दूसरे दौर के मैच को बीच में ही छोड़ दिया था, तब वह जॉर्डन थॉम्पसन से 1-4 से पीछे चल रहे थे। ब्रिटेन के इस खिलाड़ी ने मुकाबले के शुरू होने से पहले ही अपने दाहिने पैर में परेशानी की शिकायत की थी। मरे पिछले कई साल से लगातार अलग-अलग चोट का सामना कर रहे हैं।

कार्यालय कलेक्टर अनूपपुर (म.प्र.) एवं पदेन उपसचिव मध्य प्रदेश शासन राजस्व विभाग

क्रमांक- 2486/10/फा./ भू-अर्जन / 2024 — अनूपपुर, दिनांक-13/06/2024

// अधिसूचना //

धारा-11

चूँकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न सूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है। अत: भू-अर्जन पुनर्वास और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 की धारा-11 की उपधारा (1) के उपबंधो के अनुसार सभी संबंधित व्यक्ति को इस आशय की सूचना दी जाती है। राज्य शासन, इसके द्वारा अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 12 द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिये प्राधिकृत करता है :-

॥ अनुसूची ॥

भूमि का अर्जन: जिला	तहसील	ग्राम एवं प.ह.नं.	भूमि का लगभग क्षेत्रफल हे.में अर्जित रकवा	अधिनियम की धारा-12 के तहत् प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
1	2	3	4	5	6
अनूपपुर	पुष्पराजगढ़	पुरागा प.ह.नं. 075	14.008	कार्यापालन यंत्री नर्मदा विकास संभाग क्रं.-1 डिण्डोरी (म.प्र.)	नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण के अंतर्गत अपर नर्मदा परियोजना के बांध निर्माण कार्य हेतु
कुल योग			14.008		

(1) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकत है-नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण के अन्तर्गत अपर नर्मदा परियोजना के बांध निर्माण कार्य हेतु ।(2). अर्जित की जाने वाली उल्लेखित प्रस्तावित भूमि के बारे में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा अधिसूचना प्रकाशन वेबसाईट www.anuppur.nic.in व मध्यप्रदेश शासन राजस्व विभाग भोपाल की वेबसाइट www.mprevenue.nic.in पर देखी जा सकती है।(3) भूमि के नक्शा (प्लान) का निरीक्षण कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) पुष्पराजगढ़ या कार्यपालन यंत्री नर्मदा विकास संभाग क्र.-1, डिंडोरी (म.प्र.) के कार्यालय में देखा जा सकता है ।

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार
(आशीष वशिष्ठ)
कलेक्टर अनूपपुर एवं पदेन उप सचिव
म.प्र. शासन राजस्व विभाग

G-12214/24

कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी
जिला चिकित्सालय, जिला सिवनी (म.प्र.)-480661
Email: cmhoseo@nic.in_Ph. 9424967402

क्रं./स्टोर/2024-25/3806 — सिवनी दिनांक 12/06/24

निविदा का प्रारूप

कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला सिवनी के अधीन NHM एवं समस्त स्वास्थ्य संस्थाओं के लिये वर्ष 2024 - 25 हेतु मुद्रण का कार्य कराये जाने के लिये खुली निविदा का आमंत्रण किया जाता है ।निविदा मान्यता प्राप्त प्रतिष्ठित निमार्ताओं / अधिकृत विक्रेताओं से ऑनलाइन ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बंधित समस्त दस्तावेज / प्रपत्र व नियम शर्तें वेबसाइट https://mptenders.gov.in/ पर देखे जा सकते है ।निविदा प्रपत्र मूल्य रुपए 1000/- (एक हजार रुपये मात्र) ऑनलाइन पोर्टल पर क्रेडिट / डेबिट कार्ड / इंटरनेट बैंकिंग / यूपीआई आदि के माध्यम से भुगतान कर वेबसाइट https://mptenders.gov.in/ से क्रय किये जा सकते है । निविदा निम्नानुसार जारी किये जा रहे है :-

निविदा बिक्री दिनांक	दिनांक 24.06.2024 प्रात: 10 बजे से
निविदा बिक्री समाप्त दिनांक	दिनांक 08 :07.2024 को सायं 5 बजे तक
निविदा जमा करने की दिनांक	दिनांक 08.07.2024 को सायं 5 बजे तक
तकनीकी निविदा खोलने की दिनांक	दिनांक 10.07.2024 को दोपहर 13.30 बजे तक
निविदा की धरोहर राशि	रू.20000 /- मात्र
निविदा प्रपत्र की राशि	रू. 1000/- मात्र

निविदा प्रपत्र की हार्ड कापी निर्धारित तिथि एवं समय तक कार्यालय में जमा कराया जाना अनिवार्य है ।अन्यथा निविदा स्वीकर नही की जावेगी ।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी
जिला - सिवनी

G-12194/24

कार्यालय कलेक्टर जिला सिवनी एवं पदेन उपसचिव मध्यप्रदेश शासन राजस्व विभाग

क्रमांक / 4199 / जि.भू.अ./2024 — सिवनी दिनांक 20/06/2024

भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 की धारा 15 (1) के अंतर्गत प्रारभिक अधिसूचना के प्रकाशन तारीख से प्रावधानित समय सीमा 60 दिवस की अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने के कारण अधिनियम की धारा 15 (2) के अंतर्गत कोई रिपोर्ट की आवश्यकता नही है। इस आधार पर समुचित सरकार को यह समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) मे वर्णित परियोजना हेतु अनुसूची के पद (2) मे उल्लेखित निजी भूमि एवं उस पर स्थित स्थावर परिसंपत्तियों की सार्वजनिक लोक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है। अत: भूमि अर्जन पुनर्वासन, पुनर्व्यवस्थापन मे उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 की धारा-19 अंतर्गत यह घोषित किया जाता है कि निम्न अनुसूचियों के पद (2) में वर्णित भूमि एवं उस पर स्थित स्थाई परिसंपत्तियां लोक प्रयोजन हेतु आपेक्षित है :-

अनुसूची

1- परियोजना का नाम :- मटामा (मुँडरई) जलाशय परियोजना
2- भूमि का विवरण
(क) जिला - सिवनी (ख) तहसील - लखनादौन
(ग) नगर/ग्राम - गुंगवारा प.ह.न. - 103 (घ) लगभग क्षेत्रफल - 3.44 हेक्टेयर

स.क्र.	सर्वेक्षण संख्या	स्वामित्व का प्रकार	भूमि का प्रकार	अर्जन का क्षेत्र. हे. मे	हितबद्ध व्यक्ति का नाम और पता	सीमाऐं: उत्तर	दक्षिण	पूर्व	पश्चिम	वृक्ष: प्रगति किस्म	संख्या	सरचनाऐं: प्रकार	प्लिथ एरिया
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
1	212	भूमिस्वामी	कृषि	0.12	बैनाबाई बेवा सूरजसिंह संतोषसिंह उर्मिला बाई दुगार्बाई गौरीबाई पिता सूरजसिंह जाति राजपूत नि.ग्रा भूमिस्वामी	सत्येन्द्र पि. नोखेसिंह की भूमि	ग्राम सरहद बिजना	इन्द्रकुमारी पत्नी भीकमसिंह वगैरह की भूमि	बैनाबाई बेवा सूरजसिंह वगैरह की शेष भूमि	-	-	-	-
2	211	भूमिस्वामी	कृषि	0.04	सत्येद्रसिह पिता नोखेसिह जाति राजपूत नि.ग्रा भूमिस्वामी	बिसराम पि. नोखेसिंह की भूमि	बैनाबाई बेवा सूरजसिंह वगैरह की भूमि	इन्द्रकुमारी पत्नी भीकमसिंह वगैरह की भूमि	सत्येन्द्र पि. नोखेसिंह की शेष भूमि	-	-	-	-
3	213	भूमिस्वामी	कृषि	0.13	इंद्रकुमारी पत्नी भीकमसिह यशवंतसिंह पुत्र भीकमसिह जाति राजपूत नि.ग्रा. भूमिस्वामी	मंगोबाई बेवा बाबूसिंह बगैरह की भूमि	ग्राम सरहद बिजना	इन्द्रकुमारी पत्नी भीकमसिंह वगैरह की शेष भूमि	बैनाबाई बेवा सूरजसिंह वगैरह की शेष भूमि	-	-	-	-
4	210	भूमिस्वामी	कृषि	0.06		रामजी पिता बुटानी की भूमि	सत्येन्द्र पि. नोखेसिंह की भूमि	मंगोबाई बेवा बाबूसिंह बगैरह की भूमि	बिसराम पि. नोखेसिंह की शेष भूमि	-	-	-	-
5	204	भूमिस्वामी	कृषि	0.21	बिसराम पिता नोखेसिह जाति राजपूत नि. ग्रा. भूमिस्वामी	बिसराम पि. नोखेसिंह की शेष भूमि	महेश दुर्गेश गीता रज्जो दुलारी पिता लालसिंह की भूमि	पुरूषोत्तम पिता लेखसिंह की भूमि	शासकीय रास्ता	-	-	-	-
6	209/2	भूमिस्वामी	कृषि	0.04	रामजी पिता बुटानी जाति रजभर नि.ग्रा. भूमिस्वामी	राकेशकुमार पिता महेशसिह की भूमि	बिसराम पि. नोखेसिंह की भूमि	मंगोबाई बेवा बाबूसिंह की भूमि	रामजी पिता बुटानी की शेष भूमि	-	-	-	-
7	209/4	भूमिस्वामी	कृषि	0.06	राकेशकुमार पिता महेशसिह जाति राजपूत नि.ग्रा.भूमिस्वामी	ईश्वरसिह पिता पुरुषोत्तम की भूमि	रामजी पिता बुटानी की भूमि	गौरीसिंह पि. कुम्मा सिंह बगैरह की भूमि	राकेशकुमार की शेष भूमि	-	-	-	-
8	215/2	भूमिस्वामी	कृषि	0.11	मंगोबाई बेवा बाबूसिह रामनाथ पूर्णिमाबाई पिता बाबूसिह जाति राजपूत नि.ग्रा. भूमिस्वामी	गौरीसिंह पि. कुम्मासिंह की भूमि	इन्द्रकुमारी पत्नी भीकम सिंह वगैरह की भूमि	मंगोबाई बेवा बाबूसिंह बगैरह की भूमि	विक्रम पि. नोखेसिंह की शेष भूमि	-	-	-	-
9	215/3	भूमिस्वामी	कृषि	0.13	ओमकुमारी बेवा गौरीसिंह दिनेशसिंह अशोक सिंह रामगोपाल पिता गौरीसिंह जाति राजपूत नि.ग्रा भूमिस्वामी	राधाबाई पि. कुम्मासिंह की भूमि	मंगोबाई बेवा बाबूसिंह बगै-रह की भूमि	ओमकुमारी बेवा गौरीसिंह वगैरह की भूमि	राकेशकुमार पिता महेशसिह की शेष भूमि	-	-	-	-
10	206/2	भूमिस्वामी	कृषि	0.10	ईश्वरसिह पिता पुरुषोत्तम सिह जाति राजपूत नि.ग्रा. भूमिस्वामी	शासकीय रास्ता	ईश्वरसिह पिता पुरुषोत्तम की शेष भूमि	गौरीसिंह पि. कुम्मासिंह की भूमि	ईश्वरसिह पिता पुरुषोत्तम की शेष भूमि	-	-	-	-
11	206/1	भूमिस्वामी	कृषि	0.07	पुरूषोत्तम पिता लेखसिंह जाति राजपूत नि.ग्रा भूमिस्वामी	शासकीय रास्ता	पुरूषोत्तम पिता लेखसिंह की शेष भूमि	बिसराम पि. नोखेसिंह की शेष भूमि	शासकीय रास्ता	-	-	-	-
12	207	भूमिस्वामी	कृषि	0.20	महेश दुर्गेश गीता रज्जो दुलारी पिता लालसिंह जाति राजपूत नि.ग्रा. भूमिस्वामी	बिसराम पि. नोखेसिंह की भूमि	महेश दुर्गेश गीता रज्जो दुलारी पिता लालसिंह की शेष भूमि	बिसराम पि. नोखेसिंह की शेष भूमि	शासकीय रास्ता	-	-	-	-
13	206/3	भूमिस्वामी	कृषि	0.03	पुष्पेन्द्र उर्फ पुष्पकुमार पिता पुरूषोत्तमसिह जाति राजपूत नि.ग्रा भूमिस्वामी	बिसराम पि. नोखे सिंह की भूमि	पुष्पेन्द पिता पुरूषोत्तमसिंह की शेष भूमि	पुरूषोत्तम पिता लेखसिंह की भूमि	महेश वगैरह पिता लालसिंह की भूमि	-	-	-	-
14	202/2	भूमिस्वामी	कृषि	0.07	संजयकुमार पिता अमरसिह जाति राजपुत नि.ग्रा भूमिस्वामी	ताराबाई पति हुल्क रसिह की शेष भूमि	संजयकुमार पिता अमरसिह की शेष भूमि	शासकीय रास्ता	अमरसिह पि. राम सिंह की भूमि	-	-	-	-
15	202/	भूमिस्वामी	कृषि	0.05	ताराबाई पति हुल्करसिह जाति राजपूत नि.ग्रा. भूमिस्वामी	ताराबाई पति हुल्क रसिह की शेष भूमि	संजयकुमार पिता अमरसिह की भूमि	शासकीय रास्ता	गुमता बाई पति हुल्करसिह की बगैरह कीभूमि	-	-	-	-
16	201/3	भूमिस्वामी	कृषि	0.07	खुब्बाबाई दया ऊर्फ दयाबती ताराबाई निर्मला बाई पिता हुल्करसिंह जाति राजपूत नि.ग्रा. भूमिस्वामी	गुमता बाई पति हुल्करसिह की बगैरह की भूमि	अमरसिह उर्फ रामकुमार पिता रामसिह की भूमि	ताराबाई पति हुल्क रसिह की भूमि	ओमप्रकाशसिह पिता मोहनसिह की भूमि	-	-	-	-
17	201/2	भूमिस्वामी	कृषि	0.13	अमरसिह उर्फ रामकुमार पिता रामसिह जाति राजपूत नि.ग्रा. भूमिस्वामी	गुमता बाई पति हुल्करसिह की बगैरह की भूमि	अमरसिह उर्फ रामकुमार पिता रामसिह की शेष भूमि	संजयकुमार पिता अमरसिह की भूमि	ओमप्रकाशसिह पिता मोहनसिह की भूमि	-	-	-	-
18	182	भूमिस्वामी	कृषि	0.13		ओमप्रकाशसिह पिता मोहनसिह की शेष भूमि	ओमप्रकाशसिह पिता मोहनसिह की शेष भूमि	मुनीसिंह पि. कमलसिंह की भूमि	शासकीय भू-जल	-	-	-	-
19	172	भूमिस्वामी	कृषि	0.15	ओमप्रकाशसिह पिता मोहनसिह राजपूत नि.ग्रा.भूमिस्वामी	ओमप्रकाशसिह पिता मोहनसिह की शेष भूमि	ओमप्रकाशसिह पिता मोहनसिह की शेष भूमि	गुमता बाई पति हुल्करसिह की बगैरह की भूमि	लाखनसिह पिता कमलसिह की भूमि	-	-	-	-
20	175	भूमिस्वामी	कृषि	0.14		ओमप्रकाशसिह पिता मोहनसिह की शेष भूमि	ओमप्रकाशसिह पिता मोहनसिह की शेष भूमि	लाखनसिह पिता कमलसिह की भूमि	शासकीय भू-जल	-	-	-	-
21	173/1	भूमिस्वामी	कृषि	0.08	लाखनसिह पिता कमलसिह जाति राजपूत नि.ग्रा. भूमिस्वमी	लाखनसिह पिता कमलसिह की शेष भूमि	मुनीसिंह पि. कमलसिंह की शेष भूमि	ओमप्रकाशसिह पिता मोहनसिह की भूमि	ओमप्रकाशसिह पिता मोहनसिह की भूमि	-	-	-	-
22	173/2	भूमिस्वामी	कृषि	0.08	मुनीसिंह पिता कमलसिंह जाति राजपूत नि.ग्रा भूमिस्वामी	लाखनसिह पिता कमलसिह की शेष भूमि	मुनीसिंह पिता कमलसिंह की शेष भूमि	ओमप्रकाशसिह पिता मोहनसिह की भूमि	ओमप्रकाशसिह पिता मोहनसिह की भूमि	-	-	-	-
23	179	भूमिस्वामी	कृषि	0.07	अन्नीसिह पिता श्रीचंद जाति राजपूत नि.ग्रा भूमिस्वामी	छित्तोबाई ध.प. हुकुमसिह बगैरह की भूमि	अन्नीसिह पिता श्रीचंद की भूमि	शासकीय भू-जल	सोमतीबाई पति कलीराम की भूमि	-	-	-	-
24	177	भूमिस्वामी	कृषि	0.07	छित्तोबाई ध.प.हुकुमसिह सरोज पिता हुकुमसिह ललिता ध.प.संतोष राहुल पिता संतोष जाति राजपूत नि.ग्रा. भूमिस्वामी	छित्तोबाई ध.प. हुकुमसिह बगैरह की शेष भूमि	अन्नीसिह पिता श्रीचंद की भूमि	शासकीय भू-जल	सोमतीबाई पति कलीराम की भूमि	-	-	-	-
25	178/1	भूमिस्वामी	कृषि	0.04	सोमतीबाई पति कलीराम जाति गौंड नि.ग्रा. भूमिस्वामी	सोमतीबाई पति कलीराम की शेष भूमि	सोमतीबाई पति कलीराम की शेष भूमि	छित्तोबाई ध.प. हुकुमसिह बगैरह की भूमि	शासकीय भू-जल	-	-	-	-
26	215/1	भूमिस्वामी	कृषि	0.10	राधाबाई पति कुम्मासिह जाति राजपूत नि.ग्रा. भूमिस्वामी	रत्नमाला पति सुरेन्द्रसिंह	गौरीसिंह पि. कुम्मासिंह की भूमि	दिनेशसिंह पि. टोपसिंह की भूमि	ईश्वरसिंह पिता पुरूषोत्तम सिंह की भूमि	-	-	-	-
27	217/2	भूमिस्वामी	कृषि	0.05	पार्वतीबाई पति सोहनसिंह जाति राजपूत नि.ग्रा भूमिस्वामी	गंगाबाई पति हरि ओम सिंह की भूमि	सोहनसिह पिता मक्खनसिह की भूमि	पार्वतीबाई पति सोहनसिंह की शेष भूमि	रत्नमाला पति सुरेन्द्रसिंह की भूमि	-	-	-	-
28	217/1/1	भूमिस्वामी	कृषि	0.16	सोहनसिह पिता मक्खनसिह जाति राजपूत नि.ग्रा. भूमिस्वामी	पार्वतीबाई पति सोहनसिंह की शेष भूमि	सूर्यकांत ना.बा. पिता व बली मुकेशसिंह की भूमि	सोहनसिह पिता मक्खनसिह की शेष भूमि	रत्नमाला पति सुरेन्द्रसिंह की भूमि	-	-	-	-
29	217/1/2	भूमिस्वामी	कृषि	0.16	सूर्यकांत ना.बा. पिता व बली मुकेशसिंह जाति राजपूत नि.ग्रा. भूमिस्वामी	सोहनसिह पिता मक्खनसिह की शेष भूमि	दिनेशसिंह पि. टोपसिंह की भूमि	सूर्यकांत ना.बा. पिता व बली मुकेशसिंह की शेषभूमि	रत्नमाला पति सुरेन्द्रसिंह की भूमि	-	-	-	-
30	218/2	भूमिस्वामी	कृषि	0.16	मुकेशसिह पिता तुलसीसिह जाति राजपूत नि.ग्रा. भूमिस्वामी	संतोष सिंह पिता सूरजसिह बगैरह की भूमि	मुकेशसिह पिता तुलसीसिह की शेषभूमि	ग्राम सीमा	गंगाबाई पति हरि ओम सिंह की भूमि	-	-	-	-
31	217/3	भूमिस्वामी	कृषि	0.06	गंगाबाई पति हरिओमसिह जाति राजपूत नि.ग्रा. भूमिस्वामी	हरिओमसिंह पितासोहनसिंह की भूमि	गंगाबाई पति हरिओम सिंह की शेष भूमि	मुकेशसिह पिता तुलसीसिह की शेषभूमि	सुरेन्द्र सिह पिता मक्खनसिह की भूमि	-	-	-	-
32	133	भूमिस्वामी	कृषि	0.12	संतोष सिंह पिता सूरजसिह राजपूत नि.ग्रा. भूमिस्वामी	संतोष सिंह पिता सूरजसिह शेष की भूमि	मुकेशसिह पिता तुलसीसिह की भूमि	ग्राम सीमा	दिगपाल सिह पुत्र चेतनसिह की भूमि	-	-	-	-
33	134	भूमिस्वामी	कृषि	0.13	दिगपाल सिह पुत्र चेतनसिह जितेन्द्रसिह पुत्र श्यामसिह जाति राजपूत नि.ग्रा. भूमिस्वामी	दिगपाल सिह पि. चेतनसिह शेष की भूमि	मुकेशसिह पिता तुलसीसिह की भूमि	संतोष सिंह पिता सूरजसिह की भूमि	हरिओमसिंह पितासोहनसिंह की भूमि	-	-	-	-
34	135/1	भूमिस्वामी	कृषि	0.12	हरिओमसिंह पितासोहनसिंह जाति राजपूत नि.ग्रा. भूमिस्वामी	हरिओमसिंह पितासोहनसिंह की शेष भूमि	गंगाबाई पति हरिओम सिंह की भूमि	दिगपाल सिह पि. चेतनसिह जितेन्द्र पि.श्यामसिह की भूमि	सुरेन्द्र सिह पिता मक्खनसिह की भूमि	-	-	-	-
योग	34			3.44									

1. अर्जित की जाने वाली उल्लेखित प्रस्तावित भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं भू-अर्जन अधिकारी लखनादौन जिला सिवनी के कार्यालय में किया जा सकता है। 2. अर्जित की जाने वाली उल्लेखित प्रस्तावित भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण कार्यालय कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन संभाग क्रमांक 1 सिवनी जिला सिवनी के कार्यालय में किया जा सकता है। 3. अर्जित की जाने वाली उल्लेखित भूमि के सार्वजनिक प्रयोजन का विवरण जिसके लिये भूमि की आवश्यकता है :- मटामा (मुँडरई) जलाशय परियोजना की बायी तट मुख्य नहर एवं गुंगवारा माइनर नहर निर्माण कार्य हेतु निजी भूमि के अर्जन के संबंध में ।

मध्य प्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार

(क्षितिज सिंघल)
कलेक्टर जिला सिवनी एवं पदेन उपसचिव
मध्यप्रदेश शासन राजस्व विभाग
जिला सिवनी (म.प्र.)

G-12185/24

दो अधिकारी भोपाल तलब, संगठन ने भी मांगी रिपोर्ट

संगठन और प्रशासन की लड़ाई का प्रदेश सरकार ने लिया संज्ञान

जबलपुर। लम्बे समय के बाद जबलपुर मे ऐसे हालात बने है जब प्रशासन और सत्ताधारी पार्टी के नेता आमने सामने हैं। जहां एक तरफ बिजली विभाग के अधिकारी कर्मचारी लामबंद है, वहीं दूसरी तरफ भाजपा के विधायकों के नेतृत्व में नगर भाजपा संगठन है। गत दिनो बिजली विभाग कार्यालय मे हुये प्रदर्शन के उसी दिन देर रात बिजली अधिकारियो की शिकायत पर भाजपा नेताओ पर एफआईआर दर्ज हो गई। इस खबर ने पूरी नगर भाजपा को सकते मे डाल दिया कि 7 विधायक, 2 सांसद, केबिनेट मंत्री, महापौर वाली नगर भाजपा मे नगर भाजपा के नेताओ के खिलाफ मामला दर्ज हो गया और भाजपा नेताओ को कानो कान खबर नही हुई। जिसके बाद भाजपा विधायको की मौजूदगी मे भाजपा ने कोतवाली मार्ग जाम कर प्रदर्शन किया। जिसके बाद बिजली विभाग अधिकारी इमरान खान पर भी एफआईआर दर्ज की गई। मामला यही नही थमा अगले दिन बिजली विभाग मैदान मे आ गया। बिजली विभाग ने मामले को बिजली चोरी से जोड़ दिया, वही बिजली कर्मचारियो ने प्रदर्शन किया। इस पूरे घटनाकम की चर्चा जबलपुर से लेकर भोपाल तक के राजनीति गलियारो मे फैल गई। सूत्रो से मिली जानकारी के अनुसार पुलिस कप्तान और बिजली विभाग के अधिकारी को भोपाल तलब किया गया है। चूंकी यह मामला कहीं न कहीं राजनीतिक प्रतिष्ठा से जुड़ गया है। प्रदेश सरकार की एंट्री मामले मे हो चुकी है। सरकार को प्रशासन को नाराज किये बिना संगठन को साध कर चलना है। इसलिये संभावना है कि अगले एक हफ्ते मे एक दो अधिकारियो के तबादले और कुछ नेताओ को नोटिस जारी हो सकते है।

भोपाल तलब हुये अधिकारी

जानकारी के अनुसार पुलिस अधीक्षक और बिजली विभाग के एक अधिकारी को मुख्यमंत्री ने भोपाल तलब किया है। जिनसे पूरी घटना की जानकारी ली गई। सूत्रों की मानें तो अधिकारियों से कहा गया है कि इस मामलें को किसी भी पक्ष से तूल न मिलें इस पर समझाईश दी जाए, पार्टी अपने स्तर पर नेताओं को भी समझाने का काम करेगी। उधर दूसरी ओर बिजली विभाग के अधिकारी भी पूरी मामले मे सबूत तैयार करने मे जुटे है। हालांकी यह तय माना जा रहा है कि एक दो अधिकारियो के तबादले होगे। अब चाहे बड़े अधिकारियो के तबादले हो या फिर जमीनी अधिकारियो पर गाज गिरे, लेकिन हर कोई मान रहा है कि राजनीतिक हो चुकी लड़ाई मे प्रतिष्ठा बचाने कार्यवाही जरुर होगी।

संगठन भी सक्रिय

वहीं भाजपा प्रदेश संगठन ने भी नगर संगठन से पूरे मामले मे जानकारी मांगी है। इस मामले मे नगर भाजपा दो धड़ो मे बटी बताई जा रही है। एक धड़ा गलती कार्यकर्ताओ की बता रहा है, दूसरा धड़ा बिजली विभाग के मनमानी को पूरे घटना क्रम की वजह बता रहा है। लेकिन चूंकी मामला राजनीतिक हो चुका है, इसलिये नगर संगठन की प्रतिष्ठा के लिये दोनों धडे चाह रहे है कि अधिकारियो पर कार्यवाही जरुर की जाएगी। संभावना यह भी है एक दो भाजपा कार्यकर्ताओं भी संगठनात्मक कार्यवाही हो सकती है।

हाईकोर्ट ने एमपीएलआर कोड के तहत आवेदन के लिए किया स्वतंत्र

पुलिस थाना बनाने के लिए बंद कर दिया खेत का रास्ता

जबलपुर। हाई कोर्ट में एक याचिका के जरिये पुलिस थाना बनाने के लिए खेत का रास्ता बंद किए जाने के रवैये को चुनौती दी गई। न्यायमूर्ति जीएस अहलूवालिया की एकलपीठ ने याचिका का इस निर्देश के साथ निराकरण कर दिया कि याचिकाकर्ता एमपीएलआर कोड के अंतर्गत तहसीलदार के समक्ष आवेदन के लिए स्वतंत्र है। निवाडी जिले के ग्राम टीला निवासी सुमन वाजपेई की तरफ से दायर याचिका में कहा गया था कि उसके खेत में जाने का रास्ता शासकीय भूमि से निकलता था। जिस पर पुलिस थाने का निर्माण किया जा रहा है। लिहाजा, चारों तरफ दीवार बना दी गयी है। इसके चलते खेत में जाने का रास्त बंद हो गया है। हाई कोर्ट ने पाया कि याचिकाकर्ता को एमपीएलआर कोड के तहत तहसीलदार के समक्ष आवेदन करना था। याचिकाकर्ता की ओर से अंतरिम राहत चाही गई थी कि जब तक विवाद का निराकरण नहीं होता उसे खेत में जाने के लिए सरकारी जमीन के उपयोग की अनुमति प्रदान की जाए। एकलपीठ ने किसी भी प्रकार की राहत देने से इंकार करते हुए अपने आदेश में कहा है कि रिट कोर्ट के फोरम का उपयोग अंतरिम राहत के उद्देश्य से नहीं किया जा सकता है। संबंधित प्राधिकरण ही मामले की सुनवाई करके कोई राहत देने में समर्थ है।

सेवानिवृत्त कर्मचारियों को पेंशन सहित अन्य लाभ प्रदान करें : हाईकोर्ट

जबलपुर। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने उच्च शिक्षा विभाग को निर्देश दिए कि याचिकाकर्ता सेवानिवृत्त कर्मचारियों को पेंशन सहित अन्य लाभ प्रदान करें। जस्टिस विवेक अग्रवाल की एकलपीठ ने इसके लिए 45 दिन की मोहलत दी है।

नरसिंहपुर करेली निवासी सेवानिवृत्त प्रोफेसर डॉ बीडी गुप्ता, ग्रंथपाल अमोल सिंह चौधरी, हेड क्लर्क सुरेन्द्र कुमार नामा, यादव सिंह मालवीय व अन्य की ओर से अधिवक्ता प्रभात असाटी ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि याचिकाकर्ताओं को सेवानिवृत्ति अनुलाभ पेंशन, परिवार पेंशन, सारांशीकरण मंहगाई भत्ता का भुगतान नहीं किया गया है। उन्होंने तर्क दिया कि हाईकोर्ट द्वारा डॉ आरजी अग्रवाल विरुद्ध नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय के प्रकरण में दिए फैसले से याचिकाकर्ता भी कवर्ड हैं। सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने उक्त निर्देश के साथ याचिका का निराकरण कर दिया।

नर्सिंग काउंसिल की पूर्व रजिस्टार शिजू बर्खास्त

जबलपुर। मध्य प्रदेश के प्रमुख सचिव स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा द्वारा नर्सिंग काउंसिल की पूर्व रजिस्ट्रार शिजु को बर्खास्त कर दिया गया है। सात अन्य लोगों के ऊपर भी कड़ी कार्रवाई किये जाने का प्रस्ताव तैयार हो गया है। पूर्व रजिस्ट्रार को रजिस्टार के पद पर रहते हुए की गई अनिमियताओं के करण बर्खास्त किया गया है। नर्सिंग कॉलेज की मान्यता का मामला गंभीर रूप से सरकार की छवि को प्रभावित कर रहा था। हाईकोर्ट के आदेश पर सीबीआई द्वारा जांच की जा रही है। कई नर्सिंग कॉलेजों को गलत तरीके से मान्यता जारी करने से हजारों छात्र छात्रों का भविष्य संकट में पड़ गया है। पूर्व रजिस्टर ने जानबूझकर मान्यता देने में देरी करने, डुप्लीकेट फैकल्टी पर कार्रवाई नहीं करने, गलत निरीक्षण रिपोर्ट पर कार्रवाई नहीं करने तथा अन्य कई गंभीर अनिमियताएं की गई हैं। जिसके कारण उन्हें बर्खास्त किया गया है। शिकायत मिलने पर उनकी विभागीय जांच कराई गई थी। आरोप प्रमाणित होने पर बर्खास्त किया गया है। पूर्व स्वास्थ्य मंत्री ने पात्रता नहीं होते हुए भी इन्हें रजिस्टार जैसे अहम पद पर नियुक्त किया था।

बाहर से सांकल लगाकर भागे चोर

परिवार सोता रहा, चोर उठा ले गए जेवरों की पेटी

जबलपुर। मझौली थाना अतंर्गत देवरी अमगवां में एक परिवार के घर से अज्ञात चोर ने सोने चांदी के जेवर नगदी सहित चोरी कर ले गये। बताया गया है कि गत रात परिवार के सभी लोग सो गए थे। देर रात जब युवक की नींद खुली तो उसने देखा कि घर में रखी दो पेटियां नहीं थी जिसमें सोने चांदी के जेवर व नगदी 20 हजार रुपए वहीं दूसरी पेटी में कपड़े रखे थे। चोरी गए माल की कीमत डेढ़ लाख रुपए बताई गई है।

मझौली पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार देवरी अमगवां मझोली निवासी 40 वर्षीय राकेश कुमार तिवारी के घर गत रात लगभग 11 बजे सभी सो गए थे। उसकी दादी एवं मॉ घर की परछी में तथा राकेश अपनी पत्नी व बच्चों के साथ ऊपर के कमरे में सो रहा था। रात 2 बजे घर के बाजू में रहने वाले चाचा राजेश तिवारी ने फोन कर कहा कि घर पर बाई के रोने की आवाज आ रही है। वह नीचे आने को हुआ तो उसने देखा कि उसके कमरे के दरवाजे में बाहर से सांकल लगी थी। सांकल खुलवाकर नीचे आया तो घर में रखी 2 पेटियां अज्ञात चोर चोरी कर ले गया। एक पेटी मे सोने की एक जोड़ी झुमकी, मंगलसूत्र, दो चूड़ी, चांदी की एक जोड़ी पायल, 4 चूड़ी, नगदी 20 हजार रूपये तथा एक पेटी मे कपडे रखे थे।

फर्जी दस्तावेज कर बेची मिशनरी ट्रस्ट की जमीन

पूर्व बिशप का एक और फर्जीवाड़ा उजागर

जबलपुर। जबलपुर डायसियस के पूर्व बिशप पीसी सिंह एक बार फिर फर्जीवाड़े के मामलें में चर्चाओं में आ गए है। ईओडब्ल्यू ने उनके खिलाफ एक और मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी। बताया गया है कि पूर्व बिशप पीसी सिंह ने गोरखपुर कटंगा के पास धार्मिक उद्देश्य के लिए गई जमीन फर्जी दस्तावेज तैयार कर अपनी पत्नी नोरा सिंह के नाम करा दी और उसके बाद इस जमीन को डेढ़ करोड़ रुपए में बेच दिया। शिकायत मिलने पर ईओडब्ल्यू ने पूर्व बिशप पीसी सिंह और उनकी पत्नी नोरा सिंह के खिलाफ धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज कर जांच शुरु कर दी।

ईओडब्ल्यू एसपी आरडी भारद्वाज ने बताया कि ईओडब्ल्यू को यह शिकायत मिली की कि हवाबाग गोरखपुर क्षेत्र में मिशनरी की की एक जमीन को पीसी सिंह ने फर्जी दस्तावेज तैयार कर उसे डेढ़ करोड़ रुपए में बेच दिया। इस मामलें की जांच चल रही है, जिसमें यह पता लगाया जा रहा है कि पीसी सिंह के साथ जमीन के इस फर्जीवाड़े में और कितने लोग शामिल है, जांच में और जो तथ्य सामने आए उसके आधार पर आगे की कार्यवाही की जाएगी. खबर यह भी है कि पूर्व बिशप पीसी सिंह ने गोरखपुर कटंगा के पास 3 हजार फीट मिशनरी की जमीन पर कब्जा कर करीब पांच करोड़ रुपए की लागत से अपने लिए एक आलीशान बंगला बनवाया है, यहां तक कि आसपास की जमीन पर भी कब्जा कर लिया. पीसी सिंह पर मिशनरी की जमीनों में फर्जीवाड़ा कर करोड़ों रुपए एकत्र किए, स्कूल से मिलने वाली फीस का भी निजी इस्तेमाल किया. यहां तक कि अपनी पत्नी नोरा सिंह को मिशनरी की चार संस्थाओं में एक साथ पदस्थ कर प्रतिमाह वेतन दिलाया. इसके अलावा मिर्जापुर उत्तरप्रदेश में भी अपने एक साथी पीटर बलदेव के जरिए दस करोड़ रुपए की जमीन बेचने का आरोप भी लगा है. ईसाई धर्मगुरु व पूर्व बिशप पीसी सिंह ने फर्जीवाड़े जबलपुर ही नही देश के कई शहरों में किए है. अभी तक देशभर में पीसी सिंह के खिलाफ 101 मामले दर्ज हो चुके है. जिसमें मध्यप्रदेश में 6 प्रकरण दर्ज है. पिछले दिनों वे जेल भी हो आए और वे जमानत में चल रहे है। इस नए मामलें मे ईओडब्ल्यू ने पूर्व बिशप पीसी सिंह और उनकी पत्नी के खिलाफ धारा 420, 467, 471 और 120 बी के तहत मामला दर्ज कर लिया है। ईओडब्ल्यू एसपी का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद पता चलेगा कि फर्जीवाड़े में कैन-कौन शामिल हैं।

ट्रेनों के सुरक्षित संचालन व नेटवर्क की क्षमता बढ़ेगी

जबलपुर रेल मंडल के स्टेशनों में एआई प्रणाली का काम शुरु

जबलपुर। एआई (इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग) प्रणाली से अब ट्रेनों के सुरक्षित संचालन हो सकेगा और रेलवे नेटवर्प की क्षमता और सुरक्षा बढ़ेगी, साथ ही ट्रेन संचालन के दौरान फेल होने वाली दुर्घटनाओं का भी पता चल सकेगा। अभी तक यह व्यवस्था देश के प्रमुख बड़े स्टेशनों में उपलब्ध थी अब जबलपुर रेल मंडल ने भी इस पर कार्य प्रारंभ हो गया है, जिसके तहत छोटे स्टेशनों पर भी इस व्यवस्था को लागू किया जाएगा, इसके लिए विभिन्न रेलखंडो पर पुरानी इंटरलॉकिंग प्रणाली बदली जा रही है और सिग्नल सिस्टम को अपग्रेड किया जा रहा है।

जबलपुर रेल मंडल के इन स्टेशनों पर काम शुरू

जबलपुर मंडल के अंतर्गत छतैनी, ब्योहारी, न्यू मझगवां फाटक, हरदुआ, गणेशगंज और असलाना स्टेशनो पर कमीशनिंग की जा रही है। इस रेलखंड पर सुरक्षित परिचालन के लिए दोहरीकरण रेल लाइन में ब्लॉक इंस्ट्रूमेंट लगाए गए हैं। इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग से रेल संचालन में संरक्षा, सुरक्षा और परिचालन आसान होगा। अभी पमरे के केवल 23 स्टेशनों पर इस व्यवस्था को अपग्रेड किया गया है अगले दो साल में सभी स्टेशनो को अपग्रेड करने की योजना है।

इस तरह होगी व्यवस्था

इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग में सिग्नल, प्वॉइंट और लेवल-क्रॉसिंग गेट को नियंत्रित करने के लिये कम्प्यूटर आधारित प्रणाली और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण का उपयोग होता है। पारंपरिक रिले इंटरलॉकिंग प्रणाली के विपरीत इलेक्ट्रानिक इंटरलॉकिंग में सॉफ्टवेयर और इलेक्ट्रॉनिक घटकों का उपयोग होगा। इससे सिग्नल आगे ट्रैक की स्थिति के आधार पर ट्रेनों को रोकने उन्हे आगे बढ़ने, सावधानी बरतने के लिए सूचना मिलती है।

तापमान गिरा, उमस बरकरार

हल्की बारिश के बाद गर्मी से मिली राहत

जबलपुर। फिलहाल मानसून पूर्वी मध्यप्रदेश में आ चुका है आज सिवनी के रास्ते जबलपुर की ओर बढ़ सकता है। मप्र में मानसून की दस्तक हो चुकी है। आसपास मानसून सक्रिय है। जबलपुर में शनिवार की सुबह हल्की बूंदाबांदी हुई और शाम ढलने के बाद आसमान पर घने बादल छा गए और बारिश के आसार बनने लगे। ठंडी हवाओं और बारिश की वजह से भीषण गर्मी से राहत मिली, जबकि धूप के दौरान उमस ने भी हमला किया। मौसम विभाग का कहना है कि हवा में नमी बढ़ने से बारिश के आसार बन रहे है। शनिवार की सुबह और रात में हल्की बारिश ने राहत दी। रात में जरूर गरज चमक के साथ बूंदाबांदी हुई। अभी तक जबलपुर में प्री मानसून की बारिश ही हुई है। मानसूनी बारिश का अभी इंतजार है।

जबलपुर में अभी तक प्री मानसून का सिस्टम ही सक्रिय रहा है। पूर्वी मध्यप्रदेश में मानसून सक्रिय हो चुका है। अगले 48 घंटों के दौरान जबलपुर में भी मानसून दस्तक दे सकता है। 1 से 20 जून तक प्री मानसून की बारिश दर्ज की जाती है। आमतौर पर जबलपुर में मानसून पिछले कुछ सालों से 25 जून के बाद ही आ रहा है। मौसम विभाग का कहना है कि बंगाल की खाड़ी में कम दबाव का क्षेत्र बना हुआ है, लिहाजा मानसून अगले 48 घंटों के दौरान सक्रिय हो सकता है। पिछले 24 घंटों के दौरान नगर का अधिकतम तापमान 35.8 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 1 डिग्री अधिक दर्ज किया गया। न्यूनतम तापमान 24.02 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 1 डिग्री कम दर्ज किया गया। सूर्योदय प्रातकाल 5.26 बजे व सूर्यास्त सायंकाल 6.59 मिनट पर हुआ। हवा में नमीं प्रातःकाल 90 प्रतिशत और सायंकाल 56 प्रतिशत आंकी गई। प्रदेश में सबसे अधिक 40.5 डिग्री तापमान नौगांव (छत्तरपुर) जिलें में दर्ज किया गया। गत वर्ष आज के दिन अधिकतम तापमान 34.5 और न्यूनतम तापमान 28.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। उड़ीसा, झारखंड व छत्तीसगढ़ के ऊपर कम दबाव का क्षेत्रफल बनने से अगले 24 घंटों के दौरान कहीं-कहीं छुटपुट वर्षा हो सकती है। उत्तरी हवाएं 3 से 4 प्रतिघंटे की रफ्तार से चली।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक–डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240